फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 74 संख्याः 278 प्रभात जयपुर, शुक्रवार 10 मई, 2024 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

All Play And No Work!!!!

Frankenstein believed in hard work, meaning, making my hard work, he set up a practice net, and a hundred used golf balls….

Buried Seeds Viable For 144 Years

The team always thought that a hybrid was somehow mixed in with the original seeds, but never had the tools to confirm it, until now.

'हमारी सरकार में मुझ पर देशद्रोह का केस हुआ, सहन करना मुश्किल, मैं खुलकर बोला कि, इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता'

सचिन पायलट ने ए.एन.आई. को दिये इन्टरव्यू में खुलकर प्रदेश की राजनीति पर अपना पक्ष भी रखा

- "विधायक दल की बैठक नहीं हो पाई, पता नहीं क्या रिज़ल्ट निकलकर आता? अच्छा होता कि, मीटिंग हो जाती।"
- पायलट ने कहा कि, राजस्थान में जनता के भ्रष्टाचार के मुद्दे थे, जिन पर पार्टी ने एक्शन लिया। मंत्रिपरिषद में कोई दलित मंत्री नहीं था। मैंने कहा था कि, यह गलत है, इसके बाद बदलाव हुए।
- कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने कहा कि, डिप्टी सी.एम. और कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष रहते हुए हमारी ही सरकार में मुझ पर देशद्रोह का केस हुआ, इसे सहन करना मुश्किल होता है। इस पर मैं खुलकर बोला कि, इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता, बाद में सब चीजों का समाधान हुआ। हमने चुनाव के लिए मिलकर मेहनत की।

जयपुर, 9 मई (का.प्र.)। कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने राजस्थान कांग्रेस की राजनीति को लेकर कहा कि, "2018 में सी.एम. का फैसला मुझसे बात करके ही किया था"। सन् 2018 में अशोक गहलोत को मु.मंत्री बनाए जाने और उन्हें यह पद नहीं मिलने के सवाल पर पायलट ने कहा कि, यह पार्टी का फैसला था। वर्ष 2018 का फैसला मुझसे बात करके किया था। साथ ही पायलट ने यह भी कहा कि, किस्मत में जो लिखा है, उसे कोई छीन नहीं सकता है। जो नहीं है, उसे कोई दे नहीं सकता।

न्यूज़ एजेंसी ए.एन.आई. को दिए इंटरव्यू में पायलट ने कहा-अब हम विपक्ष में हैं, सब भुलाकर काम करने की जरूरत है, किसने क्या छोटा -मोटा बोला इसे भूलकर आगे बढ़कर काम करने की जरूरत है।

इसी के साथ, 2022 में विधायक दल की बैठक नहीं होने के मुद्दे पर पायलट ने कहा कि, जो हुआ, सबके सामने हुआ। पार्टी ने कमेटी बनाई, जो मुद्दे थे, उन्हें कमेटी ने लिया, मंत्रिमंडल में फेरबदल किया। हाईकमान ने हमारी बातों को सुना। विधायकों की राय जानने के लिए ऑब्ज़र्वर भेजे, 25 सितंबर 2022 को दुर्भाग्य से विधायक दल की बैठक नहीं हो पाई। कांग्रेस विधायक दल की बैठक के लिए मल्लिकार्जुन खड़गे और अजय माकन जयपुर आए थे। उस बैठक का पता नहीं क्या रिज़ल्ट निकलकर आता? पर अच्छा होता कि एक बार मीटिंग हो जाती।

पायलट ने कहा कि, राजस्थान में जनता के भ्रष्टाचार के मुद्दे थे, जिन पर पार्टी ने एक्शन लिया। मंत्रिपरिषद में कोई दलित मंत्री नहीं था। मैंने कहा था कि यह गलत है, इसके बाद बदलाव हुए।

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने कहा कि, डिप्टी सी.एम. और कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष रहते हुए हमारी ही सरकार में मुझ पर देशद्रोह का केस हुआ, इसे सहन करना मुश्किल होता है। इस पर मैं खुलकर बोला कि इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता, बाद में सब चीजों का समाधान हुआ। हमने चुनाव के लिए मिलकर मेहनत की।

अशोक गहलोत के साथ कड़वाहट, खींचतान और सियासी उठापटक का कांग्रेस को विधानसभा चुनावों में नुकसान होने के सवाल पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कांग्रेस नेताओं ने प्र.मंत्री मोदी को चुनौती दी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 मई। कांग्रेस के अनेक वरिष्ठ नेताओं ने गुरुवार को प्रधानमंत्री मोदी के द्वारा एक दिन पहले किए गए दावे को चुनौती दी है। जिसमें उन्होंने कहा था कि देश के शीर्ष दो उद्योगपति अडाणी व अंबानी कांग्रेस को काले धन के बोरे टैम्पो में भरकर भेज रहे हैं। पार्टी की प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि प्रधानमंत्री ने यह कहने का साहस तो किया कि उनके खुद के मित्र भ्रष्टाचार में शामिल है और वो कांग्रेस को भारतीय रुपयों के बंडल टैम्पों में भरकर भेज रहे हैं। श्रीनेत ने एक प्रेस कार्यक्रम में जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री के अधीन सभी जांच एजेन्सियां हैं जिन्हें वे मामले की जांच करने का आदेश दे सकते हैं।

- बुधवार को एक सभा में प्रधानमंत्री मोदी ने आरोप लगाया था कि, कांग्रेस को अंबानी-अडाणी से टैम्पो में भर कई बोरे काला धन मिला है। इसके जवाब में आज कांग्रेस के नेताओं ने मोदी को अंबानी-अडाणी पर कार्यवाही करने की चुनौती दी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'देश की जनसंख्या में 1950 व 2015 के बीच मुसलमानों की आबादी में 41.5 प्रतिशत वृद्धि हुई'

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार समिति ने एक रिपोर्ट जारी कर यह दावा किया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 मई। लोकसभा चुनावों के शेष चार चरणों के दौरान साम्प्रदायिक उन्माद बनाए रखने की एक हताशापूर्ण कोशिश के तहत प्रधानमंत्री की इकोनॉमिक काउन्सिल ने मीडिया में एक रिपोर्ट जारी की है, जिसमें दावा किया गया है कि भारत में वर्ष 1950 से वर्ष 2015 के बीच हिन्दुओं की आबादी 7.82 प्रतिशत घटी, जबकि मुस्लिमों की आबादी में 41.15 प्रतिशत का इजाफा हुआ।

हालिया रिपोर्ट (पेपर) को जारी करने का समय इस कदम के इरादों और उद्देश्यों पर कई सवाल खड़े करता है। पेपर में सुझाया गया है कि देश में विविधता के पोषित का कोई सकारात्मक माहौल नहीं है।

वर्तमान में जारी लोकसभा चुनाव की मतदान प्रक्रिया के बीच इस पेपर को सार्वजनिक किए जाने से स्पष्ट हो गया है कि इसका वास्तविक उद्देश्य सार्वजनिक चर्चाओं में हिन्दू-मुस्लिम विषय को जीवंत बनाए रखना है।

"शेयर ऑफ रिलीज़स माइनॉरिटीज़ : ए क्रॉस कंट्री एनालैसिस (1950-2015)" शीर्षक वाले इस पेपर में आगे कहा गया है कि "वर्ष 1950 से 2015 के बीच बहुसंख्यक हिन्दुओं की आबादी 7.82 प्रतिशत घटी (84.68 प्रतिशत से 78.06 प्रतिशत।)। वर्ष 1950 में मुस्लिम आबादी का शेयर 9.84 प्रतिशत था जो वर्ष 2015 में 14.09 प्रतिशत तक बढ़ गया।" यह उनकी आबादी के शेयर में 43.15 प्रतिशत बढ़ोतरी थी।

पेपर के अनुसार, इस दौरान ईसाईयों की आबादी 2.24 से 2.36 प्रतिशत तक बढ़ी, यानि कि वर्ष 1950 और वर्ष 2015 के बीच उनकी आबादी का शेयर 5.38 प्रतिशत बढ़ा।

सिखों की आबादी इस दौरान 1.24 प्रतिशत से 1.85 प्रतिशत बढ़ी जो कुल आबादी में उनके शेयर की 6.58 वृद्धि थी। भारत की पारसी आबादी में 85 प्रतिशत की भारी कमी आई। वर्ष 1950 में आबादी में उनका शेयर 0.03 प्रतिशत था जा वर्ष 2015 में 0.004 हो गया।

पेपर में कहा गया कि उसके डेटा संकेत देते हैं कि समाज में विविधता को पोषित करने के लिए सकारात्मक वातावरण है, लेकिन यह भी कहा गया है कि समाज के वंचित वर्गों को किसी ऊर्ध्वगामी सहारे के बिना बेहतर जीवन देना संभव नहीं है।

पेपर में ध्यान दिलाया गया कि बहुसंख्यक आबादी के शेयर में कमी और अल्पसंख्यकों की आबादी के शेयर में हुई बढ़ोतरी से यह पता चलता है कि

- समिति ने देश की जनसंख्या के बारे में कई और महत्वपूर्ण निष्कर्ष भी पेश किये।
- पर, सबसे ज्यादा यह सवाल उठाया जा रहा है कि, लोकसभा चुनाव के बीच यह रिपोर्ट जारी करना, हिन्दू-मुस्लिम दुराव को और बढ़ावा देने का प्रयास तो नहीं?

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्र.मंत्री मोदी का चुनावी फोकस बिहार व महाराष्ट्र पर है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 मई। महाराष्ट्र और बिहार जैसे महत्वपूर्ण राज्यों में, जिन सीटों से भाजपा खुद चुनाव लड़ रही है, वह उन सीटों पर जीतने के प्रति आश्वस्त नज़र आ रही है लेकिन, इन दोनों राज्यों में अपने गठबंधन साथियों की जीत पर उसको उतना विश्वास नहीं है। दोनों राज्यों में कुल मिलाकर 98 लोकसभा सीटे हैं।

वर्ष 2019 के चुनावों में नेशनल डैमोक्रेटिक एलायंस (एन.डी.ए.) ने, महाराष्ट्र में 48 में से 41 सीटें और बिहार में 40 में से 39 सीटों पर जीत हासिल की थी। सत्तारुढ़ गठबंधन शायद इस संख्या को कायम न रख सके, इस चिंता के कारण, इन दोनों राज्यों में, अगले कुछ दिनों के लिए, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक आक्रामक प्रचार अभियान को अंतिम रुप दे दिया गया है। यह दिलचस्प है कि, इन राज्यों में, प्रधानमंत्री अपना ध्यान उन चुनाव क्षेत्रों पर केन्द्रित करेंगे जहां से गठबंधन साथियों के प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने अभी तक महाराष्ट्र में 14 और बिहार में 6 रैलियां की हैं। यह संख्या अब बढ़ेगी क्योंकि वे अब महाराष्ट्र में 4 और बिहार में तीन और रैलियां करेंगे।

बिहार में अगले सोमवार तक उनकी कुल 9 जनसभाएं होंगी इनमें से पांच जनसभाएं उन सीटों पर होंगी जहां से भाजपा के गठबंधन सहयोगी, नीतीश कुमार की जदयू, चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (एल.जे.पी.) और जीतन राम मांझी की हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (एच.ए.एम.) चुनाव लड़ रही हैं।

महाराष्ट्र में प्रधानमंत्री ने अभी तक चार सभाओं को संबोधित किया है, जहां से गठबंधन प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं। अभी उनको दो और सीटें, नासिक और कल्याण, जहां से भाजपा के सहयोगी चुनाव लड़ रहे हैं, में सभाओं को संबोधित करना है। अजीत पवार की नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एन.सी.पी.) प्रधानमंत्री के "ऑरबिट" से किसी कारणवश बाहर रह गई है क्योंकि, मोदी ने अभी तक किसी एन.सी.पी. प्रत्याशी के लिए प्रचार नहीं किया है।

भाजपा, अपने दम पर, महाराष्ट्र में 27 सीटों पर और बिहार में 17 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। भाजपा के लिए जदयू, बिहार की कमज़ोर कड़ी लगती

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- पर, उल्लेखनीय बात यह है कि, दोनों राज्यों में प्र.मंत्री का फोकस रैली व आम सभा कि दृष्टि से गठबंधन की साथी पार्टियों की सीटों पर है।
- बिहार में नीतीश कुमार की पार्टी जद (यू), चिराग पासवान की पार्टी एल.जे.पी. तथा जीतन राम मांझी की पार्टी एच.ए.एम. की सीटों पर मोदी सघन प्रचार करेंगे।
- इसी प्रकार महाराष्ट्र में प्र.मंत्री गठबंधन की घटक पार्टियों की छः सीटों पर रैली व आम सभाएं करेंगे। पर, अजीत पवार की पार्टी और शिव सेना (शिंदे) की सीटें अभी तक मोदी जी के अभियान से अछूती रही हैं।

प्र.मंत्री मोदी और राहुल गांधी सार्वजनिक बहस के लिए आमंत्रित

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 मई। जनता को जागरूक रखने को लेकर एक गंभीर पहल के तहत सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज मदन बी. लोकुर, ए.पी. शाह और पत्रकार एन. राम ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लोकसभा चुनाव 2024 पर एक सार्वजनिक बहस के लिए आमंत्रित किया है। अपने आमंत्रण में इन लोगों ने कहा है कि जनता ने सत्तारूढ़ पार्टी और विपक्ष के सिर्फ आरोपों और चुनौतियों के बारे में सुना है, लेकिन उसने इन दोनों की कोई "अर्थपूर्ण प्रतिक्रिया" नहीं सुनी है।

जस्टिस लोकुर, जस्टिस शाह और पत्रकार एन. राम द्वारा लिखे गए पत्र में

- यह आमंत्रण सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस मदन बी. लोकुर, ए.पी. शाह और पत्रकार एन. राम ने भेजा है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारी मतदान के बावजूद बंगाल में वोटर मुखरित नहीं है, अपनी राय बताने के बारे में

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 मई। ममता बनर्जी एक शक्तिशाली नेता हैं, लेकिन वह वर्तमान में अपने पूरे दमखम के साथ तृणमूल कांग्रेस की खराब छवि को उज्ज्वल बनाने में लगी हैं।

ममता बनर्जी के बंगाल में उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टी.एम.सी.) स्कूल की नौकरियों के घोटाले, राशन वितरण घोटाले और संदेशखाली की घटना पर आए कोर्ट के विपरीत फैसलों के बाद अपनी छवि बदलने की कोशिश कर रही है। कोर्ट के फैसलों ने बड़े पैमाने पर भूमि कब्जों, धन ऐंठने और बलात्कार के आरोपों को उजागर किया है।

तृणमूल कांग्रेस के एक स्थानीय नेता की पत्नी ने स्थानीय पुलिस से शिकायत की है कि उसे एक खाली कागज पर अपने हस्ताक्षर करने के लिए दिया गया जिसके बाद उस पेपर पर रेप की शिकायत लिखकर स्थानीय पुलिस में दर्ज करायी गई। तृणमूल कांग्रेस इस कथित झूठे आरोप को लेकर हल्ला कर रही है।

भाजपा नेता अब यह कह रहे हैं कि घटनाएं एक लम्बे अर्से पहले हुई, जब भाजपा के कार्यकता या नेता संदेशखाली के दूरस्थ एवं पृथक इलाके में घुस भी नहीं पाते थे। वे एक स्थानीय महिला पर शिकायत लिखने का दबाव कैसे बना सकते हैं। एक अकेली महिला भ्रामक शिकायत दर्ज करा सकती है, लेकिन उन हजारों महिलाओं के लिए आप क्या कहेंगे जिन्होंने लगातार हो रहे उत्पीड़न और निरंतर दी जा रही धमकियों के विरोध में जुलूस निकाला था। उन्होंने तृणमूल के गुण्डों के खिलाफ मारपीट और हत्याओं की शिकायत की थी।

एनफोर्समैंट डायरैक्टोरेट (ई.डी.) अधिकारी जब तृणमूल नेता शेख शाहजहाँ से बात करने संदेशखाली में उसके घर गए थे, तब उन्हें अपनी जान बचाने के लिए वहां से तुरन्त ही भागना पड़ा था। उसके बाद शेख शाहजहाँ और उसके साथी गिरफ्तार किए गए तथा अब वे हवालात में हैं।

संदेशखाली में किसी भी राजनीतिक पार्टी के नेता के लिए प्रवेश संभव नहीं था। इस पर कई सच व झूठ हैं। संदेशखाली में हुई घटनाओं से ममता बनर्जी इन्कार कर रही हैं और उन घटनाओं के प्रमाण मांग रही है जिन्होंने लोगों को आंदोलन के लिए उकसाया। ममता की यह बात शायद जनता के गले नहीं उतरेगी।

दूसरी तरफ कुछ समय पहले की बात है बंगाल के राज्यपाल सी.वी. आनन्द बोस के राजभवन में काम करने वाली एक महिला कर्मचारी ने स्थानीय पुलिस को एक शिकायत दर्ज कराई थी उस पर यौन हमला किया गया था। उस महिला से प्राप्त रिपोर्ट के बाद तत्काल कार्यवाही करते हुए राज्य की पुलिस हरकत में आ गई थी और राजभवन मे मामले की जाँच करने पहुँच गई थी।

शिकायत दर्ज कराने के बाद अगले दिन राज्यपाल बोस को केरल उनके गृह प्रदेश में जाना था, जो कि पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार गए थे।

अपनी संक्षिप्त यात्रा से वापस लौटने के बाद राज्यपाल ने कुछ सी.सी.टी.वी. फुटेज जारी करने की धमकी दी,

- पर, तृणमूल कांग्रेस का, संदेशखाली में "मास रेप" व महिलाओं की पिटाई की बात को पूर्णतया झूठा व कपोत कल्पित साबित करने का प्रयास जनता के गले नहीं उतर रहा है।
- इसी प्रकार राजभवन की एक महिला कर्मचारी द्वारा गवर्नर पर बलात्कार का आरोप भी मुसीबत पैदा कर रहा है, तृणमूल पार्टी के लिये।
- राज्यपाल ने अपनी केरल यात्रा से लौटकर, राजभवन के सी.सी.टी.वी. के कवरेज का रिकॉर्ड अपने कब्जे में किया तथा शहर के सभ्रांत व प्रभावशाली लोगों को दिखाया और अपनी जिंदादिली साबित की।
- राज्यपाल ने राज्य की पुलिस की ही नहीं, मंत्रियों की एंट्री भी बंद कर दी राजभवन में।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने राम मंदिर के दर्शन किये

अयोध्या, 9 मई। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने बुधवार को अयोध्या के राम मंदिर में गए और वहां भगवान राम के समक्ष शीश नवाया और प्रार्थना की। 22 जनवरी को उत्तर प्रदेश स्थित मंदिर में रामलला का प्राण प्रतिष्ठा समारोह हुआ था।

- राज्यपाल आरिफ मोहम्मद की शुक्रवार को कुछ तस्वीरें सामने आईं हैं, जिनमें वो रामलला के समक्ष शीश झुकाकर प्रार्थना कर रहे हैं।

उस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत देश-दुनिया के हजारों गणमान्य मौजूद रहे थे। बुधवार दोपहर अयोध्या पहुंचे खान ने राम जन्मभूमि पर बने राम मंदिर में गए और विशेष प्रार्थना की तथा भगवान राम के सामने शीश नवाया।

"इशु लैस" चुनाव ने सभी को डरा रखा है, चाहे वो राजनीतिज्ञ हों, या पत्रकार, या अफसर!

सभी को डर है कि, अब तक प्रचलित कई राजनैतिक धारणाएं व किंवदंतियां नेस्ताबूद हो सकती हैं, लोकसभा चुनाव के नतीजों से

-विशेष प्रतिनिधि द्वारा-

जयपुर, 9 मई। पिछले विधानसभा चुनाव में "इशू" स्पष्ट था, ऊपर से शुरु होकर ज़मीनी स्तर पर फैला सरकारी "करप्शन" (भ्रष्टाचार)। इस भ्रष्टाचार को स्वीकार करने को कोई तैयार नहीं था, चाहे मु.मंत्री हो या विधायक, या फिर तहसीलदार, पटवारी या मुख्य सचिव स्तर के उच्चतम अधिकारी। बड़ा भ्रष्टाचार, एक सामान्य आदमी की ज़िंदगी को शायद सीधा प्रभावित नहीं करता, जैसे बोफोर्स तोपों की खरीद। परंतु पटवारी, थानेदार आदि, तहसील व उनसे भी छोटे स्तर के प्रशासनिक अधिकारी का भ्रष्टाचार एक आदमी को ज़िंदगी को रोज छूता है व अपने घाव छोड़ता है। धीमी आँच की तरह सामान्य आदमी को अन्दर ही अन्दर झुलसाता रहता है और चुनाव के समय लावा की तरह फूटकर निकलता है। आम आदमी का यह आक्रोश गहलोत सरकार को ले बैठेगा, यह साफ दिख रहा था। चाहे तत्कालीन मु.मंत्री ने बेइन्तहा पैसा खर्च किया, उस चुनाव में अपनी "इमेज" बनाने के लिये तथा, "इमेज" बनाने वाले विशेषज्ञों, जैसे डिज़ाइन बॉक्स आदि को खुली छूट दी, उनके छवि सुधार अभियान की रणनीति बनाने में और उसे क्रियान्वित करवाने में।

पर, वर्तमान लोकसभा चुनाव में न प्र.मंत्री मोदी के लिये वो उन्माद भरा उत्साह है, जो 2013 व 2019 में साफ दिखता था, ना ही ऐसा उन्माद राम मंदिर के बारे में है। पर, दूसरी ओर यह भी सही है कि, "एन्टी मोदी", या "एन्टी भाजपा" उन्माद या "सेन्टीमैंट" भी नज़र नहीं आ रहे हैं। क्योंकि, राहुल गांधी के अथक प्रयासों के बावजूद "इंडिया गठबंधन" कोई ऐसा "नैरेटिव" (कथानक) तैयार नहीं कर सका, जो जनता को झकझोर देता। एक ऐसा अतिरेक पैदा कर देता जो जनता को पोलिंग बूथ तक आने के लिये उत्साहित करता या मजबूर करता। उदासीनता के कारण, वोट डालने कुछ जनता आयी भी, कुछ नहीं भी आई।

यह गहलोत की खुशनसीबी है कि, जनता की स्मृति बहुत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- इस चुनाव में प्रधानमंत्री मोदी के लिए भी वो उन्माद व उत्साह नहीं दिखा जो 2014 व 2019 के चुनावों में दिखा था। यही नहीं, राम मंदिर के मुद्दे पर भी कोई उन्माद नहीं दिखा।
- पर, सबसे बड़ी बात यह रही कि, एंटी मोदी या एंटी भाजपा लहर भी नज़र नहीं आई। राहुल गांधी के तमाम प्रयासों के बाद भी इंडिया गठबंधन वैसा "नैरेटिव" तैयार नहीं कर सका जो जनता में लहर पैदा कर देता।
- यही वजह है कि, मतदान के प्रति भारी उदासीनता देखी गई। यही नहीं, विधानसभा चुनावों में गहलोत सरकार के भ्रष्टाचार को लेकर कांग्रेस के प्रति जो भारी नाराज़गी थी वह भी हल्की पड़ती दिखी।
- फिर भी गहलोत को एक बात का डर है कि, अगर भाजपा को सभी 25 सीटें मिली तो कभी गहलोत समर्थक रहे नेता भाजपा के समक्ष अपने नम्बर बढ़वाने के लिए मुंह खोलने लगेंगे और फिर भ्रष्टाचार के कई कांड उजागर होंगे। फोन टैपिंग, पेपर लीक, किडनी ट्रांसप्लांट जैसे कई प्रकरण हैं, जिन पर गहलोत को लपेटा जा सकता है।

शिवकाशी की पटाखा फैक्टरी में विस्फोट, 8 की मौत

चेन्नई, 9 मई। तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले में गुरुवार को एक पटाखा बनाने वाली फैक्ट्री में विस्फोट में पांच महिलाओं सहित आठ श्रमिकों की मौत हो गई और 12 अन्य घायल हो गए।

हादसा शिवकाशी के पास सेंगामालापट्टी गांव में श्री सुदर्शन फायरवर्क्स में हुआ। सरवनन के स्वामित्व वाली इकाई में 40 से अधिक वर्किंग शेड हैं।

गुरुवार दोपहर जब कर्मचारी वर्किंग शेड में फैसी किस्म के पटाखे बना रहे थे, तभी घर्षण के कारण विस्फोट हो गया। आग आसपास के शेडों में फैल गई। सूचना मिलने पर अग्निशमन और बचाव सेवा कर्मी मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया।

घायलों को शिवकाशी सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

- मृतकों में पांच महिला श्रमिक भी शामिल हैं, हादसे में 12 अन्य घायल हुए।

विचार बिन्दु

जो वस्तु आनंद प्रदान नहीं कर सकती, वह सुन्दर हो ही नहीं सकती। –प्रेमचंद

अल्पसंख्यक कौन? आरक्षण किसके लिये? और भारतीय संविधान क्या कहता है?

वर्तमान में भारत की संसद (लोक सभा) के चुनाव सात चरणों में प्रारम्भ हो चुके हैं। दिनांक 04.06.2024 के परिणाम आवेंगे। भारत के संविधान और उसके तहत् बनाये गये कानूनों के अनुसार चुनाव होंगे। जिस राजनीतिक पार्टी व उसके घटक दलों के संसद सदस्य बहुमत में होंगे वे देश की सरकार को संविधान के अनुसार संचालित करेंगे। लोकतंत्र के इस महामेले में मुख्य कलाकार हैं भाजपा व उसके घटक दल बनाम कांग्रेस व उसके घटक दल आदि। सभी मुख्य राजनीतिक पार्टियों ने अपने–अपने चुनाव मैनिफेस्टो (घोषणा पत्र) जारी कर दिये हैं और दिल खोलकर धन व सुविधायें मतदाताओं पर न्यौछावर कर दी हैं। बिना सोचे–समझे कि यह राशि कहां से आयेगी। चुनाव मुख्यत: बेरोजगारी, नौकरी, गरीबी हटाओ, आरक्षण आदि विषयों पर लडे जा रहे हैं। राजनीति मुख्यत: इन्हीं मुद्दों पर केन्द्रित हो गई है। कांग्रेस का विशेषकर नेता राहुल जी का आरोप है कि भाजपा संविधान ही बदलना चाहती है यानी समाप्त कर नया संविधान बनाना चाहती है। कांग्रेस का दूसरा आरोप है भाजपा आरक्षण समाप्त करना चाहती है। इसके सहारे कांग्रेस, एससी, एसटी व ओबीसी के मतों को अपनी ओर करना चाहती है।

देश का दुर्भाग्य है कि केन्द्र में जो भी सरकार आई चाहे वह कांग्रेस की हो अथवा भाजपा की उसने खुले रूप में अपनी मेजोरिटी का बेजा फायदा उठाया और संविधान का अपमान किया। संविधान में संशोधन किये गये हैं उनमें कई ऐसे संशोधन हैं जो संविधान के Basic Structure (मूल ढाँचे) के विपरीत है। अनुच्छेद 45 व अनुच्छेद 334 इसके उदाहरण हैं।

कांग्रेस व भाजपा दोनों ही किसी न किसी रूप में जाति व धर्म के नाम पर मतदान चाह रहे हैं। यह एक–दूसरे के विरूद्ध उनका आरोप है। भाजपा ने कांग्रेस को चेतावनी दी है कि वे धर्म के नाम पर मुस्लिम मतों का आरक्षण न करें। उन्हें वोट बैंक न समझें। संविधान दोनों को समान अधिकार देता है वस्तुत: भाजपा कहती है कि उसका कथन मुस्लिम विरोधी नहीं है, अपितु कांग्रेस के तुष्टीकरण के व्यवहार के प्रति है। पीएम मोदी ने राहुल के बयान पर पलटवार करते हुये कहा, 'कांग्रेस आरक्षण से छेडछाड इसलिये कर रही है, क्योंकि वह धर्म के नाम पर मुसलमानों को आरक्षण देना चाहती है। आरक्षण क्या है, संविधान निर्माताओं ने इसकी आवश्यकता क्यों कर समझी? संविधान का अध्ययन करने पर स्पष्ट होगा कि सामाजिक विषमता के कारण दलितों को आरक्षण दिया गया, इससे जाति व धर्म का कोई संबंध नहीं है। यों भी अनुच्छेद 15 में धर्म, जाति के आधार पर विभेद का प्रतिषेध है। देश धर्म निरपेक्ष है और धर्म के मामलों में प्रत्येक नागरिक को मूल अधिकार की स्वतंत्रता है। दलितों और पिछडों के लिये शिक्षा व नौकरियों के अवसर ही समता होगा, इसका विशद विवेचन अनुच्छेद 16 में दिया है।

अल्पसंख्यक कौन हैं इसका उत्तर सरल है। बहुसंख्यक के विपरीत जो हैं वे अल्पसंख्यक हैं। अल्पसंख्यकों को अपने शिक्षण संस्थान चलाने का अधिकार है और अपनी संस्कृति के संरक्षण का मूल अधिकार भी है। संविधान के भाग 16 में लोकसभा में तथा विधान सभा में अनुसूचित जातियों व अनुसूचित जन जातियों के विशेष आरक्षण के प्रावधान है। इस प्रकार के आरक्षण को राजनीतिक आरक्षण का नाम दिया जा सकता है। इस संबंध में अनुच्छेद 334 में स्पष्ट आदेशात्मक निर्देश दिये थे कि ये प्रावधान संविधान के लागू होने के दस वर्ष की अवधि के पश्चात् स्वत: ही प्रभावी नहीं रहेंगे। अनुच्छेद 334 में विधान सभा व संसद के लिये एसटी व एससी का आरक्षण है। यह केवल 10 साल के लिये था, किन्तु इसे प्रत्येक 10 के बाद बढ़ा दिया जाता है। जबकि 10 साल के बाद यह स्वत: ही समाप्त हो चुका था उसे 80 वर्ष तक कैसे माना जा सकता है।

टीएमपाई फाउण्डेशन के केस में 11 जजों की बड़ी पीठ ने यह निश्चित कर दिया कि अल्पसंख्यक की घोषणा का अधिकार राज्य सरकार का है। इस निर्णय में यह भी स्पष्ट कर दिया कि पंजाब में जहां सिख बहुसंख्यक हैं वहां हिन्दू अल्पसंख्यक है। उत्तर पूर्वी राज्यों में ईसाइयों की अपेक्षा हिन्दू अल्पसंख्यक है। सोचिये, क्या इस नियम के अनुसार कश्मीर में हिन्दू अल्पसंख्यक हैं?

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 25 से 28 में धार्मिक स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार की बात कही है। अनुच्छेद 29 में अल्पसंख्यकों को भाषा, लिपि व संस्कृति के संरक्षण का अधिकार दिया है। जाति धर्म के आधार पर मण्डल कमीशन ने हिन्दू और अहिन्दू धार्मिक लोगों को दो वर्गों में बांट दिया। अहिन्दुओं में इन्द्रा साहनी के केस में मुस्लिम, बौद्ध, इसाई, जैन आदि को रखा गया। इसके विपरीत भारत सरकार सन् 1992 में माइनोरिटी कमीशन एक्ट लेकर आई, इसमें अल्पसंख्यक को यह कहकर परिभाषित किया कि अल्पसंख्यक वे हैं, जिन्हें भारत सरकार विज्ञप्ति जारी कर गजट में प्रकाशित करे। मुसलमानों को इस अधिनियम के तहत् अल्पसंख्यक घोषित किया। यह परिभाषा निरंकुश है और अवैध है। मुसलमानों तथा सिख, बौद्ध, ईसाईयों आदि को अल्पसंख्यक मानकर कई प्रकार की सौगातें उन्हें दी जा रही हैं। यहां इतना ही लिखना उचित होगा कि जैनों को 2003 में धार्मिक अल्पसंख्यक माना है।

देश की राजनीति में 1992 के उक्त एक्ट की अल्पसंख्यक की परिभाषा ने भूचाल पैदा कर दिया। हिन्दुओं और मुसलमानों को दो समूहों में बांट दिया। देश के लोगों में कटुता का बीज यहीं से बोया गया है। संविधान के अनुसार नागरिकों में कोई भेदभाव नहीं किया जा सकता।

उपरोक्त विवेचन से यह स्पष्ट है कि आरक्षण का विषय सरकारी नौकरी व शिक्षण संस्थानों में सीटों से है। इस आरक्षण का आधार एदर्मेंट व्लेम (सामाजिक न्याय) है। अनुच्छेद 334 में जो आरक्षण है वह राजनीतिक आरक्षण है। इसके अतिरिक्त एक अन्य आरक्षण नेशनल माइनोरिटी एक्ट 1992 के तहत् है जिसे मुस्लिम बन्धु अपने को अल्पसंख्यक मानकर प्राप्त कर रहे हैं।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 25 से 28 में धार्मिक स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार की बात कही है। अनुच्छेद 29 में अल्पसंख्यकों को भाषा, लिपि व संस्कृति के संरक्षण का अधिकार दिया है। जाति धर्म के आधार पर मण्डल कमीशन ने हिन्दू और अहिन्दू धार्मिक लोगों को दो वर्गों में बांट दिया। अहिन्दुओं में इन्द्रा साहनी के केस में मुस्लिम, बौद्ध, इसाई, जैन आदि को रखा गया।

वर्तमान चुनावों में दो नारे कांग्रेस व संगठन INDIA के हैं। राहुल जी प्रत्येक चुनाव सभा में, जो देश के किसी भी कोने में हो ये दो नारों की गूंज सुनाई देती है। पहला नारा है मोदी सरकार आरक्षण समाप्त करना चाहती है तथा दूसरा है मोदी सरकार संविधान ही समाप्त करना चाहती है।

राहुल जी कहते हैं, 50 प्रतिशत आरक्षण की सीमा समाप्त की जावे। जातियों की गणना होनी चाहिये। मोदी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि उनकी सरकार धर्म के नाम पर आरक्षण के विरूद्ध है। उन्होंने तेलंगाना में जनसभा में कहा कि वे 'धर्म के आधार पर मुसलमानों को अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति व ओबीसी और अन्य समूहों को आरक्षण नहीं देने देंगे'। इसी बात को गृहमंत्री ने दोहराया और फेक वीडियो की निन्दा की। मोहन भागवत ने भी कहा कि संघ कभी भी आरक्षण का विरोधी नहीं रहा। जो सुविधा दलितों व वंचितों को संविधान ने दी हैं वे उन्हें मिलनी चाहिये। शाह ने असम में एक जनसभा में कहा कि यह कांग्रेस है जिसने एसी, एसटी, ओबीसी को उनके अधिकारों से वंचित किया है। शाह ने कहा कर्नाटक में ओबीसी की श्रेणी में मुसलमानों को डाला है। देश के न्यायालयों ने इसे अवैध माना है।

इन्द्रा साहनी के केस में स्पष्ट रूप से निर्णय हुआ है कि आरक्षण 50 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा। ऊपर लिखा गया है कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं किया गया है। एनडीए ने जो विभिन्न योजनायें जनहित में बनाई हैं उनके फलस्वरूप दलितों व पिछड़ों का Upliftment हुआ हैं। देश के लोग चाहते हैं कि जिन्हें आरक्षण मिला है, वे क्रिमीलेयर में आ चुके हैं। उन्हें आरक्षण का लाभ न मिले और यह लाभ बचे हुये दलित व अति दलित पिछडों को दिया जावे।

मोदी सरकार संविधान को खत्म नहीं कर सकते, क्योंकि यह संभव नहीं है। संविधान में संशोधन हो सकता है, किन्तु संविधान की मूल संरचना में कोई संशोधन नहीं हो सकता। संविधान की सात बुनियादी संरचना है, उनमें कोई संशोधन नहीं हो सकता। संविधान संशोधन की प्रक्रिया ही बहुत कठिन है।

उपरोक्त विवेचन से यह स्पष्ट हो जाता है कि झगडे की जड़ The National Minority Act, 1992 है, जिसमें अल्पसंख्यक को यह कहकर परिभाषित किया है कि अल्पसंख्यक वे हैं जिसे भारत सरकार गजट में विज्ञप्ति जारी कर बता दे। यह परिभाषा विवेकहीन है। देश धर्म निरपेक्ष है। अपने धर्म को मानने की सभी को पूर्ण स्वतंत्रता है। धर्म के नाम पर विभेद नहीं हो सकता।

देश के विभाजन के बाद, जो लोग भारत के नागरिक हुये वे सब समान है। हिन्दू, मुसलमान, सिख, ईसाई, जैन, आदि सभी धर्म के लोगों को समान अधिकार हैं। हिन्दुओं में सामाजिक दृष्टि से पिछडे व दलित थे और कट्टर हिन्दू पंथियों के अहम् का शिकार रहे थे। उन्हें सामाजिक न्याय दिलाने के हेतु संविधान में प्रावधान रखे गये। आरक्षण की यही फिलोसफी थी। इन्द्रा साहनी केस में संविधान की वृहत पीठ ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जैसे–जैसे इन पिछडों का पिछडापन खत्म होगा। ये लोग क्रिमीलेयर में आने के कारण पिछडे नहीं रहेंगे। पिछडों में अब मंत्री भी हैं, पुलिस उच्च अधिकारी हैं, शिक्षक हैं, एडवोकेट हैं। सोचो, क्या उनका परिवार अभी भी आरक्षण प्राप्त करता रहेगा? आजादी के 75 साल बाद भी देश में दलित व पिछडे हैं यह शर्म की बात है। समय आ गया है जब देश की संसद को निर्णय लेना होगा कि वे कितने वर्ष और लेंगे इस पिछडेपन को समाप्त करने में?

देश का दुर्भाग्य है कि देश में किसी की भी सरकार रही हो, उसके संविधान की पालना कटिबद्धता के साथ नहीं की। निम्नलिखित कुछ प्रसंग इस लेख में दिये जा रहे हैं :–

(अ) देश में पिछड़ापन तो समाप्त हो रहा है, किन्तु इन्द्रा साहनी व एम नागराज के केस में निर्धारित क्रिमीलेयर के सिद्धान्त की पालना नहीं हो रही है।

(ब) अनुच्छेद 334 के अनुसार लोक सभा व विधान सभाओं के लिये कुछ सीटें एसटी व एससी के लिये आरक्षित की गई थीं। यह आरक्षण 10 वर्ष का था। समय की अवधि आदेशात्मक थी अर्थात् 10 वर्ष के पश्चात् यह प्रावधान प्रभावी नहीं रहेगा। जो भी सरकार आई उसने आंख बंद कर समय की सीमा को प्रत्येक 10 वर्ष बाद बढ़ाया और आज संविधान में 80 वर्ष की अवधि पढ़ने को मिलती है।

(स) संविधान के चेप्टर–IV में नीति निदेशन तत्व दिये हैं जो यह दर्शाते हैं कि हमें शीघ्र से शीघ्र देश को एक महान गणतंत्र बनाना था और यह कार्य तभी पूरा होता जब शिक्षा की अच्छी व्यवस्था होती, अत: संविधान के अनुच्छेद 45 में यह निर्देश दिया कि संविधान के लागू होने के 10 वर्ष की अवधि में प्रत्येक 14 वर्ष का बालक को अनिवार्य व नि:शुल्क शिक्षा प्रदान करेंगे। इसका अर्थ था देश का प्रत्येक बालक 8वीं कक्षा तक शिक्षा प्राप्त 1960 तक प्राप्त करेगा; किन्तु जिस रूप में अनुच्छेद 45 व अनुच्छेद 21ए का संशोधन हुआ है, उसके परिणास्वरूप 6 वर्ष के बालक को आज नि:शुल्क व अनिवार्य शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार नहीं है। फलस्वरूप आज भी संसद व विधान सभाओं में बिना पढ़े–लिखे व कम पढ़े लोग देश के लिये कानून बना रहे हैं। चुनावों में खड़ा होने के लिये शिक्षा की अनिवार्यता होनी चाहिये।

(द) संविधान में अनुच्छेद 35ए जोड़ा गया; किन्तु उसे राष्ट्रपति की आज्ञा से ही जोड़ दिया। जबकि संविधान में संशोधन की अलग से प्रक्रिया दी हुई है।

(य) संविधान में अनुच्छेद 51क के रूप में हमने नागरिकों के मूल कर्त्तव्यों की घोषणा की, किन्तु इस प्रावधान को प्रवर्तनीय नहीं बनाया।

उपरोक्त विषयों पर हमें चिन्तन व मनन करना होगा।

–अतिथि सम्पादक
पानाचन्द जैन,
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

भगवान परशुराम

डॉ. जे.के. गर्ग

महर्षि जमदग्नि आध्यात्मिक उपलब्धियों के स्वामी थे जिन्हें आग पर नियंत्रण पाने व उनकी पत्नी रेणुका को पानी पर नियंत्रण पाने का वरदान था। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार महर्षि भृगु के पुत्र महर्षि जमदग्नि ने पुत्र प्राप्ति हेतु देवराज इन्द्र को प्रसन्न करने के लिये पुत्रेष्टि यज्ञ किया था। देवराज इन्द्र के वरदान के फलस्वरूप महर्षि जमदग्नि की पत्नी रेणुका के गर्भ से वैशाख शुक्ल तृतीया को मध्यप्रदेश ग्राम मानपुर (इंदौर जिला) में एक अद्भुत प्रतिभाशाली पुत्र का जन्म हुआ जो कालांतर में भगवान परशुराम के नाम से विख्यात हुए। भगवान परशुराम को अमर रहने का वरदान मिला था और यह भी कहा जाता है कि वे आज भी हमारे बीच मौजूद हैं तथा कलियुग के अंत में वे विष्णु के दसवें अवतार के रूप में जन्म लेंगे।

परशुराम गायत्री मंत्र का विधि पूर्वक जाप करने से मनुष्य को अपने दुखों से छुटकारा मिलता है और कठिनाइयों से लड़ने के लिए साहस का संचार होता है। सनातन धर्म में परशुराम के बारे में माना जाता है कि वे त्रेतायुग और द्वापर युग से अमर हैं। परशुराम जी के जन्म के एवं जन्मस्थान के पीछे कई मान्यताएं एवं अनसुलझे सवाल है। परशुराम जी ने शिवजी को प्रसन्न करने के लिये अनेक बार तपस्या पूजा–अर्चना की थी। शिवजी ने परशुराम को वरदान देते हुए कहा कि परशुराम का जन्म धरती के राक्षसों का नाश करने के लिए हुआ है। इसलिए भगवान शिव ने परशुराम को, देवताओं के सभी शत्रु, दैत्य, राक्षस तथा दानवों को मारने में सक्षमता का वरदान दिया। हिन्दू धर्म में विश्वास रखने वाले अनेक ज्ञानी, पंडितों के मतानुसार धरती पर रहने वालों में परशुराम और रावण के पुत्र इंद्रजीत को ही सबसे खतरनाक, अद्वितीय और शक्तिशाली अस्त्र–ब्रह्मांड अस्त्र, वैष्णव अस्त्र तथा पशुपति अस्त्र प्राप्त थे।

दो शब्दों से मिलकर बना हुआ है : परशु अर्थात कुल्हाड़ी तथा राम, इन दो शब्दों को मिलाने पर कुल्हाड़ी के साथ राम अर्थ निकलता है। जैसे– राम, भगवान विष्णु के अवतार हैं। उसी प्रकार परशुराम भी विष्णु के अवतार हैं। भगवान राम ने सीता स्वयंवर के समय राजा जनक की शर्त की अनुपालन में भगवान शिव के धनुष को तोड़ दिया और उनका माता सीता के साथ विवाह हो गया। शिव धनुष के तोड़े जाने के समाचार को सुनकर शिव भक्त परशुराम अपना आपा खोकर क्रोधित होते हुवे राजा जनक की राज सभा पहुंचे। राज सभा में उनका लक्ष्मणजी के साथ वादविवाद हुआ और उनके मध्य लड़ाई की नोबत आ गई। मर्यादा पुरषोत्तम राम ने अत्यंत शालीनता के साथ उनसे बात करके उनके क्रोध को शांत किया। परशुराम को अपनी योग शक्ति से मालुम पड़ा कि उनके सामने भगवान विष्णु के अवतार भगवान राम खुद खड़े हैं। अपने इस अनुभूति की पुष्टि करने के लिये परशुराम ने विष्णु का प्रिय धनुष गांडीव भगवान राम को देते हुए उसको संधान करने को कहा। भगवान राम ने एक तीर प्रत्यंचा पर चढ़ाई और महर्षि परशुराम से कहा कि वे अब इस तीर को खाली नहीं छोड़ सकते। वे बताएं कि वे इसे किस पर चलाये। तब परशुराम जी ने भगवान राम से आग्रह किया कि वे उस तीर के माध्यम से उनके अहंकार को नष्ट करने की कृपा करें। इसके बाद परशुराम जी प्रसन्न मन से महेन्द्र पर्वत पर निवास करने के लिये चले गये। धार्मिक मान्यता है कि भगवान परशुराम जी को अमरता का वरदान प्राप्त है और आज भी वे उसी महेन्द्र पर्वत पर निवास करते हैं।

स्मरणीय है कि मार्शल आर्ट के संस्थापक भगवान परशुराम ही थे। कलरीपायट्ट कलरीपायट्ट भगवान परशुराम द्वारा प्रदान की गई शस्त्र विद्या है जिसे आज के युग में मार्शल आर्ट के नाम से जाना जाता है। दक्षिण भारत में आज भी मार्शल आर्ट प्रसिद्ध है। कहा जाता है कि ज़ैन बौद्ध धर्म के संस्थापक बोधिधर्म को भी इस प्रकार की विद्या की जानकारी प्राप्त की थी व अपनी चीन यात्रा के दौरान उन्होंने विशेष रूप से बौद्ध धर्म को बढ़ावा देने के लिये इस मार्शलआर्ट का भी उपयोग किया था। आगे चलकर वहां के निवासियों ने इस आर्ट का मूल रूप से प्रयोग कर शाओलिन कुंग फू मार्शल आर्ट की कला विकसित की।

भगवान परशुराम मूल रूप से ब्राह्मण थे किंतु फिर भी उनमें शस्त्रों की अतिरिक्त जानकारी थी और इसी कारणवश उन्हें एक क्षत्रिय भी कहा जाता है। परशुराम जी ने गोरी पुत्र गणेश जी का दांत तोड़ डाला जिसकी वजह से गणेश जी एक दंत विनायक कहलाये। भगवान परशुराम शिव के प्रियतम भक्त थे भगवान शिव ने ही उनको शस्त्र विद्या प्रदान की थी। देवों के देव महादेव ने परशुराम की अद्द्भुत प्रतिभा को देख कर उनको अपना परशु दिया था। जिसके पश्चात उनका नाम परशुराम पड़ा। शिव से परशु को पाने के बाद समस्त दुनिया में ऐसा कोई नहीं था जो उन्हें युद्ध में पराजित कर सकें। मान्यताओं के मुताबिक़ कृष्ण के विराट स्वरूप को अर्जुन के अतिरिक्त तीन अन्य लोगों ने भी देखा था जिनमें एक परशुराम जी भी थे। परशुराम जी की शिक्षा–दीक्षा महर्षि विश्वामित्र एवं महर्षि ऋचीक के आश्रम में हुई थी। महर्षि ऋचीक ने परशुराम की योग्यता से प्रसन्न हो कर सारंग धनुष उपहार में दिया। परशुराम जी ने 21 बार इस पृथ्वी को क्षत्रियों से विहीन किया।

परशुराम जयंती हिन्दू पंचांग के वैशाख माह की शुक्ल पक्ष तृतीया को मनाई जाती है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन दिये गए पुण्य का प्रभाव कभी खत्म नहीं होता है। अक्षय तृतीया से त्रेता युग का आरंभ माना जाता है। मध्यकालीन समय के बाद जब से हिन्दू धर्म का पुनरुद्धार हुआ है, तब से परशुराम जयंती का महत्व और अधिक बढ़ गया है। इस दिन उपवास के साथ–साथ सर्व ब्राह्मण का जुलूस, सत्संग आयोजित किये जाते हैं। परशुराम जी की पूजा–अर्चना समस्त भारत में होती है। मान्यता अनुसार भारत के अधिकतर गांव परशुराम जी ने ही बसाए थे। उत्तर भारत से लेकर गोवा, केरल और तमिलनाडु तक परशुराम जी की आकर्षक मनमोहक प्रतिमाएं दिखाई देंगी।

परशुराम जयंती के दिन भव्य आकर्षक जुलूस, शोभायात्रा निकाली जाती हैं। परशुराम भगवान के नाम पर उनके मंदिरों में हवन–पूजन का आयोजन किया जाता है। सभी लोग पूजा में बढ़–चढ़ कर हिस्सा लेते हैं और दान आदि करते हैं। भगवान परशुराम के नाम पर जगह–जगह भंडारे का आयोजन होते हैं और सभी श्रद्धालु इस भोजन प्रसादी का लाभ उठाते हैं। कुछ लोग इस दिन उपवास रख कर परमात्मा से भगवान परशुराम की तरह पुत्र देने की प्रार्थना करते हैं। वराह पुराण के अनुसार परशुराम जी के जन्म दिन पर उपवास रखने एवं परशुराम पूजा–अर्चना करने से अगले जन्म में उनको राजा बनने का सौभाग्य प्राप्त होगा।

–डॉ.जे.के. गर्ग,
पूर्व संयुक्त निदेशक कालेज शिक्षा जयपुर

पानी की समस्या को लेकर परेशान ग्रामीण टंकी पर चढ़े

लूणी विधानसभा क्षेत्र के उत्तेसर में पानी की समस्या को लेकर ग्रामीणों का प्रदर्शन

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर जिले के लूणी विधानसभा क्षेत्र के उत्तेसर में पानी की समस्या को लेकर परेशान ग्रामीणों ने अब धरना प्रदर्शन करना शुरू कर दिया है।

पानी की मांग को लेकर ग्रामीण गांव में बनी पानी की टंकी पर चढ़ गए। इनमें कई महिलाएं भी शामिल है। सभी ने पानी की सप्लाई सुचारु करने की मांग की।

उत्तेसर पंचायत के सरपंच श्रवण कुमार ने बताया कि ग्राम पंचायत के क्षेत्राधिकार में तीन गांव आते हैं। यहां पेयजल के विकट समस्या है। उत्तेसर गांव में पानी के लिए जलाशय बना हुआ है लेकिन यहां पर सात साल से पेयजल नहीं भरा गया है। इसके चलते गर्मियों के समय पानी के टैंकर मंगवाने पड़ रहे हैं। गांव में पानी की लाइन भी बिछी हुई है लेकिन वहां भी पर्याप्त सप्लाई नहीं की जा रही है। 5000 घरों की आबादी वाले इस गांव में रहने वाले लोगों को पानी के लिए परेशान होना पड़ रहा है।

■ ग्रामीणों के अनुसार गांव में बने जलाशय में करीब सात साल से पानी नहीं भरा गया है

उन्होंने बताया कि सरकारी स्तर पर 5000 की आबादी पर महज एक ही टैंकर भेजा जा रहा है। तीनों गांव में सिर्फ एक टैंकर भेजा जा रहा है जो अपर्याप्त है। गांव में पानी की टंकी बने हुए सात साल हो गए लेकिन अभी तक उसमें पानी नहीं भरा गया है। गर्मियों के इस मौसम में यहां रहने वाले लोगों के साथ ही पशु–पक्षी भी परेशान हो रहे हैं।

इतिहास में अनूठी है बीकानेर राज्य की स्थापना की कहानी

(537 वां स्थापना दिवस)

डॉ. दुलीचन्द मीणा

सूंटौ आ जद धर पर चालै,
खंख उडै बादळ रे रूप।
सूरज रो तप मंदौ पड़ज्या, ज्यूं गादीं सूं उतर्यां भूप।
पांख पंखेरू पड़ै टपाटप, टूटै जन जीवण री आस।
मानौ मौत धरा पर घूमै, करण चराचर रो चिरनास

उदयवीर शर्मा द्वारा रचित कविता 'सूंटौ' की उक्त पंक्तियाँ हिंदुस्तान के महा मरूस्थल में स्थित जांगल प्रदेश की तत्कालीन भौगोलिक परिस्थितियों को इंगित करती है जहां चंहुऔर रेत का समंदर तथा बूंद–बूंद पानी को तरसता मानव एवं जीव–जन्तु अपने अस्तित्व को बचाने के लिये विपरीत भौगोलिक परिस्थितियों से मुकाबला कर रहे थे।

थार का मरूस्थल कभी समुन्द्र की लहरों से आह्लादित होता था इस क्षेत्र में मिलने वाले शंख, सीपी, बजरी, गुलगचिया, नमक, कोयला, दलदल इत्यादि से यह तथ्य प्रमाणित होता है। वेदो के अनुसार भी इस क्षेत्र में कभी सरस्वती एवं दृषद्वती नदी प्रवाहित होती थी। विलुप्त सरस्वती नदी के अवशेष इस क्षेत्र में घघ्घर नदी में मिलते है। इस क्षेत्र में प्राचीनकालीन सभ्यता एवं संस्कृति के अवशेष रंगमहल, बडोपल, कालीबंगा क्षेत्रों में मिले है। सांख्य दर्शन के प्रणेता कपिल मुनि ने कोलायत में अपनी माता देवहुति को ज्ञान दिया था। ऋषि दत्तात्रेय से दियातरा, च्यवन ऋषि से चांनी गांव तथा गुरू द्रोणाचार्य से छापर द्रोणपुर जाने जाते है। महाभारत काल में जांगल प्रदेश कुरू साम्राज्य का अंग था। यह प्रदेश बाद में शूद्रक, मोर्य, कुषाण एवं गुप्त साम्राज्य का हिस्सा रहा। इस क्षेत्र पर हर्षवर्धन के बाद यौद्धेय, सांखला (परमार), जोहिया, भाटियों एवं जाटो का अधिकार रहा। इन सभी पर विजय प्राप्त कर राव बीकाजी ने बीकानेर नामक एक अलग राज्य की स्थापना की।

राव बीका का जन्म जोधपुर के राजा राव जोधा की सांखली रानी नौरंगदे से 5 अगस्त 1438 को हुआ। एक दिन दरबार में बीकाजी एवं उसके चाचा कांधल जी आपस में वार्तालाप कर रहे थे, उनको देखकर राव जोधा ने व्यंगात्मक भाषा में पूछा कि, "आज चाचा–भतीजे क्या सलाह कर रहै है, क्या कोई नया ठिकाना जीतने की बात हो रही है?" कांधल ने उत्तर दिया कि, "आपके प्रताप से यह भी हो जायेगा।" उन दिनों जांगलू का नापा सांखला भी दरबार में आया हुआ था, क्योकि जांगलू प्रदेश पर बिलोचों के आक्रमण हो रहें थे जिससे कुछ सांखले उस स्थान को छोडकर अन्यत्र जा रहे थे। नापा सांखला ने राव जोधा को बताया कि, "यदि आप चाहो तो सरलता से वहां अधिकार किया जा सकता है!" राव जोधा को यह बात पंसद आई और उन्होने बीका और कांधल को नापा के साथ जाकर नया राज्य स्थापित करने की आज्ञा दे दी। तब बीका ने अपने चाचा कांधल, रूपा, मांडण, मंडला, नाथु भाईजोगा, पडिहार बेला, नापा सांखला इत्यादि अन्य राजपूतों के साथ जोधपुर से 30 सिंतबर 1465 को प्रस्थान किया इस अवसर पर बीका के साथ 100 घोडे एवं 500 राजपूत थे। बीका ने मण्डोर होते हुए गोरेजीभैरूजी की मूर्ति को साथ लेकर देशनोक पहुंचकर श्री करणी माता के दर्शन किये तथा मां करणी ने आर्शीवाद देते हुए कहा कि, "तेरा प्रताप जोधा से सवाया बढेगा बहुत से भूपति तेरे चाकर होंगे तथा साथ आये भैरूं जी की सेवा अच्छी तरह करना!"

उसके बाद बीकाजी चांडासर चले गये जहां वे 3 वर्ष निवास कर पुन: देशनोक आ गये जहां 6 वर्ष निवास कर कोडमदेसर गये। वहां तालाब के किनारे श्री गोरेजीभैरूजी की मूर्ति पधराई एवं स्वयम् को राजा घोषित किया उसके पश्चात जांगलू पहुंच कर 84 गांवो को अपने अधीन किया । श्री करणी जी के आदेश से बीकाजी ने पुगल के राव शेखा की पुत्री रंगकुवंरी के साथ विवाह किया। राव बीका ने शुभ शगुन देखकर राती घाटी पर श्री करणी माता के हाथो से किले की नींव रखवाई तथा विक्रम संवत 1545 बैसाख सुदि दूज 12.4.1488 को किले के पास बीकानेर नगर बसाया।

कला, साहित्य एवं सांस्कृतिक दृष्टि से बीकानेर की एक समृद्ध पंरपरा रही है। महाराजा अनूप सिंह साहित्य के बडे संरक्षक थें जिन्होने अनूप संस्कृत लाइब्रेरी की स्थापना की। राजकवि पृथ्वीराज जी डिंगल भाषा के कवि थे जिन्होने वेलि कृष्ण रूकमणी री की रचना की। महाराजा गंगा सिंह जी ने इटली के विद्वान एलपी तैस्तोरी को राजस्थानी भाषा, व्याकरण एवं साहित्य को समृद्ध करने के लिये नियुक्त किया। अगरचंद नाहटा, डॉ विधाधर, सूर्यकरण पारिक एवं श्री गिरधारी सिंह राजस्थानी साहित्य के प्रमुख विद्वान रहें है। बीकानेर रियासत में धार्मिक दृष्टि से श्री करणी माता का मंदिर, पर्यावरण एवं जीव रक्षक विश्नोई संप्रदाय के संस्थापक संत श्री जाम्भौ जी महाराज, श्री जसनाथ जी, श्री गोगाजी, लक्ष्मीनाथ जी का मंदिर, जैन भाण्डेश्वर मंदिर प्रमुख है। चित्रकला की मथेरण कला एवं उस्ता कला, संगीत की माण्डराग में अल्लाहजिलाईबाई एवं पदमश्री अली–घनी, स्थापत्य कला में दुलमेरा के लाल पत्थर की कारीगरी से निर्मित हवेलिंयॉ, छतरिया एवं झरोखे, मूर्ति कला में पल्लू से प्राप्त बारहवीं सदी की विद्या के देवी सरस्वती की मूर्ति, नाट्य कला में रम्मत नाट्य प्रमुख स्थान रखते है। बीकानेर ऊंट, मिठाई, स्त्री के सोना गहना, सेठ साहुकारों के लिये प्रसिद्ध है। यहां के व्यापारियों ने विपरित भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद देश–विदेश में बीकानेर का नाम रोशन किया है। इन विपरित भौगोलिक परिस्थितियों ने रेगीस्तान के आदमी को साहसी, मेहनती, झुझारू, संधर्षशील, धैर्यवान एवं सृजनशील बनाया। सामान्यत: शहरीकरण नदी एवं नहरों के किनारे होता था लेकिन यहां के शासकों ने मरूस्थल में श्री डूंगरगढ, अनुपगढ एवं श्रीगंगानगर जैसे शहर बसा कर शहरीकरण की दिशा में नये आयाम स्थापित कियें। महाराजा श्री गंगासिंह जी बीकानेर रियासत में 26.10.1927 को मरूस्थल में गंगनहर का निर्माण कार्य पूरा करवाकर आधुनिक भारत के भागीरथ बने जिसकी प्रेरणा से बाद में राजस्थान नहर परियोजना का निर्माण हुआ जो इस रेतीले मरूस्थल के लिये जीवन दायिनी है।

–डॉ. दुलीचंद मीणा,
आरएएस

राशिफल शुक्रवार 10 मई, 2024

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, शुक्ल पक्ष, तृतीया तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2081, रोहिणी नक्षत्र दिन 10:47 तक, अतिगंड योग दिन 12:06 तक, तैतिल करण दिन 3:34 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 10:26 से मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–मेष, चन्द्रमा–वृष, मंगल–मीन, बुध–मीन, गुरू–वृष, शुक्र–मेष, शनि–कुम्भ, राहु–मीन, केतु–कन्या राशि में।

आज यमघट योग सूर्योदय से दिन 10:47 तक है। राजयोग दिन 10:47 से रात्रि 2:51 तक है। रवियोग दिन 10:47 से आरम्भ होगा। आज बुध मेष राशि में सांय 6:43 पर प्रवेश करेगा। आज अक्षया तीज (स्वयं सिद्ध अबूझ मुर्हूत) है। आज अक्षया तृतीया, श्री परशुराम जयन्ती, त्रेतायुगादि, कल्पादि, रोहिणी व्रत है। आज से जिलफान मु.मास 11 आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:25 तक, लाभ–अमृत 7:25 से 10:44 तक, शुभ 12:23 से 2:02 तक, चर 5:46 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 5:46, सूर्यास्त 7:00

मेष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। आर्थिक कारणों से अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे।

वृष
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यश्क कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। अनावश्यक धन खर्च होगा। धन हानि हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा। व्यावसायिक खर्चों में वृद्धि होगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी।

कर्क
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

कन्या
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। आज धार्मिक–मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

तुला
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

वृश्चिक
परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी।

मकर
परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिलेगा।

कुंभ
घर–परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। घर–परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी।

मीन
परिवार में शुभ–मांगलिक संदेश प्राप्त हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है। घर–परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

सैम पित्रोदा का नॉर्थ ईस्ट और दक्षिण भारतीयों के खिलाफ नस्लभेदी टिप्पणी निंदनीय : तिवाड़ी

जयपुर। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने आज भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए ओवरसीज कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सैम पित्रोदा द्वारा नॉर्थ ईस्ट और दक्षिण भारतीयों पर दिए गए नस्लभेदी बयान की कड़ी निंदा की। राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि भाजपा और कांग्रेस के मूल में यही अंतर है कि भाजपा भारत को एक राष्ट्र मानती है जबकि कांग्रेस भारत को अलग-अलग राष्ट्रों का समूह मानती है। भाजपा की स्थापना के बाद मुंबई के शिवाजी पार्क में श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी ने पंच निष्ठाओं के माध्यम से बताया था कि भाजपा एक जन, एक राष्ट्र और एक संस्कृति के ध्येय वाक्य को मानने वाली पार्टी हैं।

राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि जिस तरह से कांग्रेस देश में धर्म, जाति और क्षेत्र की राजनीति करती आ रही है, उसी तरह अब नस्लभेदी राजनीति भी करने लगी है। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के थिंक टैंक सैम पित्रोदा का बयान कांग्रेस पार्टी की विचारधारा और नीति से मेल खाता है। सैम पित्रोदा का मूल नाम सत्यनारायण गंगाराम पित्रोदा था, लेकिन उन्हें ना ही सत्य नारायण शब्द पसंद आया और ना ही गंगाराम। उन्होने अपने नाम को ही सैम कर दिया। पित्रोदा ने आसाम और पूर्वोत्तर के लोगों को चीनी लोगों जैसा दिखने वाला बताया और दक्षिण भारत के लोगों को दक्षिण अफ्रीकी नस्ल वाला बताया। पित्रोदा का यह बयान नस्लवादी दृष्टिकोण के साथ भारत को बांटने वाला है। राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि "हिमालयात् समारभ्य यावत् इन्दु सरोवरम्। तं देवनिर्मितं देशं हिन्दुस्थान प्रचक्षते" अर्थात हिमालय के 'हि' शब्द से तथा इन्दुसागर के 'न्दु' शब्द को मिलाकर हिन्दुस्तान नाम रखा गया है।

राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने गुरूवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रेसवार्ता को संबोधित किया।

हिमालय से शुरू होकर कन्याकुमारी तक जो भू-भाग है वह पूरा हिन्दुस्तान है। भारत की ये संस्कृति कांग्रेस को पसंद नहीं आती। कांग्रेस के लोग भारत को दक्षिण, तमिल, उत्तर के आधार पर बांटना चाहते है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डी के शिवकुमार ने दक्षिण को अलग राष्ट्र बनाने तक की सिफारिश की थी। कांग्रेस की सहयोगी पार्टी के एक नेता ने राज्यसभा में भारत को कई राष्ट्रों का समूह बताया, जिसका मैंने विरोध किया था। इससे स्पष्ट है कि कांग्रेस पहले जाति के आधार पर, फिर धर्म के आधार पर और अब नस्ल के आधार पर देश को तोड़ना चाहती है। कांग्रेस का हाल ऐसा है कि "उम्र भर गालिब यही भूल करता रहा, धूल चेहरे पर थी और आईने को साफ करता रहा"। कांग्रेस के चेहरे पर जो नकाब था वो अब हट गया है।

- 'कांग्रेस पहले जाति के आधार पर, फिर धर्म के आधार पर और अब नस्ल के आधार पर तोड़ना चाहती है भारत को'
- 'भाजपा एक जन, एक राष्ट्र और एक संस्कृति को मानने वाली, जबकि कांग्रेस भारत की संस्कृति का अपमान करने वाली पार्टी'

राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि सैम पित्रोदा का बयान जिसमें उन्होंने असम के लोगों को चीनी नस्ल का बताया था, यह बयान आसाम के लाचित बरफूकन जैसे वीर सेनापति का अपमान है वहीं दक्षिण भारत के लोगों को दक्षिण अफ्रीकी नस्ल का बताना चोल राजाओं का अपमान है। पित्रोदा का बयान भारत के वेदों, शंकराचार्यों और संस्कृति का अपमान है। कांग्रेस भारत को तोड़ने में लग रही है। कांग्रेस पार्टी भारत के राष्ट्र के एकाग्रता के साथ विश्वासघात कर रही है। इस दौरान मंच पर भाजपा मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ, भाजपा प्रबुद्धजन प्रकोष्ठ के संयोजक राजेंद्र सिंह शेखावत और भाजपा कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक मौजूद रहे।

अरावली संरक्षण पर केन्द्र सरकार को चार राज्यों के साथ बैठक कर रिपोर्ट देने के निर्देश

सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण तथा जलवायु मंत्रालय से दो माह में रिपोर्ट मांगी है

जयपुर, (का.सं.)। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान सहित दिल्ली, हरियाणा व गुजरात में अरावली पर्वतमाला में हो रहे खनन से जुड़े मामले में केन्द्र के वन व पर्यावरण और जलवायु मंत्रालय को कहा है कि, इन चारों राज्यों के साथ अरावली संरक्षण सहित अन्य मुद्दों पर बैठक करके दो माह में अपनी रिपोर्ट पेश करें।

- सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश अरावली में अवैध खनन से जुड़े मामले में प्रस्तुत एक रिपोर्ट पर सुनवाई करते हुए दिया है और कहा कि, आदेश सिर्फ अवैध खनन तक ही सीमित रहेगा

जस्टिस बी.आर. गवई व जस्टिस अभय एस ओका की विशेष पीठ ने यह आदेश अरावली में अवैध खनन से जुड़े मामले में सी.ई.सी की रिपोर्ट पर सुनवाई करते हुए दिए। सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश केवल अरावली पर्वतमाला में खनन तक ही सीमित रहेगा। संबंधित राज्यों को खनन के किसी भी नए पट्टे की कार्रवाई के लिए सभी विधिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद खनन पट्टों को अंतिम रूप देने के लिए सुप्रीम कोर्ट से ही मंजूरी लेनी होगी।

राज्य सरकार के एडिशनल एडवोकेट जनरल (ए.ए.जी.) शिवमंगल शर्मा ने बताया कि, सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय से पूर्व में चल रही खनन गतिविधियां अप्रभावित रहेंगी और खानों की नीलामी प्रक्रिया में भी कोई रुकावट नहीं आएगी और वे पूर्व की तरह जारी रहेंगी। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह आदेश राजस्थान में चल रही बजरी खनन की गतिविधियों पर कोई प्रभाव नहीं डालेगा और ये आदेश केवल अरावली पर्वतमाला तक ही सीमित रहेंगे। इस आदेश से संबंधित क्षेत्रों में चल रही और भविष्य की खनन गतिविधियों के लिए स्पष्टता और स्थिरता आयेगी। जो विकास गतिविधियों के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण पहलुओं को भी संतुलित करते हैं। गौरतलब है कि, राजस्थान के 16 जिलों में अरावली पर्वतमाला से खनन किया जाता है।

भारतीयों के प्रति जो मानसिकता अंग्रेजों की थी, वही कांग्रेस की भी : सी.पी.जोशी

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कांग्रेस के सैम पित्रोदा के बयानों को देश को तोड़ने वाला बताते हुए इसकी कड़ी भर्त्सना की है। सीपी जोशी ने कहा कि सैम पित्रोदा के बयान से यह साफ हो गया है कि कांग्रेस भारतीयों को जाति, धर्म और रंग के आधार पर बांटने में लगी है। भारतीयों के प्रति जो मानसिकता अंग्रेजों की थी, वहीं कांग्रेस की भी है। यह बयान भी अंग्रेजों द्वारा भारतीयों पर रंगभेद, नस्लभेद की मानसिकता के आधार पर किए गए अत्याचार को प्रदर्शित करता है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि भारत विश्वगुरू रहा है। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मजबूत और कुशल नेतृत्व में देश पुनः उसी दिशा में आगे बढ़ रहा है। ऐसे समय में भारतीयों की तुलना दूसरे देशों से करके भारत को आगे बढ़ने से रोकने का प्रयास किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दुनिया में भारत की ख्याति बढ़ा रहे हैं, कांग्रेस अपने बयानों से देशवासियों को अपमानित कर रही है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि कांग्रेस ने देश में फूट डालो, शासन करो की नीति को अपनाते हुए देश की एकता और अखंडता को ठेस पहुंचाने का काम किया है। विभाजन कारी नीति से देश कमजोर हुआ है। अब कांग्रेस के पास सत्ता में आने का कोई रास्ता नहीं बचा तो फिर से इसी नीति पर उतर आए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि इस अपराध के लिए कांग्रेस को देश से क्षमा मांगनी चाहिए।

राज्य का सतत और दीर्घकालीन विकास बने प्राथमिकता : मिश्र

जयपुर, (का.सं.)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि राज्य के संतुलित और सतत विकास के लिए सभी मिलकर कार्य करें। उन्होंने सर्वांगीण विकास के अंतर्गत आदिवासी कल्याण, शिक्षा, कृषि, पर्यटन, उद्योग आदि क्षेत्रों में सुनियोजित योजनाओं के जरिए दीर्घकालीन विकास को ध्यान में रखते हुए कार्य करने का आव्हान किया। उन्होंने कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सबिलिटी (सीएसआर) के तहत राज्य के विकास से जुड़े प्रभावी कार्य हाथ में लेकर उनके क्रियान्वयन की भी आवश्यकता जताई।

- राज्यपाल सलाहकार मण्डल की बैठक में प्रदेश के सर्वांगीण विकास के आए महत्वपूर्ण सुझाव

राज्यपाल गुरुवार को राजभवन में राज्यपाल सलाहकार मण्डल की बैठक में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्यपाल सलाहकार मंडल के अंतर्गत विषय विशेषज्ञों के सुझाव आमंत्रित कर उनके आधार पर प्रदेश के सतत, स्थायी और चहुंमुखी विकास के लिए कार्य किए जाने की पहल की गई है। विभिन्न क्षेत्रों में पूर्व की बैठकों में आए सुझावों के विश्वविद्यालयी शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में लागू करने से सकारात्मक परिणाम भी आए हैं। उन्होंने बैठक में राजस्थान में उपलब्ध संसाधनों का समुचित दोहन कर प्रदेश के युगानुकुल विकास के लिए कार्य किए जाने, उद्यिमता विकास के लिए प्रयास बढ़ाए जाने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि राजभवन स्तर पर राज्यपाल राहत कोष के पुनर्गठन, जनजातीय क्षेत्रों के प्रभावी विकास, आदिवासी क्षेत्रों के टिकाऊ विकास से जुड़े मुद्दों की मॉनिटरिंग के लिए राजभवन स्तर पर जनजातीय एकक की स्थापना की गई है। राजभवन में देश का पहला संविधान उद्यान निर्मित किया गया है।

राज्य सलाहकार समिति के सदस्यों ने बैठक में वनस्थली विद्यापीठ की तर्ज पर आदिवासी क्षेत्र में महिला विश्वविद्यालय की स्थापना किए जाने का भी विशेष रूप से सुझाव दिया। स्वास्थ्य क्षेत्र के अंतर्गत पब्लिक हेल्थ कैडर बनाने और शिशु और मातृ मृत्यु दर कम करने के लिए व्यावहारिक प्रयास किए जाने, सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई के इस्तेमाल और आयुष्मान भारत के समेकित क्रियान्वयन पर जोर दिया गया।

तीये की बैठक

हमारे पूजनीय पिताजी **श्री मूलचंद जी बौल्या** का आकस्मिक स्वर्गवास बुधवार दिनांक 08.05.2024 को हो गया है। जिनकी तीये की बैठक शुक्रवार दिनांक 10.05.2024 को सायं 5 से 6 बजे तक निवास स्थान पर होगी।
शोकाकुलः गोविन्द (भ्राता), भारतेष, ललित, भवीश (पुत्र), घनश्याम, दीनदयाल, त्रिलोक (भतीजे) एवं समस्त बौल्या परिवार जयपुर।
मो. 7014760796, 6375628008, 7014492062

अत्यन्त दुःख के साथ सूचित करना पड रहा हैं की **श्रीमती विद्यावती शाह** धर्मपत्नी श्री संतोष कुमार शाह का स्वर्गवास दिनांक 08-05-2024 को हो गया है। तीये की बैठक दिनांक 10.05.2024 को शाम 5:00 बजे से शाम 6:00 बजे, योग एवं सत्संग भवन, गौतम मार्ग, निर्माण नगर, जयपुर पर होगी।
शोकाकुलः- पारितोष (पुत्र)- रुनु (पुत्रवधु), अर्चना (पुत्री)- योगेन्द्र (दामाद), दिपाली (पुत्री)- मनोज (दामाद), आदित्य, अर्नव (पौत्र), आयुषी, मितली, सुरभि, विधि, क्षितिज (दोहिती- दोहिता) निवासः 80 वृन्दावन विहार, अजमेर रोड, जयपुर। पारितोषः 8619908560, मनोजः 9782183710, दीपालीः 9887220901

अत्यन्त दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि मेरी धर्मपत्नी **श्रीमती कृष्णा देवी शर्मा** का देवलोकगमन 07-05-2024 (शुक्रवार) को हो गया है। जिनकी तीये की बैठक दिनांक 10-05-24 को सायं 5.00 से 6:00 बजे नगर निगम पार्क (आमेर रोड) में होगी।
शोकाकुल- रामनिवास (पति-रिटायर्ड कार्यालय अधीक्षक निदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ), राजेश-दीपा (पुत्र-पुत्रवधु), डॉ मनस्वी (पौत्री), कुंजबिहारी, ओमप्रकाश, दीपक (भतीजे), शशी-सुनील, अनिता अविनाश, बबली-हरीश, कविता-ऐश्वर्य (निदेशक आधारशिला, पूर्व ज़िला अध्यक्ष, भा.ज.पा. (पुत्री-दामाद) सौरभ, अभिषेक, बोधिसत्त्व (दोहिते) रुचिका, वरालिका, ऋतिका (दोहिती) पीहर पक्ष - सतपाल- उषा रानी, राधेश्याम- रंजना, मो-9829609145

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

नाबालिग से ज्यादती करने वाले युवक को सजा

जयपुर, (का.सं.)। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-1 महानगर प्रथम ने 15 साल की बीमार पीडिता के साथ ज्यादती करने वाले अभियुक्त कंपाउंडर दिनेश कुमार महावर को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने तीस वर्षीय इस अभियुक्त पर 35 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। अदालत ने कहा कि अभियुक्त ने इंजेक्शन लगाने के दौरान उसके साथ ज्यादती की है। ऐसे में अभियुक्त का कृत्य दुष्कर्म की श्रेणी में ही माना जाएगा। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक ने अदालत को बताया कि घटना को लेकर पीडिता की मां ने 26 दिसंबर, 2019 को शिप्रा पथ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि उसकी बेटी की कुछ दिनों से तबीयत खराब चल रही है। दोपहर के समय वह अपनी बडी बेटी को पास के अस्पताल में कंपाउंडर दिनेश कुमार से इंजेक्शन लगाने का कहकर दूसरे मकान पर गई थी। अभियुक्त ने इंजेक्शन लगाने के दौरान कमरे में मौजूद उसके बेटे को बाहर भेज दिया और पीडिता के साथ ज्यादती की। परिजनों के देखने पर पीडिता लहूलुहान हालत में कराह रही थी। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। वहीं ट्रायल के दौरान अभियुक्त की ओर से कहा गया कि उसे प्रकरण में फंसाया गया है और उसने पीडिता के साथ किसी तरह का अपराध नहीं किया है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अभियुक्त को सजा और जुर्माने से दंडित किया है।

डिफेक्टिव मशीन बेचने वाली कंपनी पर हर्जाना

जयपुर, (का.सं.)। जिला उपभोक्ता आयोग, जयपुर-प्रथम ने कान में सुनने के लिए लगाई हियरिंग एड मशीन डिफेक्टिव बेचने को सेवादोष करार देते हुए विपक्षी कंपनी एम्लीफोन इंडिया लि. पर 5 हजार रुपए हर्जाना लगाया है। वहीं मशीन की कीमत 47 हजार रुपए की सब-स्टेण्टर्ड कीमत 35,250 रुपए मानते हुए उसे भी 9 प्रतिशत ब्याज सहित लौटाने के लिए कहा है। आयोग के अध्यक्ष डॉ. सूबेसिंह यादव व सदस्य नीलम शर्मा ने यह आदेश एमके शर्मा के परिवाद पर दिया।

परिवाद में कहा गया कि परिवादी ने कान में लगाने वाली हियरिंग एड मशीन 31 दिसम्बर, 2019 को विपक्षी कंपनी से डिस्काउंट के बाद 47 हजार रुपए में खरीदी थी। यह मशीन डिफेक्टिव थी और कान में उसे लगाने के बाद भी साफ सुनाई नहीं देता था। कंपनी में शिकायत करने पर उसे सुधारने के कई प्रयास किए, लेकिन 22 चक्कर लगाने के बाद भी वह सुधरी नहीं। इसे परिवादी ने उपभोक्ता अदालत में चुनौती देते हुए मशीन बदलवाने व उसे हुई परेशानी के लिए हर्जा-खर्चा दिलवाने का आग्रह किया। जवाब में कंपनी ने कहा कि उनकी मशीन में कोई भी डिफेक्ट नहीं था।

सिनोदिया हत्याकांड के अभियुक्त को पैरोल पर रिहा करने के आदेश

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने किशनगढ़ के पूर्व विधायक नाथूराम सिनोदिया के बेटे भंवर सिनोदिया की हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा भुगत रहे अभियुक्त बलभा राम को चौथे नियमित पैरोल पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता पैरोल अवधि पूरी होने के बाद जेल प्रशासन के समक्ष समर्पण करे। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस आशुतोष कुमार की खंडपीठ ने यह आदेश बलभा राम की पैरोल याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने पैरोल कमेटी के आदेश को रद्द करते हुए माना की याचिकाकर्ता अभियुक्त को जेल में संतोषजनक व्यवहार था।

याचिका में अधिवक्ता गोविंद प्रसाद रावत ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता को 11 अप्रैल 2014 को हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। याचिकाकर्ता को अब तक नियमानुसार तीन बार नियमित पैरोल का लाभ दिया जा चुका है। पैरोल अवधि पूरी होने के बाद उसने समय पर जेल प्रशासन के समक्ष समर्पण किया है। इसके अलावा सामाजिक अधिकारिता विभाग की रिपोर्ट भी याचिकाकर्ता के पक्ष में आई है। इसके बावजूद पैरोल कमेटी ने उसे चौथे पैरोल का लाभ देने से इनकार कर दिया। ऐसे में उसे चौथे नियमित पैरोल के तहत चालीस दिन के लिए रिहा किया जाए। याचिका का विरोध करते हुए राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि याचिकाकर्ता के खिलापफ 16 मामले दर्ज हैं। इसके अलावा अजमेर पुलिस अधीक्षक ने भी उसके खिलाफ रिपोर्ट दी है। इसलिए पैरोल कमेटी ने उसके पैरोल आवेदन को निरस्त किया है। ऐसे में उसे पैरोल का लाभ नहीं दिया जाना चाहिए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने याचिकाकर्ता अभियुक्त को चौथे पैरोल के तहत चौदह दिन के लिए रिहा करने के आदेश दिए हैं।

लॉरेंस विश्नोई गैंग का एक गुर्गा जयपुर से पकड़ा

जयपुर। राजस्थान सहित देश के सात राज्यों में गैंगस्टर गोल्डी बराड़ और लॉरेंस विश्नोई के सिंडिकेट पर दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक साथ कार्रवाई कर 9 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें जयपुर से भी एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इन बदमाशों के पास से 7 पिस्टल, 31 कारतूस और 11 मोबाइल फोन जब्त किए हैं।

बुधवार सुबह से शाम तक दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और बिहार में रेड की गई थी। जांच में सामने आया कि गिरफ्तार सभी आरोपी एक-दूसरे के संपर्क में थे। अधिकांश आरोपियों की गोल्डी बराड़ से सीधे बात होती थी।

सूत्रों के अनुसार दिल्ली पुलिस ने जयपुर से अभय सोनी उर्फ कार्तिक उर्फ कबीर (22) को गिरफ्तार किया है।

खोया पाया

आवास संख्या 122/36 मानसरोवर जयपुर का कब्जा पत्र गिर/गुम हो गया मिलने पर सूचित करें। भगवान दास मो.8290626018

आवास संख्या 123/244 मानसरोवर जयपुर का नियमितिकरण एवं मूल अदेय प्रमाण पत्र गिर/गुम हो गया मिलने पर सूचित करें। शांति मो. 9828712792

आवास संख्या 43/20/8 मानसरोवर जयपुर का अदेय प्रमाण पत्र गिर/गुम हो गया मिलने पर सूचित करें। नरेन्द्र मो. 9691370880

गुलाब बाडी भवन गृ.नि.स.स. की योजना श्री गुरू जम्बेशवर नगर-बी के भूखण्ड संख्या 22 की समिति द्वारा जारी मूल रसीद जो कि वैशाली नगर मार्केट, जयपुर से कहीं गुम हो गयी, मिलने पर सूचित करें। नीरज माथुर, मो. 9649876250

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 37/24 [illegible]
[illegible]
आज दिनांक 07.05.2024 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया। आइंदा तारीख पेशी 12.07.2024
सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग जयपुर

उत्तर पश्चिम रेलवे
निविदा सूचना

भारत संघ के राष्ट्रपति एवं उनकी ओर से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी / निर्माण, पांचवीं मंजिल, उत्तर-पश्चिम रेलवे मुख्यालय, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर-302017 (राजस्थान) निम्नलिखित कार्य हेतु ऑन-लाईन खुली ई-निविदा सिस्टम (द्वि चरण रिवर्स ऑक्शन) के माध्यम से निर्धारित इलैक्ट्रॉनिक प्रपत्र पर निविदा आमंत्रित करते हैं: **निविदा संख्या: एनडब्ल्यूआर-एससी-एआईआई-सीओआर / डीएल-टी-04 दिनांक: 08/05/2024, कार्य का नाम एवं स्थान:** उत्तर-पश्चिम रेलवे के अजमेर मण्डल में अजमेर से चंदेरिया दोहरीकरण के संबंध में [illegible] नगर (सम्मिलित) से [illegible] (सम्मिलित) के मध्य कि.मी. 4/6 से 53/3 के मध्य तटबन्धों / कटाव पर ब्लैंकेटिंग सामग्री सहित मिट्टी का कार्य, छोटे पुलों, सड़क ऊपरी पुलिया (आरओबी), सड़क के नीचे पुलिया (आरयूबी), एफओबी, ट्रॉली रिफ्यूज, टो-वाल रिटेनिंग वाल, पिचिंग, स्टेशन भवनों एवं अन्य संरचनाओं का निर्माण, प्लेटफार्म, प्लेटफार्म शेल्टरों, स्टाफ क्वार्टरों का निर्माण तथा अन्य संबंधित कार्य। **निविदा का प्रकार:** द्वि चरण रिवर्स ऑक्शन। **अनुमानित लागत:** ₹ 292,47,63,768.34 (रुपये दो सौ बानवे करोड़, सैंतालीस लाख, तिरसठ हजार, सात सौ अड़सठ रुपये एवं चौंतीस पैसे मात्र)। **बिड सिक्योरिटी / धरोहर राशि:** ₹ 1,00,00,000/- (रुपये एक करोड़, मात्र)। **कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 24 (चौबीस) माह। **निविदा की अन्तिम दिनांक व समय:** दिनांक 14/06/2024 को [illegible] बजे तथा निविदा खुलने की दिनांक 14/06/2024 तथा समय [illegible] बजे। **विस्तृत विवरण:** www.ireps.gov.in **नोट:** कोई भी व्यक्तिगत (मैनुअल) टेण्डर स्वीकार नहीं किया जायेगा।
540-AR/24

आम सूचना दिनांक-7/5/24
सर्वसाधारण को सुचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल सिराजुद्दीन पुत्र मोहम्मद यासीन निवासी क्यू-17, कब्रिस्तान वाली गली, संजय नगर, भट्टाबस्ती जयपुर के पुत्र रियाजुद्दीन उर्फ राजू अलाउद्दीन उर्फ बब्लू एवं मोहम्मद शान मेरे मुवक्किल के कहने में नही है तथा आये दिन मेरे मुवक्किल व उसकी पत्नि के साथ लडाई-झगडा, गली-गलौच, करते है, जान से मारने की धमकी देते है, घर से बाहर निकलने की धमकी देते है, इसलिए मेरे मुवक्किल ने अपने तीनो पुत्रो को अपनी चल-अचल संपति से बेदखल कर दिया है, आज से रियाजुद्दीन उर्फ राजू, अलाउद्दीन उर्फ बब्लू एवं मोहम्मद शान का मेरी चल-अचल संपत्ति में किसी प्रकार का हक अधिकार नहीं रहा है। यदि कोई भी व्यक्ति/संस्था रियाजुद्दीन उर्फ राजू, अलाउद्दीन उर्फ बब्लू एवं मोहम्मद शान से कोई संव्यवहार/लेन-देन करते है तो, वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। अतः सूचित रहे।
(नवल किशोर सिघंल) एडवोकेट
मो. 9314876234/7891446420

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)
व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 192/24
विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।
प्रार्थी नाम कपिल कुमार सक्सैना पुत्र स्व. श्री प्रकाश नारायण सक्सैना जाति कायस्थ
विवाद स्थान 487, मुन्शीराम दास जी का रास्ता, गंगापोल, जयपुर
मृतक महेन्द्र कुमार सक्सैना की सम्पत्ति के विषय में।
पेशी दिनांक- 01.07.2024
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम महेन्द्र कुमार सक्सैना पुत्र स्व. श्री प्रकाश नारायण सक्सैना जाति कायस्थ निवासी 487, मुन्शीराम दास जी का रास्ता, गंगापोल, जयपुर का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावें।
अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 01 माह 07 सन् 2024 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आज दिनांक 30 माह 04 सन् 2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।
मोहर अदालत
आज्ञा से-वरिष्ठ मुंसरिम
जिला एवं सैशन न्यायालय
जयपुर महानगर-द्वितीय

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)
व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 14/2024
विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।
प्रार्थी नाम मोहित अबिचंदानी पुत्र स्व.अनिल एल अबिचंदानी जाति सिंधी
विवाद स्थान एल 201 महिमा मनोरमा, जगतपुरा
मृतक स्व.अनिल एल अबिचंदानी की सम्पत्ति के विषय में।
पेशी दिनांक- 05.07.2024
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम स्व.अनिल एल अबिचंदानी पुत्र लक्ष्मण अबिचंदानी जाति सिंधी R/o एल 201 महिमा पनोरमा, जगतपुरा जयपुर का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावें।
अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 05 माह 07 सन् 2024 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आज दिनांक 03 माह 05 सन् 2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।
मोहर अदालत
आज्ञा से-शरिस्तेदार
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश संख्या 10 जयपुर महानगर प्रथम
न्यायालय सांगानेर

आम सूचना
मैने मेरे मंझले पुत्र राकेश कुमार रोहिल्ला एवं उसकी पत्नि एवं बच्चो को मेरी समस्त चल-अचल सम्पत्ति में से बेदखल कर दिया है, अब राकेश कुमार रोहिल्ला एवं उसकी पत्नि एवं बच्चो का मेरी चल-अचल सम्पत्ति में किसी भी प्रकार का कोई हक व अधिकार नही होगा। कृप्या सूचित रहे।
भवदीय
दिनांकः 09.05.2024 राधेश्याम रोहिल्ला
जयपुर। पुत्र स्व. श्री मांगीलाल रोहिल्ला
निवासीः 271-ए, पथ न. 06 विजयबाडी, जयपुर राज.

आम-सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अचल सम्पत्ति आबादी भूमि, पट्टा नम्बर 17 व 48, ग्राम खाटूश्यामजी, तहसील दांतारामगढ़, जिला सीकर, राज., जिसका कुल क्षेत्रफल 135.33 वर्गगज है, का मूल पट्टा नं. 17 व 48 जगदीश प्रसाद शर्मा को ग्राम पंचायत खाटूश्यामजी, पंचायत समिति दांतारामगढ़, सीकर, राज., द्वारा जरिये दो अलग-अलग आबादी भूमि का पट्टा विलेख पट्टा संख्या 17/72-73 संकल्प सं. 4 दिनांक 01.06.1972 व पट्टा नं. 48 मिसल सं. 129 दिनांक 04.11.1981 द्वारा प्राप्त हुई, जिसके बाबत उन्होंने अपने जीवन काल में अपनी चल व अचल सम्पत्ति बाबत रजिस्टर्ड वसीयतनामा दिनांक 04.01.2010 पवन कुमार शर्मा व अशोक कुमार शर्मा सहित अपने सभी पुत्रो के हक में निष्पादित किया। जगदीश प्रसाद शर्मा के स्वर्गवास के पश्चात उक्त वसीयतनामा दिनांक 04.01.2010 द्वारा पवन कुमार शर्मा व अशोक कुमार शर्मा के हिस्से मे उक्त भूमि पट्टा सं. 17 व पट्टा सं. 48 सम्पत्ति आई। इन दोनों के मध्य उक्त सम्पत्ति बाबत हुए रजिस्टर्ड बंटवारानामा दिनांक 04.04.2024 द्वारा पवन कुमार शर्मा के हिस्से में उक्त सम्पत्ति हिस्सा (क्षेत्रफल 135.33 वर्गगज) आया, जिसके वो विधिक रूप से मालिक एवं स्वामी, काबिज हुए। उक्त वसीयत स्व. जगदीश प्रसाद शर्मा की अपने जीवनकाल में निष्पादित अंतिम वसीयत है तथा पूर्णतः वैध व प्रभावी है। अब पवन कुमार शर्मा उक्त सम्पत्ति पर मेरी अभिभाष्य वित्तीय संस्था SMFG India Credit Co. Ltd. से ऋण ले रहे है, सर्वसाधारण को उक्त सम्पत्ति के विधिक वारिसान, मालिकाना हक, स्वामित्व, कब्जे व अधिकार पर कोई आपत्ति हो तो सात दिवस में लिखित में मय दस्तावेज सूचित करे अन्यथा आपत्ति शून्य, अप्रभावी व अमान्य समझी जावेगी।
दिनांक 08.05.2024 ऋषिकेश महर्षि, एडवोकेट (एस.आर.एस. पार्टनर)
पता-82, एवरेस्ट विहार, किंग्स रोड, निर्माण नगर, जयपुर, राज.

कार्यालय उपायुक्त, (विधाधर जोन)
नगर निगम ग्रेटर जयपुर
(अम्बाबाडी सामुदायिक केन्द्र, अम्बाबाडी सर्किल, जयपुर)
क्रमांकः-एफ.55()वि.जोन/न.नि.ज.(ग्रे)/2024/203
सार्वजनिक सूचना दिनांक : 6/5/24
भूखण्ड सं 59 संजय नगर बी झोटवाडा जयपुर (नवजीवन गृह निर्माण सहकारी समिति) जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा श्री कासम खा पुत्र श्री जसू खां के पक्ष में क्षेत्रफल 166.66 वर्गगज का भूमि का पट्टा विलेख जारी किया गया थापंजीकृत विक्रय पत्र के आधार पर श्री रियाज अहमद खां पुत्र मरहूम अली मोहम्मद खान ने भूखण्ड सं 59 संजय नगर बी झोटवाडा जयपुर (नवजीवन ग्रह निर्माण सहकारी समिति) का नाम हस्तान्तरण चाहा गया है। उक्त भूखण्ड के नाम हस्तान्तरण बाबत किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 कार्य दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद विधिवत नियमानुसार नाम हस्तान्तरण की कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी।
उपायुक्त, विद्याधर नगर जोन, नगर निगम ग्रेटर, जयपुर

आम सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पत्नी श्रीमती प्रीति पत्नी श्री सुनील कुमार सिंह के नाम से आवासीय प्लाट नं. 157, योजना Yaduraj Oxygen Acres, ग्राम पृथ्वीसिंहपुरा उर्फ नाईवाला, तहसील सांगानेर, जिला जयपुर (राज.) मे स्थित है, जिस पर मेरी पत्नी श्रीमती प्रीति पत्नी श्री सुनील कुमार सिंह ने एचडीएफसी बैंक लिमिटेड (बैंक में विलय से पूर्व नाम एचडीएफसी लिमिटेड) से जरिये ऋण खाता संख्या 682202445 से ऋण लिया हुआ था तथा उक्त आवासीय प्लाट नं. 157, योजना Yaduraj Oxygen Acres,, ग्राम पृथ्वीसिंहपुरा उर्फ नाईवाला, तहसील सांगानेर, जिला जयपुर (राज.) के समस्त असल दस्तावेज एचडीएफसी बैंक लिमिटेड (बैंक में विलय से पूर्व नाम एचडीएफसी लिमिटेड) में रहन (Mortage) कर रखे हैं।
यह कि मेरी पत्नी श्रीमती प्रीति पत्नी श्री सुनील कुमार सिंह का दिनांक 24.12.2023 को स्वर्गवास हो चुका है उक्त प्लाट के पेटे लिये हुये ऋण की पूर्ण अदायगी एचडीएफसी बैंक लिमिटेड (बैंक में विलय से पूर्व नाम एचडीएफसी लिमिटेड) को की जा चुकी है, इसलिये अब मैं उक्त आवासीय प्लाट नं. 157, योजना Yaduraj Oxygen Acres, ग्राम पृथ्वीसिंहपुरा उर्फ नाईवाला, तहसील सांगानेर, जिला जयपुर (राज.) के असल दस्तावेजों को प्राप्त करना चाहता हूँ यदि इस संबंध में किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म इत्यादि को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति है तो मय दस्तावेज प्रकाशन तिथि से सात दिवस तक की अवधि में एचडीएफसी बैंक लिमिटेड, शाखा सी-25, भगवान दास रोड, सी-स्कीम, जयपुर में सम्पर्क करें। सूचित रहे।
(सुनील कुमार सिंह) पुत्र श्री पन्ना लाल सिंह,
निवासी 89, लेन नम्बर 03, विलेज रंजन पथ,
पोस्ट दिनापुर कैंट, सब डिस्ट्रीक दानापुर,
जिला पटना-801503 (बिहार)
मो.नं. 9958338452

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda
शाखा कार्यालयः सालासर रोड, सीकर, राजस्थान 332001
फोन नं.: 01572-253089
ई-मेलः schsik@bankofbaroda.co.in
प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम, 2002, परिशिष्ट IV [नियम 8(1) देखें]
कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति के लिए)
जबकि
निम्नहस्ताक्षरकर्ता बैंक ऑफ बड़ौदा के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन और प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (2002 का अधिनियम संख्यांक 54) के अंतर्गत और धारा 13(12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में, प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित, ऋणी श्री अब्बास पुत्र श्री बाबूलाल एवं सह-ऋणी श्रीमती नसरीन सैयद पत्नी श्री अब्बास पर मांग सूचना दिनांक 18.12.2023 पर उस सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर दिनांक 28.11.2023 को बकाया राशि रू. 31,03,555.20 (रूपये इकतीस लाख तीन हजार पांच सौ पचपन एवं पैसे बीस मात्र) (दिनांक 28.11.2023 तक ब्याज शामिल करते हुए) एवं इससे आगे का ब्याज व अन्य खर्चे व लागतों का पुनर्भुगतान करने के लिए मांग सूचना जारी की गई।
ऋणी द्वारा राशि का पुनर्भुगतान करने में असफल होने पर एतद्द्वारा सूचना ऋणी और आम जनता को दी जाती है कि निम्नहस्ताक्षरकर्ता ने दिनांक 04, माह मई, वर्ष 2024 को उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के अंतर्गत, उक्त अधिनियम की उपधारा 8 के साथ पठित उस पर प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में एतस्मिन नीचे वर्णित सम्पत्ति को कब्जे में ले लिया है।
ऋणी को विशेष एवं आम जनता को एतद्द्वारा सम्पत्ति के साथ कोई संव्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और सम्पत्ति के साथ किया गया कोई भी संव्यवहार दिनांक 30.04.2024 को बकाया राशि रू. 32,36,047.15 (रूपये बतीस लाख छतीस हजार सैंतालीस एवं पैसे पन्द्रह मात्र) एवं इससे आगे का ब्याज व अन्य खर्चे व लागतों का पुनर्भुगतान करने के लिए बैंक ऑफ बड़ौदा, शाखा कार्यालय सालासर रोड, सीकर, राजस्थान 332001 के प्रभार के अधीन होगा।
कर्जदार का ध्यान, प्रतिभूत आस्तियों को छुड़ाने के लिए, उपलब्ध समय के संबंध में, अधिनियम की धारा 13(8) के प्रावधान की ओर आकृष्ट किया जाता है।
अचल सम्पत्ति का वर्णन
सम्पत्ति के सभी अभिन्न अंग गठित होते हैं जो कि श्री अब्बास पुत्र श्री बाबूलाल के नाम साम्यिक बंधक दिनांक 16.09.2015 फ्लैट नं. 904-ए, 9वीं मंजिल, ब्लॉक बी, मंगलम अरोमा, गांव रामसिंहपुरा या रामपुरा, तहसील सांगानेर, जयपुर, राजस्थान 303108 पर स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 960 वर्ग फीट बिल्ट अप एरिया है। सीमाएं- उत्तरः फ्लैट 904 बी, दक्षिणः सिढ़ियाँ एवं लिफ्ट, पूर्वः गलियारा, पश्चिमः खुला आकाश
दिनांकः 04.05.2024
स्थानः जयपुर
हस्ता.
प्राधिकृत अधिकारी

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड
(पूर्व में कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफससी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है)
CIN : L65110TN2014PLC097792
पंजीकृत कार्यालय - केआरएम टॉवर्स, 8वीं मंजिल, हैरिंगटन रोड, चेटपेट, चैन्नाई-600031
फोन- +91 44 4564 4000 | फैक्स- +91 44 4564 4022
IDFC FIRST Bank

वित्तीय अस्तियों के प्रतिभूतिकरण व पुनर्निर्माण एवं ब्याज प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के सैक्शन 13 (2) के तहत नोटिस

निम्न ऋणग्रहिताओं एवं सहऋणग्रहिताओं ने नीचे वर्णित आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड का सिक्योर्ड ऋण (पूर्व में कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफससी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) से लिया था। निम्नलिखित ऋणग्रहिताओं एवं सहऋणग्रहिताओं के ऋण उनकी अपनी-अपनी सम्पत्तियों के गिरवी रखने से सुरक्षित है। क्योंकि उन्होंने अपने-अपने ऋण एग्रीमेन्टस के नियम व शर्तों की पालना नहीं की है और अनियिमित हो गये है, उनके ऋणों को आरबीआई की गाइडलाइन्स के अनुसार एनपीए वग्रीकृत कर दिया गया है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफससी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) को देय राशियाँ उनके पृथक नोटिस में लिखी गयी है तथा और विशेष रूप से निम्न सूचि में वर्णित है और उक्त राशियों पर आगे का ब्याज भी लागू होगा तथा वह उनकी अलग-अलग तिथियों से समझौते की प्रभावी दर से वसूला जायेगा।

क्रम संख्या	ऋण खाता संख्या	ऋण का प्रकार	ऋणग्रहिताओं एवं सहऋणग्रहिताओं के नाम	सैक्शन 13(2) के नोटिस की तिथि	सैक्शन 13(2) नोटिस के अनुसार बकाया राशि	सम्पत्ति का पता
1	20874496	सम्पत्ति पर ऋण	1. गिरराज सिंह खटान 2. बरफी गिरराज	25.04.2024	4,65,137.31/-	प्लाट नं. 165 (उत्तर भाग), क्षेत्रफल 135 वर्ग मीटर, हरचन्दपुरा, बल्यावाला डेयरी फार्म योजना, तहसील- बस्सी, जिला-जयपुर, राजस्थान-303012 कापूरा व प्रत्येक भाग, और सीमायें है- पूर्व-प्लाट नं.164, पश्चिम- प्लाट नं. 166, उत्तर-सरकारी रोड, 12 मीटर चौडी, दक्षिण-प्लाट नं.165 का बचा हुआ भाग (दक्षिण भाग)

आपको एतद्द्वारा, इस प्रकाशन के 60 दिन के अन्दर, ऊपर सूचि में दर्शायी राशियों को उनकी प्रथम तिथि से, उस पर लगे आगे के समझौते में ब्याज दर तथा अन्य खर्चो, चार्ज आदि सहित आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लि. (पूर्व में कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफससी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) को भुगतान करने को कहा जा रहा है, यदि ऐसा नहीं हुआ, तो अधोहस्ताक्षरकर्ता को, एसएआरएफएइएसआई एक्ट के सैक्शन 13(4) तथा सैक्शन 14 के तहत, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफससी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) को देय राशि वसूल करने के लिये, गिरवी रखी सम्पत्तियों के खिलाफ कार्यवाही शुरू करने के लिये बाध्य होना पडेगा/इसके अलावा उक्त एक्ट के सैक्शन 13 (13) के तहत आप उक्त सम्पत्तियों को बिक्री/लीज अथवा किसी अन्य प्रकार से ट्रांसफर नहीं करने के लिये प्रतिबंधित है।
ह./-
दिनांक- 10.05.2024
स्थान- जयपुर
प्राधिकृत अधिकारी
आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड
(पूर्व में कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफससी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है)

हीटवेव की चपेट में आये जोधपुर, जालोर और बीकानेर

बाड़मेर में 46 डिग्री सर्वाधिक तापमान दर्ज हुआ, जोधपुर में 45 डिग्री पारा दर्ज

- **मौसम विभाग के अनुसार 10-12 मई के बीच में प्रदेश में एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ बन रहा है**
- **प्रदेश के कुछेक हिस्सों में मेघगर्जना, आंधी और बादल बारिश की संभावना बनेगी**

जोधपुर/बीकानेर, (कासं)। प्रदेश में पड़ रही भीषण गर्मी के बीच राहत की खबर है। 10 से 12 मई के बीच में एक कमजोर पश्चिमी तंत्र विकसित हो रहा है। ऐसे में शुक्रवार से प्रदेश में मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। फिलहाल गुरुवार को दिन और रात तक पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर, जैसलमेर और बीकानेर संभाग में हीटवेव बना रहा। गुरुवार को जोधपुर में तापमान 45 डिग्री दर्ज किया गया है वहीं बाड़मेर 46 डिग्री सर्वाधिक तापमान बताया गया है।

प्रदेश में गर्मी अपने प्रचण्ड रूप में है। सूर्यदेव आसमां से आग बरसा रहे हैं। पंखें, कूलर और एसी तक ने जवाब दे दिया है। भीषण गर्मी के चलते बिजली तंत्र भी गड़बड़ा गया है। मौसम विभाग की मानें तो आगामी 10-12 मई के बीच में प्रदेश में एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ बन रहा है जिससे प्रदेश के कुछेक हिस्सों में मेघगर्जना, आंधी और बादल बारिश की संभावना बनेगी।

मौसम विभाग केंद्र जयपुर के अनुसार जोधपुर में भी आगामी दो दिन तक आंधी बारिश की संभावना बनी है। पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर में आज 45 डिग्री तापमान रिकार्ड किया गया है तो बाड़मेर सर्वाधिक 46 डिग्री तापमान दर्ज किया गया है।

बीकानेर संवाददाता के अनुसार :-पश्चिमी राजस्थान का रेगिस्तानी इलाका जितना जल्दी ठंडा होता है, उतना ही जल्दी गर्म भी हो जाता है। अप्रेल माह तक सब कुछ ठीक-ठाक गुजरा, किंतु मई माह के शुरू होने के साथ ही गर्मी के तेवर तीखे हो गए हैं। आलम ये है कि तल्ख गर्मी व हीटववे की वजह से मई के पहले सप्ताह में सड़कों पर कर्फ्यू का आलम है। पूरे राजस्थान में गर्मी सता रही है, किंतु मंगलवार को बीकाणा का अधिकतम तापमान 44 डिग्री पार तक पहुंच गया। यह तो वातानुकूलित व कूलर व पंखों वाले कमरों का हाल है। जबकि सड़कों पर तो इससे कहीं अधिक गर्मी का आलम है। जिसकी वजह से सड़कों पर सन्नाटा परसने लगा है। अधिकतम व न्यूनतम तापमान के बीच के अन्तर से ही बीकाणा में पड़ने वाली गर्मी का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। उस पर रूक-रूककर 10 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से गर्म हवा के थपेड़े इस गर्मी में कोढ़ में खाज का काम कर रहे हैं। सूर्य का तप व गर्मी इतनी अधिक तेज है कि वातावरण से मानों नमी पूरी तरह से सिकुड़ चुकी है।

जालोर में पारा 45.5 डिग्री पहुंचा, गर्मी से लोग बेहाल

- **अत्यधिक गर्मी को देखते हुए जिला कलेक्टर ने स्कूल में छुट्टी के आदेश जारी किये**

जालोर, (कासं)। जालोर जिले में हीटवेव के चलते गर्मी के तेवर तीखी देखे गये। गुरूवार को तापमान 45.5 डिग्री तक पहुंचने से दोपहर के समय गर्मी व तपसी से आमजन बेहाल नजर आया। वहीं जिला कलेक्टर पूजा पार्थ ने तेज गर्मी को देखते हुए जिले में संचालित समस्त राजकीय एवं गैर राजकीय विद्यालयों में कक्षा नर्सरी से पांचवी तक अध्ययनरत समस्त विद्यार्थियों के लिए 9 से 15 मई (सत्रांत) तक अवकाश घोषित किया है तथा कक्षा 6 से 12 तक के समय में परिवर्तन किया है।

जालोर जिले में उष्ण तापमान बढ़ने के साथ ही सूर्यदेव अपने तीखे तेवर में नजर आ रहे हैं। गत दो दिनों से तेज गर्मी के चलते कुलर, एसी व पंखे भी बेअसर नजर आ रहे हैं। वहीं दोपहर के समय तेज गर्मी के चलते शहर की सड़कें सूनी नजर आई। वहीं तेज गर्मी से बचने के लिए लोग जतन करते नजर आये। गुरूवार को गर्मी का पारा 45 डिग्री से ऊपर गुजर जाने से सड़कें भी आग उगलती नजर आई। तेज गर्मी से जनजीवन प्रभावित नजर आया। तेज गर्मी के चलते लोगों के हाल बेहाल है। वही जिला कलक्टर पूजा पार्थ ने बताया कि अत्यधिक गर्मी के चलते जिले में संचालित समस्त राजकीय एवं गैर राजकीय विद्यालयों में कक्षा नर्सरी से पांचवी तक अध्ययनरत समस्त विद्यार्थियों के लिए 9 से 15 मई (सत्रांत) तक अवकाश रहेगा। वहीं कक्षा 6 से 12 का समय प्रात: 7 बजे से प्रात: 11.30 बजे तक रहेगा तथा समस्त शिक्षकों व कार्मिकों का समय यथावत रहेगा।

सलमान खान के घर फायरिंग करने का नागौर कनेक्शन सामने आया

मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच की ओर से मामले में की गई पांचवी गिरफ्तारी के बाद खुलासा हुआ

- **मामले का सूत्रधार नागौर के बासनी का रहने वाला मोहम्मद रफीक चौधरी निकला**
- **मुम्बई क्राइम ब्रांच ने मोहम्मद रफीक चौधरी को मारवाड़ जंक्शन पाली से ट्रेन यात्रा के दौरान दबोचा**

नागौर, (निसं)। अभिनेता सलमान खान के घर के बाहर फायरिंग मामले का नागौर कनेक्शन भी सामने आया है। मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच की ओर से मामले में की गई पांचवी गिरफ्तारी के बाद यह खुलासा हुआ है कि मामले का सूत्रधार कोई और नहीं बल्कि नागौर के बासनी का रहने वाला मोहम्मद रफीक चौधरी था।

सूत्रों के मुताबिक मुंबई क्राइम ब्रांच टीम ने पूर्व में चार गिरफ्तारियां कर ली थी और पांचवें आरोपी की तलाश की जा रही थी। मुंबई क्राइम ब्रांच की टीम ने आखिरकार मोहम्मद रफीक चौधरी को राजस्थान के मारवाड़ जंक्शन रेल्वे स्टेशन से ट्रैन में सफ़र करते हुए धर दबोचा। बताया जा रहा है कि रफीक चौधरी नागौर के सदर थाने के बासनी का मूल निवासी है और अपने भाइयों के साथ मुंबई में दूध की डेयरी के व्यवसाय से जुड़ा है और यहीं रहते हुए वह अपराधी गतिविधियों में लिप्त हो गया। यह भी कहां जा रहा है कि जांच एजेन्सी के मुताबिक रफीक चौधरी लॉरेंस गैंग से जुड़ा हुआ है और अभिनेता सलमान खान के घर के बाहर फायरिंग मामले में उसने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। सूत्रों से जो सूचनाओं मिल रही है उनके मुताबिक फायरिंग मामले के पाल और गुप्ता को आरोपी रफीक चौधरी ने कथित तौर पर मोटरसाइकिल खरीदने और मकान किराए पर लेने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की थी। फिलहाल मुंबई क्राइम ब्रांच ने रफीक चौधरी को न्यायालय में पेश किया और उसके बाद उससे अगले कुछ दिनों तक रिमांड पर भेजा गया है।

लड़की से मिलने आए नीट स्टूडेंट की हत्या

- **युवती के परिजनों ने स्टूडेंट को पीट-पीटकर मार डाला, इंस्टाग्राम पर दोनों की दोस्ती हुई थी**

मृतक संतोष कुमार केसरी।

मेड़ता सिटी, (निसं)। इंस्टाग्राम पर दोस्त बनी लड़की से मिलने आए नीट स्टूडेंट को युवती के परिजनों ने इतना पीटा कि उसकी मौत हो गई। मामला मेड़ता सिटी थाना क्षेत्र (नागौर) के सारंग बासनी गांव का है।

मेड़ता वृताधिकारी पिंटू कुमार ने बताया कि यह पूरी घटना बुधवार की है। कोटा के एक इंस्टीट्यूट से नीट की तैयारी कर रहा युवक संतोष कुमार केसरी (17) पुत्र उमेश केसरी अपनी इंस्टाग्राम पर फ्रेंड बनी युवती से मिलने सारंग बासनी गांव आया। स्टूडेंट को युवती के परिजनों ने इतना पीटा कि उसकी मौत हो गई। कोटा के एक जो बिहार के मधुबन हॉल का रहने वाला था। इस दौरान युवती के परिजनों को यह बात पता चल गई और उन्होंने युवक के साथ मारपीट कर दी। मारपीट में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया था। लड़की के परिजनों ने ही उसे मेड़ता राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया था। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

मेड़ता सीआई राजवीर सिंह ने बताया कि मेडिकल बोर्ड से गुरुवार दोपहर युवक के शव का पोस्टमॉर्टम करवाया है। युवक के पिता उमेश केसरी ने युवती के पिता, चाचा व अन्य परिजनों के खिलाफ पीट-पीटकर हत्या करने का मामला दर्ज कराया है। मामले में कार्रवाई की जा रही है। पिता उमेश ने बताया कि पांच साल से कोटा में रहकर नीट की तैयारी कर रहा था। फाइनल में अच्छा स्कोर किया था। छह मई को कोटा से निकला था। सात मई को बेटे से बात हुई थी, उसने कहा था घूमने जा रहा हूं। बुधवार को क्वार्टर पर जाते ही पुलिस ने फोन कर मामले की जानकारी दी थी। युवक के पिता उमेश कुमार केसरी बिहार में मधुबन के रहने वाले हैं और वर्तमान में अमृतसर के पास तरणतारण रेलवे स्टेशन पर स्टेशन अधीक्षक के पद पर कार्यरत है। संतोष इकलौता बेटा था। पिता ने हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने लड़की के घर वालों को हिरासत में लिया है।

बाल विवाह से मुक्त हुई बालिका वधू

जोधपुर, (कासं)। अबूझ सावे के तौर पर बाल विवाह करवाए जाने की कुप्रथा से जुड़ा आखातीज यानी अक्षय तृतीया पर्व सुगंधा (बदला हुआ नाम) के लिए जीत की खुशियां लेकर आया। आखातीज के मौके पर सारथी ट्रस्ट की मैनेजिंग ट्रस्टी एवं पुनर्वास मनोवैज्ञानिक डॉ. कृति भारती के संबल से सुगंधा का बाल विवाह बालिग होने पहले ही निरस्त हो गया। जोधपुर के पारिवारिक न्यायालय संख्या दो ने सुगंधा के महज दस साल की उम्र में हुए बाल विवाह को निरस्त करने का फैसला सुनाकर आखातीज पर समाज को कड़ा संदेश दिया।

इसके साथ ही सारथी ट्रस्ट की डॉ. कृति भारती ने अब तक 51 मासूम जोड़ों का बाल विवाह निरस्त करवाने और लगातार आखातीज पर भी बाल विवाह निरस्त करवाने की सुप्रथा की हैट्रिक के साथ दोहरे कीर्तिमान बनाए हैं। जोधपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्र की निवासी कमठा मजदूर की बेटी 17 वर्षीय सुगंधा (बदला हुआ नाम) का महज 10 साल की उम्र में बाल विवाह हो गया था। सुगंधा सात साल तक बालविवाह का दंश झेलती रही। उसे गौना करवाकर 16 साल की उम्र में ससुराल भी भेज दिया गया था। जहां उसके साथ अच्छा बर्ताव नहीं हुआ। इस बीच सुगंधा को वर्ल्ड टॉप टेन एक्टिविस्ट और बीबीसी 100 इंस्पिरेशनल वूमन सूची में शुमार जोधपुर के सारथी ट्रस्ट की मैनेजिंग ट्रस्टी एवं पुनर्वास मनोवैज्ञानिक डॉ. कृति भारती की बाल विवाह निरस्त की मुहिम के बारे में महिला पुलिस थाने से जानकारी मिली। सुगंधा ने डॉ. कृति से मुलाकात कर पीड़ा बताई। जिसके बाद डॉ. कृति ने करीब पांच माह पहले सुगंधा के बाल विवाह निरस्त का वाद जोधपुर के पारिवारिक न्यायालय संख्या 2 में दायर किया। डॉ.कृति ने ही सुगंधा की ओर से पैरवी कर बाल विवाह और आयु संबंधी तथ्यों से अवगत करवाया जिसके बाद पारिवारिक न्यायालय संख्या दो के तत्कालीन न्यायाधीश प्रदीप कुमार मोदी ने सुगंधा के महज 10 साल की उम्र में 7 साल पहले हुए बाल विवाह को निरस्त करने का फैसला सुनाया।

तीन बहनों की नदी में डूबने से मौत, गांव में मातम पसरा

उदयपुर, (कासं)। जिले के सायरा थाना क्षेत्र की रावछ ग्राम पंचायत में मेरे का खेत की रुपणिया धरा नदी पर नहाने गई तीन बहनों की पानी में डूबने से मौत हो गई। तीन बहनों की एक साथ हुई मौत से पूरे क्षेत्र में मातम पसर गया।

ओमप्रकाश गरासिया की बेटी सविता कुंवर (ढाई वर्ष) और रीना कुमारी (4 वर्ष) व मेहमान आई बहन प्यारी गरासिया की बेटी जतल (4 वर्ष) को घर पर अकेला छोड़कर पूरे परिवार के साथ खेतों पर काम करने गए थे। तेज गर्मी होने के चलते तीनों मासूम बालिकाएं खेलते हुए नदी के पास पहुंच गई और वहां नदी में नहाने उतरी जहां एक के बाद एक तीनों पानी में डूब गई। नदी की ओर से घर आ रहे मंसाराम गरासिया ने तीनों के कपड़े नदी किनारे देखे और परिवार के लोग उधर बच्चों को ढूंढ रहे थे तो मंशाराम ने तीनों लड़कियों के कपड़े नदी पर होना बताया। जिस पर गांव के लोग मौके पर पहुंचे तीनों के शव पानी में तैरते हुए दिखे। ग्रामीणों की सूचना पर सायरा थानाधिकारी प्रवीण सिंह जुगनावत जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे और पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से तीनों शवों को नदी से बाहर निकलवाकर सायरा अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया।

बीकानेर के सहजरासर में जमीन धंसने के रहस्य से पर्दा उठा

- **घटना के कारणों का खुलासा जीएसआई के अधिकारियों ने मौका देख कर किया**
- **अधिकारियों ने अत्यधिक जलदोहन को भूमि धंसने का कारण माना**

लूणकरनसर, (निसं)। भूमिगत जल का अंधाधुंध दोहन करने से भूमि की कोख तो सूख ही रही है, भविष्य में इसके भयावह परिणाम भूगर्भीय घटनाओं के रूप में भी देखने को मिल सकते हैं। इस खतरे का अलार्म प्रकृति ने सहजरासर गांव की रोही में तीन सप्ताह पहले बजा भी दिया है। गत 15 अप्रेल की रात को अचानक जमीन धंसने से करीब 100 फीट गहरा गड्ढा हो गया था। इसके दायरे में पक्की डामर रोड का कुछ हिस्सा भी आ गया, जो जमींदोज हो गया है। सहजरासर की इस घटना के कारणों का खुलासा भारतीय भू वैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) के अधिकारियों ने मौका देख कर किया है। इसमें अत्यधिक जलदोहन को भूमि धंसने का कारण माना है। गड्ढे की प्रशासन ने तारबंदी करवाकर छोड़ रखी है। पुलिस नियमित निगरानी कर रही है।

जानकारी के अनुसार गत 15 अप्रेल की रात करीब तीन बजे लूणकरनसर-ढाणी भोपालाराम से सहजरासर गांव जाने वाली सड़क पर सहजरासर गांव के नजदीक रोही में जगूनाथ के खेत में अचानक जमीन धंस गई थी। इससे 150 से 200 फीट लम्बा-चौड़ा तथा तकरीबन 90-100 फीट गहरा गड्ढा हो गया। करीब 50-60 फीट तक सड़क भी जमींदोज हो गई। एक-दो दिन में दरारें कुछ और बढ रीं। अंदाजन गड्ढा की मोटाई-चौड़ाई इस दौरान बढ़ी है। गत 24 अप्रेल को झालाना डूंगरी जयपुर से भारतीय भू-सर्वेक्षण विभाग की तीन सदस्यीय टीम जांच के लिए आई। उसने तीन दिन जांच के बाद प्रशासन को रिपोर्ट सौंपी।

उपखण्ड अधिकारी राजेन्द्र कुमार ने बताया कि जीसीआई ने जमीन धंसने के मामले में अपनी जांच रिपोर्ट में जल के अत्यधिक दोहन को कारण माना है। जांच रिपोर्ट में बताया है कि बरसात की कमी से भूजल रिचार्ज नहीं हुआ। इससे जमीन खोखली हो गई और मिट्टी नीचे चली गई। जीसीआई ने मौसम विभाग, भूजल विभाग, सैटेलाइट समेत कई तरह के साक्ष्य जुटाए हैं। इसके बाद अपनी जांच में पाया कि भूजल रिचार्ज नहीं होने से तथा नीचे की जमीन ज्यादा सख्त नहीं होने से जमीन धंसी। जीसीआई इसे भौगोलिक घटना मान रहा है।

ग्रामीणों के मुताबिक, कि इस जगह पर तकरीबन सौ साल पहले आकाशीय बिजली गिरी थी। इसी कारण इस जगह को लेकर आम बोचचाल में लोग बिजलखाड़ के नाम से पुकारते हैं। ग्रामीणों की मानें, तो इस जगह पिछले कई साल से एक-दो फीट जगह धीरे-धीरे धंसती आ रही है। इस कारण सड़क भी हर साल क्षतिग्रस्त होती रही है।

उपखण्ड अधिकारी राजेन्द्र कुमार ने बताया कि सड़क भी जमीन में धंसने से सम्पर्क टूट गया है। मौके पर पंचायत की मदद से पास के खेत से रास्ता बना कर सड़क से जोड़ा गया है। अब बजट मिलने के बाद पुन: गड्ढे का भरवाकर दोबारा सड़क बनवाई जाएगी। जमीन धंसने के मामले को लेकर लोगों में कौतूहल बना हुआ है। धारा 144 लगाने के बावजूद लोग गड्ढे को देखने के लिए आते जा रहे हैं। लिहाजा पुलिस के जवानों को खासा मशक्कत करनी पड़ रही है।

लकड़ी से बने फंटों से भरा ट्रक जब्त

पावटा, (निसं)। प्रागपुरा थाना क्षेत्र में कोटपुतली वन विभाग की टीम ने अवैध खनन तथा परिवहन के खिलाफ कार्रवाई करते हुये मुख्य वन संरक्षक राजीव चतुर्वेदी, उप वन संरक्षक जयपुर उत्तर देवेंद्र प्रताप जागावत के निर्देशन एवं रेंज कोटपुतली क्षेत्रीय वन अधिकार देवेंद्र के नेतृत्व में वन विभाग की टीम ने हरियाणा से बगरू जयपुर जाते हुए तिरपाल से ढके हुए एक ट्रक को रोककर ट्रक चालक से पूछताछ करने पर ट्रक में लकड़ियां भरी होना पाया। इस पर लकड़ियों के ट्रक पर लगे तिरपाल को खोलकर देखा तो उसमें प्रतिबंधित आम की लकड़ियों से बने फंटे भरे हुए थे जिनकी बाजार कीमत लगभग चार लाख रुपए है। इस दौरान कोटपुतली नाका प्रभारी दाताराम यादव, बूचारा नाका प्रभारी अशोक गुर्जर, वनरक्षक मुकेश गुर्जर, सहायक वनपाल राजेंद्र मीणा, मीर सिंह उक्त कार्यवाही मे शामिल रहे।

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म

- **पीड़िता ने थाने में मुकदमा दर्ज कराया**

अजमेर, (कासं)। दरगाह थाना क्षेत्र में एक युवती को शादी का झांसा देकर तीन साल तक दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने थाने में युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। दर्ज रिपोर्ट में पीड़िता ने आरोप लगाया कि जब शादी के लिए युवक पर दबाव बनाया तो उसे शादी करने से इंकार कर दिया। पुलिस ने मुकदमा मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दरगाह थाना पुलिस के अनुसार पीडिता ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि 3 साल पूर्व उसकी इंस्टाग्राम पर एक युवक से बातचीत शुरू हुई थी। कुछ समय बाद दोनों के बीच अच्छी दोस्ती हो गई। बाद में आरोपी ने उसके घर भी आने लग गया। पीडिता ने बताया कि आरोपी युवक ने शादी करने का प्रस्ताव रखा था, जिसे उसने स्वीकार कर लिया था। इसका फायदा उठाकर आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया। जब उसने शादी के लिए कहा तो आश्वासन देकर टालता रहा। करीब 3 साल तक उसके साथ आरोपी रेप करता रहा था। इस बीच आरोपी उसे उधार के नाम पर 25 से 30 हजार रुपए भी हड़प चुका है। पीडिता ने आरोप लगाया कि पिछले कुछ माह पहले आरोपी ने उससे बातचीत करना बंद कर दिया। जब उसने शादी के लिए कहा तो वह उसे टालता रहा। बाद में उसे फोन पर शादी करने से मना कर दिया। इसके साथ ही उसके परिवार वालों के द्वारा भी उसे उससे दूर रहने की धमकी दी गई। पीडिता की शिकायत पर दरगाह थाना पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

जालोर नागरिक सहकारी बैंक लि., जालोर

प्रधान कार्यालय : हरिदेव जोशी सर्किल के पास, जालोर-343001

Email: headoffice@jalorebank.com Phone No. 9461440881

क्रमांक/जानासबैंकलि/1042 दिनांक 09.05.2024

बैंक के सदस्यों (शेयर होल्डर्स) का ग्रुप जनता दुर्घटना बीमा करने हेतु निविदा सूचना

जालोर नागरिक सहकारी बैंक लि. के सदस्य (शेयर होल्डर्स) जिनकी अनुमानित संख्या कुल 18357 का ग्रुप जनता दुर्घटना बीमा पॉलीसी दिनांक 21.06.2024 की मध्यरात्रि को ड्यु हो रही हैं एवं नवीनीकरण करवाया जाना हैं। जिसका बीमा रू. 50,000/- प्रति सदस्य (शेयर होल्डर्स) हैं। उक्त पोलिसी Continuity Plan के तहत की जाएगी, जिसमें समय-समय पर नये सदस्यों (शेयर होल्डर्स) को जोडा जा सकेगा। अत: ग्रुप जनता व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा की प्रिमियम दर समस्त कवरेज सहित निविदा दिनांक 27.05.2024 को सायं 4 बजे बैंक प्रधान कार्यालय स्थित मुख्यकार्यकारी अधिकारी के कक्ष में रखे टेण्डर बाक्स में डालना सुनिश्चित करें।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी

पूर्व विधायक विवेक धाकड़ की संदिग्ध मौत मामला : पारिवारिक विवाद अब सड़क तक पहुंचा

बहू के खिलाफ अब ससुर ने मोर्चा खोलते हुए अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ प्रदर्शन किया

पूर्व जिला प्रमुख कन्हैयालाल धाकड़ ने समर्थकों के साथ कलेक्ट्री पर प्रदर्शन किया।

- **कन्हैयालाल धाकड़ का आरोप है कि उनकी बहू ने ही अपने सहयोगियों के साथ षड्यंत्र रचकर उनके बेटे विवेक धाकड़ को जान देने के लिए मजबूर किया है**

भीलवाड़ा, (निसं)। मांडलगढ़ के पूर्व विधायक विवेक धाकड़ की संदिग्ध मौत मामले में आरोप- प्रत्यारोप का दौर लगातार जारी है। पारिवारिक कलेश अब सड़क तक पहुंच चुका है और बहू के खिलाफ अब ससुर ने मोर्चा खोलते हुए अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ कलेक्ट्री पर प्रदर्शन किया। पूर्व जिला प्रमुख कन्हैयालाल धाकड़ ने अपनी पुत्रवधु पद्मिनी व उसके सहयोगियों के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए जिला कलेक्ट्री पर प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा।

धाकड़ का आरोप है कि उनकी बहू ने ही अपने सहयोगियों के साथ षड्यंत्र रचकर उनके बेटे और पूर्व विधायक विवेक धाकड़ को जान देने के लिए मजबूर किया है। धाकड़ के नेतृत्व में मांडलगढ़ विधानसभा क्षेत्र के सैकड़ों लोग कलेक्ट्रेट पहुंचे और धरना प्रदर्शन किया। इस मांग को लेकर पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन भी सौंपा गया। ज्ञापन में आरोप लगाया कि स्व. विवेक धाकड़ की पत्नी पद्मिनी को विवेक की समाज सेवा व राजनीति में सक्रियता कतई पसंद नहीं थी। इस कारण वह हर समय उन्हें प्रताड़ित और परेशान करती रहती थी। इतना ही नहीं हम में से भी जब कभी कोई व्यक्ति विवेक से मिलने उनके भीलवाड़ा निवास पर जाते तब उनके सामने भी सरे आम पद्मिनी विवेक को अपमानित करती थी और उनकी छवि, प्रतिष्ठा को खराब करती रहती थी। विवेक इस सबके बावजूद यह सोच कर अपने समाज सेवा और राजनीति के काम में लगे रहते थे कि समय के साथ सब ठीक हो जायेगा। किन्तु ऐसा हुआ नहीं और समय के साथ-साथ पद्मिनी का व्यवहार विवेक के साथ और अधिक प्रताड़ना और परेशान करने वाला होने लगा। आरोप है कि विवेक अत्यंत मानसिक पीड़ा पहुंचाने और तनाव में लाने के लिये आये दिन झगड़ा करना शुरू कर दिया। दरअसल समाज सेवा और राजनीति से विवेक को दूर रहने के लिये क्रूरता की हद तक जाकर प्रताड़ित करना तो एक माध्यम और बहाना था। ऐसा करने का पद्मिनी का एकमात्र मकसद विवेक और उनके पिता कन्हैया लाल धाकड़ की जायदाद पर कब्जा करना रहा, जो विवेक के जीवित रहते संभव नहीं था।

आरोप लगाया गया है कि पद्मिनी ने विवेक को अपनी जिन्दगी से हटाने के लिए भीलवाड़ा से बाहर रहने वाली अपनी बहिनों व अन्य से घण्टों घण्टों मोबाईल पर बात कर उनके बताये अनुसार विवेक को आत्महत्या के लिये मजबूर करने का षड्यंत्र रचा। पद्मिनी का सोचना था कि विवेक की मौत के बाद उनकी सारी जायदाद और राजनीतिक विरासत उनकी हो जायेगी और ससुर कन्हैया लाल धाकड़ की उम्र अधिक हो जाने से वे अधिक नहीं जियेंगे और वह सब पाने में कामयाब हो जायेगी, जिसके लिये वे लम्बे समय से प्रयास कर रही थी। ज्ञापन में बताया गया है कि ये सभी बातें विवेक कई बार अपने क्षेत्र के दौरे के दौरान अंतरंग बातचीत में बताते रहते थे, लेकिन चुनाव सामने होने के कारण वे कोई राजनीतिक नुकसान न हो जाये, इसलिए शांति के साथ सहन कर रहे थे। अंतत: पत्नी द्वारा दी जा रही निरंतर प्रताड़ना, अपमानजन व्यवहार के कारण विवेक आत्महत्या को मजबूर हो गये।

आम जनता की ओर से दिये गये ज्ञापन में आरोप लगाया कि विवेक धाकड़ को आत्महत्या करने के लिए मजबूर करने की जिम्मेदार उनकी पत्नी है। पद्मिनी, उनकी बहनों, सहयोगियों के कॉल रेकार्ड और वाट्सएप चेट की जांच कराई जाये, ताकि स्थिति साफ हो सके। ज्ञापन में मांग की गई है कि इस मामले में पद्मिनी व उसके सहयोगियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई कर 24 घंटे में उन्हें गिरफ्तार किया जाये। ज्ञापन देने वालों में विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंच, ब्लॉक अध्यक्ष के साथ ही ग्रामीण मौजूद थे।

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, जन स्वा. अभि. विभाग, नगर उ.वि एवं राजस्व खण्ड प्रथम, बीकानेर

क्रमांक: 224-241 दिनांक : 07.05.2024

ई-बोली सूचना संख्या: 1 से 6/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से निम्न हस्ताक्षरकर्ता द्वारा जन स्वा. अभि. विभाग के पंजीकृत / सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु ई-टैण्डरिंग द्वारा बोली आमंत्रित की जाती है। यह बोली website "www.spp.rajasthan.nic.in"पर देखी जा सकती है तथा बोली प्रपत्र "http:/eproc.rajasth.gov.in" से दिनांक 08.05.2024 को सायं 06.00 बजे से दिनांक 23.05.2024 को सायं 06.00 बजे तक डाउनलोड किये जा सकते है तथा ऑनलाईन बिड डालने की अवधि दिनांक 23.05.2024 को सायं 06.00 बजे तक रहेगी, उक्त बोली दिनांक 24.05.2024 को सुबह 11.00 बजे ऑनलाईन खोली जायेगी। Egrass (electronic government receipt accounting system web site https://egras.raj.nic.in) के माध्यम से बोली शुल्क बजट मद 0075-00-800-52-01, धरोहर राशि बजट मद 8443-00-108-00-00 जो कि "23616- Executive Engineer, PHED, PDR City Dn Ist Bikaner" के नाम से एवं ई-टैण्डरिंग प्रक्रिया शुल्क बजट मद 8658-00-102-16-02 जो कि Managing Director, RISL Payable at Jaipur, के नाम से एक ही चालान से जमा करवाना आवश्यक होगा। कुल 6 कार्य है जिसकी कुल लागत 181.71 लाख रूपये है जिनमें एक कार्य की अधिकतम लागत रूपये 32.41 लाख है।

PHE2425WSOB00285, PHE2425WSOB00284, PHE2425WSOB00283, PHE2425WSOB00281 PHE2425WSOB00282, PHE2425WSOB00280

(नरेश कुमार रेगर)
अधिशाषी अभियंता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग,
उ. वि एवं राजस्व खण्ड प्रथम, बीकानेर

DIPR/C/3526/2024

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, जन स्वा. अभि. विभाग, खण्ड कोलायत

क्रमांक-86-95 दिनांक-06.05.2024

ई-बोली सूचना संख्या :- 1 से 11/2023-24

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से निम्न हस्ताक्षरकर्ता द्वारा जन स्वा. अभि. विभाग के पंजीकृत / सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु ई-टैण्डरिंग द्वारा बोली आमंत्रित की जाती है। यह बोली website "www.sppp.rajasthan.nic.in" पर देखी जा सकती है तथा बोली प्रपत्र "http:/eproc.rajasthan.gov.in" से दिनांक 06.05.2024 को सायं 06.00 बजे से दिनांक 15.05.2024 को सायं 06.00 बजे तक डाउनलोड किये जा सकते है तथा ऑनलाईन बिड डालने की अवधि दिनांक 16.05.2024 को सायं 06.00 बजे तक रहेगी, उक्त बोली दिनांक 16.05.2024 को सुबह 11.00 बजे ऑनलाईन खोली जायेगी।
Egrass (electronic government receipt accounting system web site https://egras.raj.nic.in) के माध्यम से बोली शुल्क बजट मद 0075-00-800-52-01, धरोहर राशि बजट मद 8443-00-108-00-00 जो कि "41485 - Executive Engineer, PHED, Division Kolayat" के नाम से एवं ई-टैण्डरिंग प्रक्रिया शुल्क बजट मद 8658-00-102-16-02 जो कि Managing Director, RISL Payable at Jaipur के नाम से एक ही चालान से जमा करवाना आवश्यक होगा। कुल 11 कार्य है जिसकी कुल लागत 329.86 लाख रूपये है जिनमें एक कार्य की अधिकतम लागत रूपये 36.01 लाख है।

PHE2425WSOB00249, PHE2425WSOB00250, PHE2425WSOB00251, PHE2425WSOB00252, PHE2425WSOB00253, PHE2425WSOB00254 PHE2425WSOB00255, PHE2425WSOB00256, PHE2425WSOB00257, PHE2425WSOB00258, PHE2425WSOB00259

(धमेन्द्र कुमावत)
अधिशाषी अभियंता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग,
खण्ड कोलायत

DIPR/C/3512/2024

चिकित्सा विभाग की 250 टीमों ने प्रदेशभर में करीब 500 अस्पतालों का निरीक्षण किया

अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने चाकसू उपजिला अस्पताल में जांची व्यवस्थाएं

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से गुरूवार को प्रदेशभर में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए व्यापक निरीक्षण एवं जागरूकता अभियान संचालित किया गया। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह के निर्देशन में संचालित इस अभियान के तहत चिकित्सा विभाग के अधिकारियों की लगभग 250 टीमों ने प्रदेशभर में एक साथ करीब 500 चिकित्सा संस्थानों एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण किया।

अभियान के तहत चिकित्सा संस्थान के भवन की स्थिति, साफ-सफाई, प्रसूति नियोजन दिवस, गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को लेकर चिकित्सा संस्थान की उपलब्धि आदि को देखा गया। इन सभी बिन्दुओं के आधार पर तैयार रिपोर्ट के अनुसार सुविधाओं को और बेहतर बनाने की कार्ययोजना तैयार की जाएगी। निरीक्षण के दौरान चिकित्सा संस्थानों की मौसमी बीमारियों एवं लू व तापघात से निपटने की तैयारियों का अवलोकन किया गया।

अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने जयपुर जिले के चाकसू स्थित उपजिला अस्पताल का निरीक्षण किया। उनके साथ निदेशक आरसीएच डॉ. सुनीत सिंह राणावत भी मौजूद थे। सिंह ने यहां ओपीडी एवं आईपीडी में उपलब्ध करायी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं का अवलोकन किया। उन्होंने लेबर रूम, जनरल वार्ड, पोस्ट ऑपरेटिव वार्ड, आपातकालीन इकाई, ट्रोमा सेन्टर, पीडियाट्रिक सेमी आईसीयू सहित अस्पताल के सभी कक्षों का दौरा कर स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति देखी। उन्होंने शौचालयों में साफ-सफाई की स्थिति भी देखी और निर्देश दिए कि साफ-सफाई व्यवस्था को और बेहतर करने के लिए क्यूआर कोड सिस्टम लागू किया जाए।

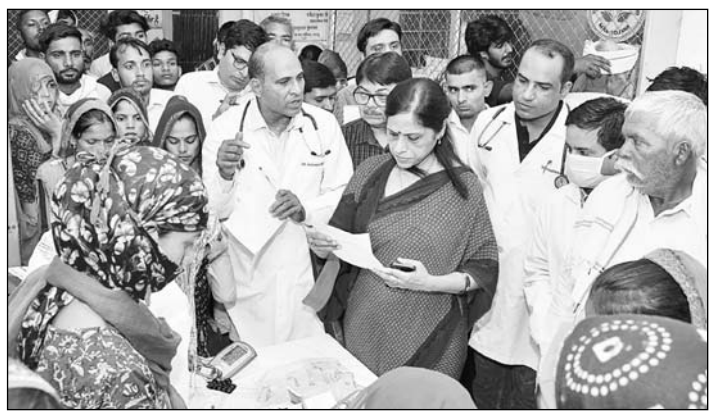

चिकित्सा विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने गुरूवार को चाकसू उप जिला अस्पताल पहुंचकर डॉक्टर्स और मरीजों से बातचीत कर उपचार व अन्य व्यवस्थाओं को जायजा लिया।

जल्द शुरू होगा ब्लड बैंक

सिंह ने उपस्थिति रजिस्टर एवं ड्यूटी रोस्टर रजिस्टर को भी चैक किया। उन्होंने आवश्यक कार्यवाही पूर्ण कर अस्पताल के ब्लड बैंक को एक माह में शुरू करने के निर्देश दिए। साथ ही निर्देश दिए कि अस्पताल में आवश्यक प्रकृति के कार्यों एवं सेवाओं के लिए आरएमआरएस फंड का सदुपयोग सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने इसकी नियमित बैठक भी आयोजित किए जाने पर जोर दिया। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने लू-तापघात एवं गर्मी जनित बीमारियों बचाव एवं उपचार के लिए अस्पताल में की गयी तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने हीट स्ट्रोक से पीड़ित रोगियों के उपचार के लिए तैयार किए गये मॉडल वार्ड को देखा और गर्मी जनित बीमारियों के उपचार के लिए किए गए प्रबंधन की सराहना की।

मरीजों से लिया फीडबैक

सिंह ने निरीक्षण के दौरान पोस्ट ऑपरेटिव वार्ड में भर्ती पूजा सैनी, संजना यादव एवं चंदा बैरवा से बात की। उन्होंने तीनों से अस्पताल में उपलब्ध करवायी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता के बारे में पूछा। साथ ही टीकाकरण एवं प्रसवपूर्व होने वाली जांचों के बारे में भी जानकारी ली। महिला रोगियों ने बताया कि अस्पताल में उन्हें सभी स्वास्थ्य सेवाएं निःशुल्क और सुगमता से उपलब्ध हो रही हैं। उन्होंने अन्य रोगियों से भी बातचीत कर स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध में फीडबैक लिया।

- इस विशेष अभियान में एसीएस से लेकर ब्लॉक स्तर तक के अधिकारियों ने किया निरीक्षण

सेवाओं की पहुंच और गुणवत्ता पर फोकस

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने इस दौरान मीडिया से बातचीत में कहा कि अब फैसिलिटी स्तर से आगे बढ़कर सेवाओं की पहुंच और उनकी गुणवत्ता पर विशेष ध्यान केन्द्रित किया जा रहा है। जो स्वास्थ्य कार्यकर्ता जमीनी स्तर पर कार्य कर रहा है। प्रबंधकीय टीम उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। उन्होंने कहा कि निरीक्षण के दौरान पाई जाने वाली कमियों को दूर कर सभी आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे। जिला और ब्लॉक स्तर पर कार्यरत अधिकारी मॉनिटरिंग और सुपरविजन को बेहतर बनाएं। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा चयनित 27 आशान्वित ब्लॉक में 39 सूचकांक निर्धारित किए गए हैं। इन 39 सूचकांकों में 7 सूचकांक स्वास्थ्य से संबंधित है। नियमित निरीक्षण और पर्यवेक्षण के माध्यम से इन सूचकांकों में और सुधार किया जा रहा है।

मिशन निदेशक ने गोविंदपुरा व जाहोता में जायजा लिया

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन निदेशक डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने जयपुर के आंगनबाड़ी केन्द्र गोविन्दपुरा एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिर जाहोता का निरीक्षण किया। साथ ही सुरक्षित मातृत्व दिवस अभियान के तहत मातृ स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लेने आई गर्भवती एवं धात्री महिलाओं से फीडबैक भी लिया। अतिरिक्त मिशन निदेशक एनएचएम श्री अरूण कुमार गर्ग ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रेनवाल मांजी का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश माथुर ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र वाटिका का निरीक्षण किया।

राज्य स्तरीय टीम ने 27 जिलों में किया निरीक्षण

अभियान के तहत राज्य स्तरीय टीमों द्वारा 27 जिलों के आशान्वित ब्लॉक बांसवाड़ा के छोटा डूंगरा, बारां के किशनगंज, बाड़मेर के रामसर, भरतपुर के भुसावर, बीकानेर के कोलायत, बूंदी के कापरेन, चित्तौड़गढ़ के निम्बाहेड़ा, चुरू के राजगढ़, दौसा के रामगढ़-पचवारा, धौलपुर के बसेड़ी, डूंगरपुर के जोथारी एवं गंगारपुर सिटी में निरीक्षण किया गया। हनुमानगढ़ के संगरिया, जैसलमेर के फतेहगढ़, जालौर के आहोर, झालावाड़ के खानपुर, जोधपुर ग्रामीण के शेरगढ़, करौली के मासलपुर, कोटपूतली के शाहजहांपुर, नागौर के जायल, पाली, प्रतापगढ़ के पीपलखूंट, राजसमंद के भीम, शाहपुरा के कोटड़ी, सिरोही के आबूरोड़, टोंक के पीपलू एवं उदयपुर के खेरवाड़ा में निरीक्षण किया गया। शेष जिलों में भी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के स्तर पर गठित टीम निरीक्षण कर रिपोर्ट राज्य स्तर पर भिजवाई जाएगी।

महाराव शेखाजी के निर्वाण दिवस पर समारोह आज

जयपुर । महाराव शेखा संस्थान के सचिव सम्पत सिंह धमोरा ने बताया कि शेखावाटी के संस्थापक, इतिहास पुरूष, नारी सम्मान के रक्षार्थ प्राणोत्सर्ग कर स्वर्गारोहण करने वाले, धार्मिक सहिष्णुता के प्रतीक महाराव शेखाजी का 536वाँ निर्वाण दिवस समारोह अक्षय तृतीया 10 मई को प्रातः 8 से 9.15 बजे तक श्री भवानी निकेतन महाविद्यालय , पंजवन रॉय हॉल, सीकर रोड, जयपुर पर मनाया जायेगा।

समारोह में जयपुर शहर के कई नागरिक शेखावाटी के संस्थापक महाराव शेखाजी को श्रद्धासुमन अर्पित करने हेतु उपस्थित होंगे। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि शेखावाटी के भूभाग पर घाटवा के युद्ध में महाराव शेखाजी ने अपने दो सपुतों दुर्गाजी एवं पूरणजी के साथ नारी के सम्मान को कायम रखने के लिए अपने निकटत्तम संबंधियों से युद्ध कर बलिदान दिया तथा शेखाजी विश्व के इतिहास में धार्मिक सहिष्णुता के अनुकरणीय उदाहरण है। जिस वंश परम्परा को शेखावाटी के सपूतों ने न केवल आगे बढ़ाया बल्कि आज भी शेखावाटी को गर्व है कि भारतीय सेना में शेखावाटी के नौजवानों का जो प्रतिनिधित्व है, उसको देश भुला नहीं सकता। युद्ध कौशल के धनी देश और धर्म के लिए मर मिटने वाले भारतीय सेना के सर्वोच्च सम्मान परम वीर चक्र विजेता हवलदार पीरू सिंह शेखावत तथा महावीर चक्र, वीर चक्र, शौर्य चक्र और सेना मैडल प्राप्त करने वाले योद्धाओं की बहुत लम्बी सूची शेखावाटी को गौरवान्वित करती है।

भारतीय सेना में राजस्थान का प्रतिनिधित्व कमिश्नड ऑफीसर के रूप में बढ़ाने के लिए महाराव शेखाजी की निर्वाण स्थली रलावता जिला सीकर पर महाराव शेखाजी सशस्त्र बल प्रशिक्षण अकादमी का निर्माण कार्य लगभग पूर्ण होने की ओर है, जहाँ पर भारतीय सेना में ऑफीसर रैंक में प्रवेश के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया जाना है, जो प्रदेश के लिए सौभाग्य का विषय है।

सार-समाचार

नेत्र जांच शिविरों का आयोजन

जयपुर । जयपुर के एनजीओ रेज-आशा की एक किरण ने हाल ही में विज़न फॉर टुमॉरो बैनर के अंतर्गत नेत्र जांच शिविरों की एक श्रृंखला आयोजित की। युवा पीढ़ी विशेषकर स्कूली बच्चों की आंखों के स्वास्थ्य की देखभाल करने और उनके उज्जवल भविष्य का मार्ग प्रशस्त करने के एक प्रयास के रूप में यह पहल रेज द्वारा चंद प्रकाश संतोष मेहरा पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट और रघुदीप आई हॉस्पिटल के सहयोग से शुरू की गई। इस पहल के तहत पहला शिविर जयपुर के खातीपुरा में शहीद मेजर दिग्विजय सिंह सुमल राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में आयोजित किया गया, जहां कुल 495 छात्रों की स्क्रीनिंग की गई, जिसमें से 151 जरूरतमंदों बच्चों को चश्मे वितरित किए गए। वहीं, दूसरा शिविर पांचावाला में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में लगाया गया, जहां 346 छात्रों की आंखों की जांच की गई, जिनमें से 94 जरूरतमंद बच्चों को चश्मे वितरित किए गए। रेज एनजीओ के फाउंडर, कैप्टन गुरिंदर विर्क ने कहा कि "आंखों की रोशनी एक अनमोल उपहार है, और यह सुनिश्चित करना हमारा कर्तव्य है कि प्रत्येक बच्चा इस दुनिया की खूबसूरती को अपनी आंखों से अनुभव कर सके। विज़न फ़ॉर टुमॉरो पहल के माध्यम से, हमारा उद्देश्य जरूरतमंद बच्चों को केवल चश्मे वितरित करना नहीं है, बल्कि बच्चों के लिए नई संभावनाओं और अवसरों को तलाशना भी है। हमारा मानना है कि स्पष्ट दृष्टि के साथ, सपने भी स्पष्ट आते हैं और हम हर कदम पर उन सपनों को पूरा करने में सहयोग देने के लिए तैयार हैं।

कैरियर काउंसलिंग सत्र का आयोजन

जयपुर । आर्मी पब्लिक स्कूल के कक्षा 9 से 12 तक के छात्रों के लिए आर्मी वाइव्स वेलफेयर एसोसिएशन, सप्त शक्ति कमांड के सहयोग से जयपुर मिलिट्री स्टेशन के सप्त शक्ति ऑडिटोरियम में करियर काउंसलिंग सत्र का आयोजन किया गया। प्रथम सत्र का संचालन प्रणव विरमानी, प्रशिक्षण प्रबंधक, ओबेरॉय ग्रुप ऑफ होटल्स और नूपुर पारीक, मानव संसाधन विभाग प्रबंधक ट्राइडेंट होटल, जयपुर द्वारा किया गया। उन्होंने व्यवस्थित प्रशिक्षण और शिक्षा कार्यक्रम (एसटीईपी) के बारे में जानकारी दी, जो एक प्रसिद्ध प्रशिक्षण पहल है, जो व्यक्तियों को विशेष रूप से होटल संचालन और अतिथि सेवाओं के क्षेत्रों में कुशल आतिथ्य पेशेवरों में विकसित करने के लिए डिज़ाइन की गई है। प्रतिभागियों को ओबेरॉय और ट्राइडेंट होटलों में व्यावहारिक प्रशिक्षण मिलता है, वे वास्तविक दुनिया के परिदृश्यों से परिचित होते हैं और अनुभवी पेशेवरों के साथ काम करते हैं। यह एपीएस जयपुर के छात्रों के लिए रोजगार कार्यक्रम का दूसरा संस्करण है। इसके पहले संस्करण में एपीएस जयपुर से दो छात्रों को शैक्षिणक वर्ष 2023-24 के लिए नामांकित किया गया था। दूसरा सत्र अर्चना शर्मा और उनकी टीम द्वारा मास मीडिया और पत्रकारिता आयोजित किया गया। आवा सप्त शक्ति कमांड की शिक्षा अध्यक्ष गीतांजलि बहल सम्मानित अतिथि थीं। इस अवसर पर उन्होंने कहा, "ओबेराय ग्रुप द्वारा एसटीईपी कार्यक्रम और सक्षम संचार फाउंडेशन द्वारा मीडिया शिक्षा छात्रों को कई क्षेत्रों में अपना वांछित करियर चुनने और अपने भविष्य को आकार देने के लिए कौशल विकसित करने में मदद करेगी"। इस काउंसलिंग सत्र में आर्मी पब्लिक स्कूल के लगभग 400 उत्साही छात्रों ने भाग लिया, यह सत्र अत्यधिक जानकारीपूर्ण और इंटरैक्टिव था।

कॉमरेड अतुल कुमार को श्रद्धांजलि

जयपुर । भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी के राष्ट्रीय सचिव व अखिल भरतीय किसान सभा के राष्ट्रीय महासचिव अतुल कुमार अनजान के निधन पर उनकी स्मृति में कुमारनन्द हाल में श्रद्धांजलि सभा आयोजित हुई। सीपीआई राज्य सचिव नरेंद्र आचार्य ने शोक प्रस्ताव रखा जिसमें कहा गया कि साथी अतुल अंजान देश के वामपंथी,जनवादी आंदोलन के प्रमुख हस्ती थे। वे एक कुशल वक्ता के साथ किसान आंदोलन के जाने पहचाने चेहरा थे उनके निधन से पार्टी व किसान आंदोलन को अपूर्णीय क्षित हुई है। कॉमरेड अतुल अनजान लोकतंत्र, संविधान व साम्प्रदायिक सौहार्द्र के पक्षधर थे। राजस्थान किसान सभा के कार्यकारी अध्यक्ष सूरज भान सिंह ने कहा कि कॉमरेड अनजान युवाओं, छात्रों में काफी लोकप्रिय थे। वे स्वामीनाथन आयोग के एक मात्र किसान प्रतिनिधि थे जिन्होंने एम. एस. पी. सी, सी 2 प्लस 50 को कानूनी जामा की शिफारिश की। इस मांग को लेकर ही देश का किसान सड़कों पर लामबन्द है।

कार लूटने वाले चार बदमाश पकड़े

जयपुर । सांगानेर सदर थाना पुलिस ने आंखों में मिर्च डालकर चालक से कार, मोबाइल व नकदी लूटने के मामले में एक बाल अपचारी सहित चार को पकड़ा है। पुलिस ने बदमाशों से लूटी गई कार भी बरामद कर ली है। डीसीपी साउथ दिगंत आनंद ने बताया कि इस मामले में 19 वर्षीय अभय राठोड़ उर्फ गड्डू निवासी गुरू गोविन्द विहार चोखी ढाणी के पीछे टोंक रोड, 19 वर्षीय राजवीर उर्फ अन्नू निवासी गोठडा कोटा और 20 वर्षीय राजकुमार शर्मा निवासी भीतरवाडी, पठान पाडा, जोगियो का मोहल्ला भरतपुर को गिरफ्तार किया है। इस मामले में एक नाबालिग को भी निरुद्ध किया गया है। गौरतलब है कि शिव कॉलोनी सोडाला निवासी दिलराज ने 4 मई को मामला दर्ज करवाया कि वह अपनी टैक्सी कार लेकर जयपुर जक्शन पर खडा था। तभी तीन युवक आए और कार लेकर वाटिका चलने को कहा। वाटिका गांव के नजदीक पहुंचते ही बदमाशों ने उसकी आंखों में मिर्च डाल दी और कार, दो मोबाइल और 17 हजार रु. छीन ले गए।

जयपुर बम ब्लास्ट मामले में 3 गवाहों की दुबारा मुख्य परीक्षा की मंजूरी दी

विशेष अदालत ने राज्य सरकार को 5 हजार रुपए के हर्जाने की शर्त पर यह मंजूरी दी है

जयपुर, (का.सं.)। जयपुर बम धमाकों की विशेष अदालत ने वर्ष 2008 में हुए सिलसिलेवार बम धमाकों के दौरान जिंदा मिले बम के मामले में राज्य सरकार को तीन गवाहों की मुख्य परीक्षा की मंजूरी 5 हजार रुपए हर्जाने की शर्त पर दी है। कोर्ट ने यह आदेश राज्य सरकार के प्रार्थना पत्रों पर दिए। कोर्ट ने जिन गवाहों की मुख्य परीक्षा की मंजूरी दी है उनमें दिल्ली की स्पेशल सेल के तत्कालीन एसीपी संजीव कुमार यादव, मौजूदा एसीपी राहुल कुमार सिंह व इंस्पेक्टर रविन्द्र सिंह त्यागी शामिल हैं।

राज्य सरकार ने प्रार्थना पत्रों में कहा कि ये गवाह इस मामले से जुड़े पूरक आरोप पत्र के साक्षी हैं और उनसे संबंधित दस्तावेजों को प्रदर्श करवाना है। ऐसे में उन्हें मुख्य परीक्षा के लिए बुलवाए जाने की मंजूरी दी जाए। इसके विरोध में आरोपियों के अधिवक्ता मिनहाजुल हक ने कहा कि राज्य सरकार ने इस केस में दस साल बाद चालान पेश किया है। वहीं आरोपियों के न्यायिक हिरासत में होते हुए भी इतने सालों में भी ना तो उनसे पूछताछ की गई और ना ही गिरफ्तार किया गया था। राज्य सरकार ने जिन गवाहों से मुख्य परीक्षा कर ली है, अब दुबारा इसकी जरूरत नहीं है और इससे केस की ट्रायल में देरी होगी। इसलिए राज्य सरकार के प्रार्थना पत्र को खारिज किया जाए। कोर्ट ने दोनों पक्षों की बहस सुनकर राज्य सरकार को 5 हजार रुपए हर्जाने की शर्त पर तीनों गवाहों की मुख्य परीक्षा करवाने की मंजूरी दी है।

बेकरी व्यवसाय फर्म का निरीक्षण कर नमूने लिए

जयपुर । खाद्य सुरक्षा आयुक्त व्र मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर द्वितीय के निर्देशन में गुरुवार को अधिकारियों के दल ने क्षेत्र में बेकरी खाद्य व्यवसाय फर्म पर निरीक्षण एवं खाद्य नमूनीकरण की कार्रवाई की गई।

सीएमएचओ जयपुर द्वितीय हंसराज भदालिया ने बताया कि गुरुवार को साईनाथ बेकर्स गोनेर रोड जयपुर से बर्गर और टोस्ट का नमूना लिया गया और न्यू जनता बेकरी, माली की कोठी आगरा रोड से टोस्ट, सोया तेल और मैदा का नमूना लिया। दोनों फर्म में बेतहाशा गंदगी पाई जाने और अनेक मानकों की अवहेलना पाए जाने पर इंप्रूवमेंट नोटिस दिए जाने की प्रक्रिया शुरू की गई है। लिए गए नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भिजवाया गया है। जांच रिपोर्ट आने के पश्चात अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। अतिरिक्त कमिश्नर पंकज ओझा ने बताया कि झोटवाड़ा इंडस्ट्रियल एरिया स्थित राधे बेकर्स की फैक्ट्री पर छापा मारकर इसे सीज कियया। यहां बड़ी मात्रा में बेकरी में उपयोग होने वाले फूड कलर के डब्बे मिले, जिन पर मैन्युफेक्चरिंग और एक्सपायरी डेट नहीं थी। फैक्ट्री में बने केक में मक्खियां और कीडे मिले। टीम ने 15 किलोग्राम केक को नष्ट करवाया। पेस्ट्री और पेटीज बनाने में उपयोग आने वाली लोहे की ट्रे भी काफी गंदी थी, ऐसा लगा मानों इन्हें कई सालों से साफ नहीं किया। फैक्ट्री में जगह-जगह चूहे घूमते दिखाई दिए।

अवैध संबंधों में बाधा बने पति को मौत के घाट उतारा

पत्नी और उसके प्रेमी ने तकिए से मुंह दबाकर पति की जान ली

जयपुर । करधनी इलाके में सीवर टैंक में मिले युवक के शव के मामले में पुलिस ने मृतक की पत्नी और उसके प्रेमी को अरेस्ट किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि महिला ने अवैध संबंधों में बाधा बनने पर अपने प्रेमी के साथ मिलकर रात को सोते समय तकिए से मुंह दबाकर उसे मौत के घाट उतार दिया। इसके बाद दोनों ने मिलकर शव को सीवर टैंक में डाल दिया।

पुलिस ने बताया कि मूलत: पीलीभीत यूपी निवासी जान मोहम्मद का शव घर के नजदीक सीवरेज टैंक में शव मिला था। मृतक करीब एक सप्ताह से लापता बताया जा रहा था। जान मोहम्मद को उसकी पत्नी और महिला के प्रेमी ने मिलकर रात को सोते समय तकिए से गला घोट कर मार दिया और फिर उसके शव को सीवरेज टैंक में डाल दिया। बुधवार को बदबू आने पर स्थानीय लोगों ने जानकारी दी तो उसमें जान मोहम्मद का शव मिला था। महिला का प्रेमी मृतक के गांव का ही रहने वाला है इस कारण वह लम्बे समय से यहीं पर रहा था। महिला और उसके प्रेमी के बीच करीब तीन साल से अवैध संबंध थे। जब इसकी जानकारी जान मोहम्मद को लगी तो उसने इसका विरोध किया और महिला के प्रेमी को घर से निकाल दिया। इस पर महिला और उसके प्रेमी ने मिलकर उसे जान से मारने की योजना बनाई। जान मोहम्मद के सोते ही दोनों ने मिलकर तकिए से मुंह दबाकर उसकी हत्या कर दी। शक के आधार पर जब महिला से कड़ाई से पूछताछ की गई तो उसने सारी कहानी बता दी। इस आधार पर महिला और उसके प्रेमी को अरेस्ट कर लिया गया है। मृतक जयपुर के किराए से रहकर मजदूरी करता था। पुलिस ने बताया कि इस मामले में मृतक की पत्नी 32 वर्षीय शाहजहां खातून और उसके प्रेमी 25 वर्षीय धर्मेंद्र पासवान को गिरफ्तार किया गया है। महिला के दो बच्चे है।

- दोनों ने शव को ठिकाने लगाने के लिए सीवर टैंक में फेंक दिया
- पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया

15 लाख की लूट का षड्यंत्र रचने वाले 3 गिरफ्तार

जयपुर । अशोक नगर थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम जयपुर दक्षिण (डीएसटी) कार्रवाई करते हुए 24 अप्रैल को थाना इलाके के युधिष्ठिर मार्ग स्थित ट्रेडिंग कार्यालय में घुसकर दो बदमाशों द्वारा हथियारों के दम पर पन्द्रह लाख रुपए लूट के मामले में खुलासा करते हुए लूट की वारदात करने वाले तीन षडयंत्रकारियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस जानकारी में सामने आया है कि वारदात के समय मौजूद महिला कर्मचारी ने अपने दो साथियो के साथ लूट की वारदात का षड्यंत्र रचा था। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से लूट करने वाले आरोपी,हथियार सहित लूट की राशि के संबंध में पूछताछ करने में जुटी है। पुलिस उपायुक्त जयपुर (दक्षिण) दिगंत आनंद ने बताया कि 24 अप्रैल को थाना इलाके के युधिष्ठिर मार्ग स्थित ट्रेडिंग कार्यालय में घुसकर दो बदमाशों द्वारा हथियारों के दम पर पन्द्रह लाख रुपए लूट के मामले में अशोक नगर थाना पुलिस और डीएसटी दक्षिण ने कार्रवाई करते हुए साथ लूट की वारदात का षड्यंत्र रचने वाली महिला कर्मचारी शिप्रा गुप्ता (36) निवासी मुरलीपुरा जयपुर सहित उसके साथी मुकेश गुप्ता (25) निवासी मुरलीपुरा जयपुर और मनजीत सिंह राठौड (25) निवासी डीडवाना जिला जिला कुचामन-डीडवाना हाल हरमाड़ा जयपुर को गिरफ्तार किया है। वहीं लूट की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी जेबीआर ग्रुप के भरत सिंह और उसके साथी की तलाश की जा रही है।

वेंकटेश्वर मंदिर की संपत्ति पर विवाद

जयपुर। सिटी पैलेस के नजदीक स्थित वेंकटेश्वर मंदिर की संपत्ति को लेकर विवाद सामने आया है। मंदिर के महंत ने सिटी पैलेस स्टाफ के ऊपर मंदिर की जमीन पर कब्जा करने और परिवार को बंधकर बनाकर मारपीट करने का आरोप लगाया है। हालांकि सिटी पैलेस ने महंत के दावे को गलत बताया है। पूरे विवाद का एक वीडियो भी सामने आया है।

मंदिर के महंत वेणु गोपाल ने आरोप लगाया कि पहले सिटी पैलेस के गार्ड्स ने उनके परिवार को बंधक बना लिया। वहां माणक चौक थाने के पुलिसकर्मी भी मौजूद थे। महंत ने कहा कि संपत्ति पर विवाद है और मामला कोर्ट में है। सिटी पैलेस के प्रशासक प्रमोद यादव का कहना है कि यह हमारी संपत्ति थी, कोर्ट ने इसे लेकर हमारे पक्ष में फैसला दिया है। महंत वेणु गोपाल ने बताया कि हम सालों से अपने परिवार के साथ इस मंदिर में पूजा अर्चना कर रहे हैं। मंदिर में राजपरिवार का कोई दखल नहीं है। इस मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे में पूरी घटना भी रिकॉर्ड हुई है। मंदिर में बड़ी संख्या में लोग घुसते हुए दिख रहे हैं। ये लोग यहां कुछ तोड़फोड़ करते हुए बैरिकेडिंग भी करते हैं। मंदिर के बाहर के हिस्से पर जबरन बैरिकेडिंग भी की गई है। मंदिर परिवार ने पुलिस कंट्रोल रूम को कई बार इसकी सूचना दी, लेकिन पुलिस पहले से ही मौके पर मौजूद थी। पुलिस ने कोई एक्शन नहीं लिया। पुलिस दबाव में आकर मंदिर परिसर में कब्जा करवा रही है।

2200 करोड़ रु. की लागत से जयपुर में 2 नए एलिवेटेड रोड, 4 फ्लाई ओवर और 3 ओवर ब्रिज बनाने की तैयारी!

जे.डी.ए. प्रशासन ने जयपुर के विकास और ट्रेफिक दबाव कम करने के लिए तैयार किया नया प्लान

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजधानी जयपुर में 2200 करोड़ की लागत से 2 नए एलिवेटेड रोड, चार फ्लाई ओवर, तीन रेलवे ओवर ब्रिज बनाने के साथ ही सड़कों को चौड़ा करने और नए गार्डन विकसित करने का खाका तैयार कर लिया है। जयपुर विकास प्राधिकरण ने शहर में बढ़ते यातायात दबाव को कम करने के लिए यह प्लान तैयार किया है। इन तमाम प्रोजेक्ट्स की अनुमानित लागत 2200 करोड़ रुपए से भी ज्यादा है। ऐसे में इन प्रोजेक्ट्स पर जेडीए अधिकारियों द्वारा लोकसभा चुनाव की आचार संहिता हटने के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा के साथ-साथ स्थानीय मंत्री-विधायकों से चर्चा के बाद शुरू किया जाएगा।

दरअसल, फिलहाल प्रदेश में लोकसभा चुनाव की वजह से आचार संहिता लागू है। इसकी वजह से सरकार इस वक्त ना तो नया प्रोजेक्ट्स शुरू कर सकती है। ना ही किसी नए प्रोजेक्ट की घोषणा कर सकती है। ऐसे में उम्मीद जताई जा रही है कि लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद सरकार नए प्रोजेक्ट्स की शुरुआत कर सकती है। माना जा रहा है कि उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी इसी साल पूर्ण बजट भी पेश कर सकती है। ऐसे में जयपुर विकास प्राधिकरण के अधिकतर प्रोजेक्ट की घोषणा बजट में संभव है।

- बताया जा रहा है कि लोकसभा चुनाव की आचार संहिता हटने के बाद इन प्रोजेक्ट्स पर मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री व यू.डी.एच. मंत्री के साथ चर्चा होगी
- करीब 1100 करोड़ रुपए की लागत से अंबेडकर सर्किल से ओ.टी.एस. चौराहा होते हुए जवाहर सर्किल तक 9 कि.मी. की एलिवेटेड रोड प्रस्तावित
- 400 करोड़ रुपए की लागत से कलेक्ट्रेट से राजमहल चौराहे तक तथा 170 करोड़ रुपए की लागत से सांगानेर फ्लाई ओवर से चौरड़िया पेट्रोल पंप तक एलिवेटेड रोड का निर्माण प्रस्तावित है

सूत्रों की मानें तो करीब 1100 करोड़ रुपए की लागत से अंबेडकर सर्किल से ओ.टी.एस. चौराहा होते हुए जवाहर सर्किल तक एलिवेटेड रोड प्रस्तावित है। इस 9 किलोमीटर लंबी एलिवेटेड रोड के निर्माण से इस रूट पर लगने वाले जाम और ट्रैफिक लाइट्स से आम जनता को राहत मिल सकती है।

इसी तरह 400 करोड़ रुपए की लागत से कलेक्ट्रेट से राजमहल चौराहे तक एलिवेटेड रोड प्रस्तावित की गई है। इस 3.6 किलोमीटर लंबी प्रस्तावित एलिवेटेड रोड के निर्माण के बाद इस रूट में आये दिन के ट्रैफिक जाम और ट्रैफिक लाइट्स से आमजन को निजात मिल सकेगी।

इसी तरह 170 करोड़ रुपए की लागत से सांगानेर फ्लाई ओवर से चौरड़िया पेट्रोल पंप तक एलिवेटेड रोड का निर्माण प्रस्तावित है। करीब 98 करोड़ रुपए की लागत से पृथ्वीराज नगर दक्षिण क्षेत्र में वंदेमातरम मार्ग पर पत्रकार कॉलोनी जंक्शन पर फ्लाई ओवर का निर्माण प्रस्तावित है। इसी तरह 95 करोड़ रुपए की लागत से जगतपुरा सीबीआई पर रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण प्रस्तावित है। करीब 90 करोड़ रुपए की लागत से अजमेर रोड पर महिंद्रा सेज के पास 250 फीट और 200 फीट सड़क पर फ्लाई ओवर का निर्माण प्रस्तावित है।

करीब 86 करोड़ रुपए की लागत से आगरा रोड पर खो नागोरियान से 7 नंबर बस स्टैंड महल रोड जाने के लिए रेलवे फाटक पर सालिगमरामपुरा फाटक पर रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण प्रस्तावित है। लगभग 72 करोड़ रुपए की लागत से गोपालपुरा बाइपास पर रिद्धि - सिद्धि तिराहे पर फ्लाई ओवर का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। इसी तरह 65 करोड़ रुपए की लागत से इमली वाला फाटक पर रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण प्रस्तावित है।

जयपुर विकास प्राधिकरण की ओर से 3 करोड़ रुपए की लागत से टोंक रोड और फागी रोड के बीच 30 किमी. लंबाई में सड़क निर्माण की फिजिबिलिटी स्टडी करवाई जाएगी। इसके साथ ही 25 करोड़ रुपए की लागत से मौजूदा वित्तीय वर्ष में 50 किलोमीटर की लंबाई में सेक्टर सड़कों का निर्माण प्रस्तावित है।

करीब 55 करोड़ रुपए की लागत से गड़ियावास जमवारामगढ़ में 30 हेक्टेयर भूमि पर ग्रीन बेल्ट विकसित करना प्रस्तावित है। जबकि 40 करोड़ रुपए की लागत से नेवटा बांध के आस-पास के क्षेत्र में 30 हेक्टेयर भूमि पर जैव विविधता पार्क विकसित करना प्रस्तावित है। करीब 15 करोड़ रुपए की लागत से लोहामंडी योजना में साढ़े 4 हेक्टेयर भूमि पर ऑक्सीजन पार्क विकसित किया जाना भी प्रस्तावित है।

ARBiT
it happens here...

Mother Ocean Day

Though marine biologists are unsure just how many kinds of creatures reside in our planet's five oceans, it is estimated that about one-quarter of all of the Earth's species do. Not to mention how very important the oceans are to our civilization, for thousands of years, braving their waters has been one of the bravest feats a human being could accomplish, one that often led to amazing discoveries and the general increase of our knowledge of the planet we inhabit. For all of these reasons and many, many more, *Mother Ocean Day* is a long-overdue celebration of our oceans in all of their majesty and peril.

राष्ट्रदूत
FRIDAY
10 May 2024
A-B

#RESEARCH

Can an organ transplant really change someone's personality?

The donor organ could change the recipient's mood and personality through the substances it releases

Changes in personality following a heart transplant have been noted pretty much ever since transplants began.

In one case, a person who hated classical music, developed a passion for the genre after receiving a musician's heart. The recipient, later, died holding a violin case. In another case, a 45-year-old man remarked how, since receiving the heart of a 17-year-old boy, he loves to put on headphones and listen to loud music, something that he had never done before the transplant.

A recent study suggests that heart transplant recipients may not be unique in experiencing personality changes. These changes can occur following the transplantation of any organ.

What might explain this? One suggestion could be that this is a *placebo effect*, where the overwhelming joy of receiving a new lease on life gives the person a sunnier disposition. Other transplant recipients suffer from guilt and bouts of depression and other psychological issues, that might also be seen as personality changes.

However, there is some evidence to suggest that these personality changes aren't all psychological. Biology may play a role, too.

The cells of the transplanted organ will perform their expected function, heart cells will beat, kidney cells will filter and liver cells will metabolise, but they also play a role elsewhere in the body. Many organs and their cells release hormones or signalling molecules that have an effect locally and elsewhere in the body.

The heart seems to be most commonly associated with personality changes. The chambers release peptide hormones, including 'atrial natriuretic peptide' and 'brain natriuretic peptide,' which help regulate the balance of fluid in the body by affecting the kidneys.

They also play a role in electrolyte balance and inhibiting the activity of the

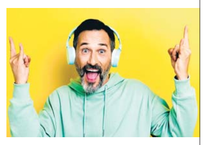

part of our nervous system responsible for the fight-or-flight response. The cells in charge of this are in the hypothalamus, a part of the brain that plays a role in everything from homeostasis (balancing biological systems) to mood.

So the donor organ, which may have a different base level of hormones and peptide production from the original organ, could change the recipient's mood and personality through the substances it releases. It has been shown that natriuretic peptide levels are higher following transplantation, and never return to normal. Although, some of the elevation is probably a response to the trauma of surgery, it may not account for everything.

Memories stored outside the brain

The body stores memories in the brain. We access them when thinking or they can be triggered by sight or smell. But memories are basically neurochemical processes, where nerves convey impulses to each other and exchange specialised chemicals (neurotransmitters) at the interface between them.

While in transplant surgery, many of the nerves that govern the function of the organ are cut and are not able to be reattached, this doesn't mean that the nerves within the organ do not still function. In fact, there is evidence that they may be partially restored, a year after surgery.

These neurochemical actions and interactions could feed into the nervous system of the recipient, enacting a physiological response that then affects the recipient's personality according to memories from the donor.

Another one of my joys, while living in Mango Range, was the time I got to spend with Mr. Siasp Kothawala and his wife Zarine, at their lovely guesthouse in Masanigudi called *Bamboo Banks*. Masanigudi is in the foothills of the Nilgiris, at the edge of the Mudumalai-Bandipur National Park, so, there is a lot of wildlife around. You see a lot of *Chital*, some *Gaur*, and some *elephant*, the latter being dangerous as they are too close to human habitation and often in conflict with people. Mudumalai is also supposed to be a tiger reserve though, I have never seen a tiger in it.

PART:2

All Play And No Work!!!!

Mirza Yawar Baig
Naturalist and wildlife conservationist

One of the things that I was very appreciative of and thankful for was the leisure that I had in Mango Range. I had no specific work except what I decided to do for myself. And I was still getting my salary. I decided to learn to play *golf*. I got a caddy from *Ooty Gymkhana Club* (Ooty Gym) to come and stay with me in the estate for three weeks. His name was Frank Augustine (I used to call him Frankenstein) and he looked like a dried prawn. But when he swung the club, he always hit the ball with that sweet 'phut' that all golfers love to hear. And the ball would travel straight like a bullet down the freeway. Shows that it's technique and not strength of the arm that works in golf. Also, in many other things in life. My club, on the other hand, would come up with a good measure of earth and top the ball to boot. Frankenstein believed in hard work, meaning, making my hard work.

He set up a practice net, produced a set of a hundred used golf balls, and we were good to go. I would hit the ball into the net until I felt my arms would drop off. All the while, Frankenstein would sit on his haunches under the *Champa* tree, that was to one side and watch me and make 'clucking' noises. The effect of all this clucking and my swinging at the ball became clear when one day, about midway in our training, Frankenstein suggested that we should go and play a round at the club. So, off we went on the three-hour drive to Ooty. After a cup of tea and a sandwich, I teed off and that is where all the practice paid off.

Ooty Gym has very narrow freeways, bordered by spiky gorse. If you didn't hit your ball straight, you would send it into the gorse and then, you may as well forget about it because if you want your ball back, you must pay by leaving your blood and skin on the gorse and acquiring gorse thorn furrows in your hide. As Frankenstein continued his mother-hen act, I could see the distinct improvement in my style and capability.

Another one of my joys, while living in Mango Range, was the time I got to spend with Mr. Siasp Kothawala and his wife Zarine, at their lovely guesthouse in Masanigudi called *Bamboo Banks*. Masanigudi is in the foothills of the Nilgiris, at the edge of the Mudumalai-Bandipur National Park, so, there is a lot of wildlife around. You see a lot of *Chital*, some *Gaur*, and some *elephant*, the latter being dangerous as they are too close to human habitation and often in conflict with people. Mudumalai is also supposed to be a tiger reserve though, I have never seen a tiger in it.

The gate of Bamboo Banks was an ingenious contraption. It was a pole, suspended horizontally across the road and had a plastic water container on one end. There was a sign for you to tug on a rope, if you wanted to open the gate. The rope was connected to an overhead tank, so, when you tugged it, water would flow into the plastic can on the pivoted side of the pole, which then went down and lifted the other end. All this happened while you were comfortably sitting in your car. The water would then drain out of a hole in the can and flow into an irrigation ditch and into some fruit trees, closing the gate.

Siasp was a tea planter and had worked for the Bombay Burma Tea Company (BBTC). He then went into the tourism business and did very well. We would spend lovely afternoons talking about the tea industry and the general state of the world and drinking tea. Siasp always had an angle to everything, which he would put across in a hilarious and entertaining way.

Siasp also had horses on his farm and having had tea, I would take one of the horses and go riding in the buffer zone of Mudumalai National Park. This had its exciting moments and I recall two of the best. One day, late in the afternoon, I was riding out of the farm and into the dry fields that surrounded it, before the track entered the bamboo thickets that bordered Mudumalai, when I saw a *Peregrine falcon*, hovering in the sky ahead of me. I pulled up to watch it and saw a *dove* break out of cover from a hedge and head for the safety of the forest, flying very fast. The falcon folded his wings and stooped coming down like an arrow out of the heavens. The dove had almost made it to the forest cover, when the falcon hit it in middle of its back with a slap that I could hear, where I was sitting on my horse. The dove must have died with the impact, but the falcon bore it to the ground, and then holding it in its claws, looked up right and left, its pale yellow eyes scanning the world to challenge any takers. What a magnificent sight that was! The image is engraved in my memory.

As I rode on, I took a path that went along the middle of a forest glade, which had scattered clumps of bamboo. After a kilometer or two, the path passed between two very thick and large clumps of bamboo and dipped into a dry stream bed and went up the other bank. I used to like to gallop this stretch and my horse knew the routine. Strangely, on that day, as we came near the bamboo clumps, my *horse* shied and stopped and refused to go forward. This was odd behavior, but I have enough experience to know that in the forest, your animal is your eyes and ears and you only ignore its signals at your own peril. I listened to the horse and turned around and then took a long and circuitous route to go around whatever it was that was bothering my horse. As we came around, I saw what was bothering him. It was a lone *male elephant*, which was hiding behind the clump of bamboo.

Now, I have no idea what the elephant's intention was, but I was not taking any chances. My horse obviously didn't like the idea of passing close to the elephant and if we had continued on that track, we would have encountered that elephant, where the path was the narrowest and where it was bordered and hedged in by the bamboo. In case of an attack, we would not have had any chance to escape. Lone elephants are famous for such attacks. A rather terminal situation, which we were happy to have avoided.

On one of those trips to Bamboo Banks, I saw an elephant by the roadside, a little way inside the forest. As this was quite close to the Forest Department's housing and elephant camp, I thought that it was a tame elephant and decided to take a picture. I had a small box camera at the time in which you were the telephoto, if you wanted greater magnification, you had to go closer to the object. So, I got out of the car and walked almost to the side of the elephant and took a photo. Suddenly, I heard someone yelling at me, his voice high-pitched in panic. I looked up and there was a forest guard, a good two-hundred meters away, waving frantically at me and yelling at me to get back into the car. Since it is not an offence to get out of your car on the main road in Mudumalai, I was irritated at this man's insistence but since I already had my picture, I returned to the car. As we drove on and came up to him, the man waved us to a stop and still in an angry voice, asked me in Tamil, "What do you think you are doing? If you want to die, go do it somewhere else."

I said to him, "Hey man! Relax. What is all this about dying? I was only taking a picture of one of your elephants. Who said I want to die?"

The man said, "Our elephants? That was a lone wild tusker, that you were standing next to. I have no idea why he let you get that close or why he did nothing. Your lucky day! That is a 'wild elephant' and a lone one at that. Don't do these stupid things!" And he went on for a while in the same vein. I was so shocked that I listened in silence. And of course, how can you get angry with someone who is only interested in preserving your life? But I still have the picture, which is very impressive.

Final story here involving my good friend, Siasp. Siasp had a very good friend in Mysore, who was the Commandant of Police, in-charge of the Karnataka Armed Reserve Police Mounted Company, called SG Mariba Shetty.

Mariba Shetty was known for his high standards and a visit to the stables of the Armed Reserve Police Mounted Company was a delight to say the least. I love the smell of freshly groomed horses and fresh hay. Yes, there is the smell of horse dung also but it is a pleasant smell. I spent a lot of my youth grooming horses, because that is how we were taught riding at the AP Riding Club in Hyderabad, by our ex-cavalry *Ustaads*, Abdul Hameed Khan and Sayeed Khan. Our training was rigorous.

You started one hour before it was time to ride, by mucking out the stable and grooming your horse. Then, you saddled up and you were ready to go. All this was unwritten. Nobody forced you. If you didn't want to do that and wanted to ride a horse like you ride a motorcycle, by just getting on and getting off and handing it to a syce, you could do that. But then, you were given the worst nag in the stable. If you wanted to ride the *Thoroughbreds* or the *Kathiawari* and *Marwari* horses, then, the unwritten rule was that you showed your readiness by starting with mucking out the stables. Great character building, if you ask me. To return to Siasp's story with Mariba Shetty, let me tell you how Siasp told me. "You remember Maiba Shetty? The Mysore Mounted Police Commandant?"

"Yes, I do. What happened to him?"

"I heard that there was a riot during a Dussehra procession, and he tried to stop it but was pulled off by his horse and killed. I was very sad to hear this. You know he was a great friend of mine. So, I wrote a long letter to his wife, telling her what a wonderful man he was and how much I appreciated our friendship."

A couple of weeks passed. Then, I get a call from Mariba Shetty. He says to me, "Mr. Khotawala, I called to tell you that I am well and that report about my death was wrong. Thank you very much for your letter. I didn't know you thought so highly of me."

Big lesson in telling people that we appreciate them while they are alive, instead of writing moving obituaries, after they are dead. In this case, the man got to read his obituary but in most cases, it is a waste of effort.

Concluded.

rajeshsharma1049@gmail.com

#GROWING

Tea Plantation Agriculture in India.

On one of those trips to Bamboo Banks, I saw an elephant by the roadside, a little way inside the forest. As this was quite close to the Forest Department's housing and elephant camp, I thought that it was a tame elephant and decided to take a picture. I had a small box camera at the time in which you were the telephoto.

Tea Planters in Kerala.

Munnar Tea Mountain Plantation in Kerala.

Mango Range Tea gardens.

Tea garden in Assam.

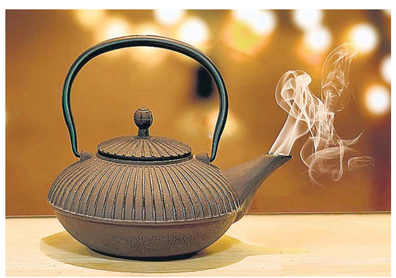

Hot tea after a long day golfing.

#BOTANY

Buried Seeds Viable For 144 Years

The team always thought that a hybrid was somehow mixed in with the original seeds, but never had the tools to confirm it, until now.

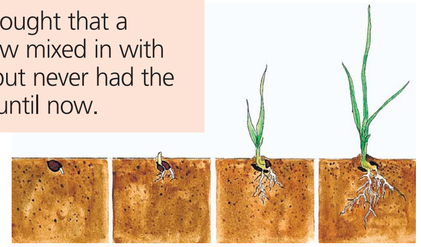

How long can seeds remain viable? New findings hold an answer, but the mystery continues. In April 2021, four plant scientists met at an undisclosed area of the Michigan State University campus to dig up a bottle containing 'seeds' buried more than 144 years ago by botanist William J. Beal.

Fast forward to 2023, more than two years after the seeds were excavated from their secret location, molecular genetic testing has confirmed that a 'hybrid' plant was accidentally included among the seeds in the bottle, a discovery that would have surprised and amazed Beal because DNA was unknown at the time.

During his time on campus, Beal wanted to help farmers increase crop production by eliminating weeds from their farms, so, he was determined to find out how long the seeds of these undesirable plants could remain viable in soil.

He filled 20 glass pint bottles with sand and 50 seeds from 23 weed species. Beal buried the bottles with their mouths slanting downwards so that water wouldn't collect, replicating as best he could the natural seed and soil conditions. And so began the *Beal Seed Experiment*.

Beal originally excavated every five years to test the seeds, which grew each time they were excavated. However, in 1920, it was decided to change the interval to 10 years to prolong the study. Then, in 1980, the interval was extended to 20 years. With four bottles still buried, the experiment will continue until 2100.

In 2021, the current team of Beal researchers excavated the 14th bottle of seeds buried on campus to see if they could finally answer the question, How long can seeds remain viable to grow?

"The biggest surprise to me is that the seeds germinated again," says Frank Telewski, professor emeritus, Plant Biologist, and Beal team leader. "It's amazing that something so old can still grow."

Since April 2021, the Beal experiment team members, including Telewski, Lars Brudvig, assistant professor of Plant Biology, and David Lowry, associate professor of Plant Biology, have been sequencing genomic DNA to confirm the plant species' identities for the first time in the history of the experiment. The Beal team's work appears in the *American Journal of Botany*.

The team always thought that a hybrid was somehow mixed in with the original seeds, but never had the tools to confirm it, until now.

"The molecular genetics work confirmed the phenotypes we saw, which is that the plants were *Verbascum blattaria*, or moth mullein, and one hybrid of Verbascum blattaria and *Verbascum thapsus*, or common mullein," Fleming says. Beal stated that he included only Verbascum thapsus seeds, so, some mix-up must have happened while the bottles were being prepared.

"While most species in the Beal experiment lost all seed viability in the first 60 years, the persistence of Verbascum seeds provides invaluable information about seed viability in natural soil conditions," Brudvig says.

"In the 140-plus years since the experiment's start, the question of *seed bank longevity* has gained new relevance, including for rare species conservation and ecosystem restoration, for example, prairie plantings on former farmland," Brudvig says. "Our findings help to inform which plant species, like Verbascum, might be problematic weeds for a restoration project like this, and which other species may not, depending on how long a field was farmed before being restored."

Beal hoped to help farmers eliminate weeds by determining how long seeds would remain viable. After 144 years, that question remains unanswered.

"The Beal experiment will ultimately end when we run out of bottles," Lowry says. "If seeds germinate again from our next dig, we may need to consider extending the time between bottle extractions to every 30 years. It's still a little early to put it on my calendar, but I am looking forward to seeing, if we can wake up any more seeds in 2040."

THE WALL

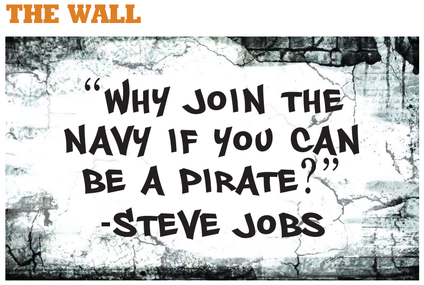

BABY BLUES By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS By Jerry Scott & Jim Borgman

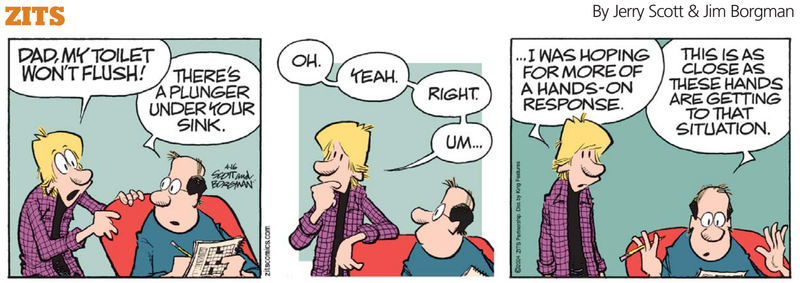

स्लीपर बस पलटने से महिलाओं सहित 32 यात्री घायल

नौ घायलों को अजमेर रेफर किया, अहमदाबाद से कानपुर जा रही थी बस

मदनगंज-किशनगढ़, (निसं)। बांदरसिंदरी थाना अंतर्गत जयपुर हाइवे मार्ग पर अहमदाबाद से कानपुर जा रही श्रीनाथ ट्रेवल्स कंपनी की वीडियोकोच बस के अनियंत्रित होकर पलटी खाने से करीब 32 यात्री घायल हो गये। सभी घायलों को स्थानीय यज्ञनारायण अस्पताल में भर्ती कराया, किंतु नौ यात्रियों को चिंताजनक स्थिति के बीच जेएलएन हॉस्पिटल अजमेर रेफर कर दिया। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि काफी मशक्कत के बाद घायलों को बस से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया।

थाना प्रभारी पारुल यादव ने बताया कि रात करीब पौने बारह बजे बांदरसिंदरी पुलिया के पास सवारियों से भरी स्लीपर बस बेकाबू होकर पलट गई। घटना के समय यात्री गहरी नींद में थे, धमाके की आवाज के साथ अंधेरा होने के कारण यात्री कुछ समझ पाते, इससे पहले ही चीख पुकार मच गई। यात्री एक दूसरे पर गिर पड़े। पुलिस कंट्रोल रूम से इत्तला मिलने पर थाना प्रभारी पारुल यादव, मदनगंज थाना इंचार्ज घनश्याम सिंह जवानों के साथ मौके पर पहुंचे। गंभीर रूप से घायल पांच यात्रियों को एम्बुलेंस से सबसे पहले अस्पताल भेजा, बाद चोटग्रस्त

हादसे में घायल हुये लोगों को अस्पताल में भर्ती कर उपचार किया।

- घटना के समय यात्री गहरी नींद में थे, धमाके की आवाज के साथ चीख पुकार मच गई

अन्य यात्रियों को अस्पताल पहुंचाया। घायलों में अहमदाबाद निवासी सुथार मोहन (24) पुत्र वीरेंद्र भाई, रायबरेली यूपी निवासी रामबहादुर (40) पुत्र शिव मोहन, भिंड एमपी निवासी रश्मि (30) पत्नी सोनू, यूपी निवासी बलराम (60) पुत्र लालू, भिंड एमपी निवासी प्रदीप कुमार (24) पुत्र सुरेश, इटावा यूपी निवासी कल्पना (22) पत्नी आकाश, मुरैना एमपी निवासी लक्ष्मण (30) पुत्र रामसहाय, भिंड एमपी निवासी वर्षा (15) पुत्र सुरेश, महू एमपी निवासी शिवम विश्वकर्मा (21) पुत्र बालकिशन, इटावा यूपी निवासी अवनीश राजावत (24) पुत्र मंगलसिंह, भिंड एमपी निवासी अनिता (24) पत्नी सूरज, इनकी 3 साल की बेटी हिमांशी और 6 माह की बेटी, बांदा यूपी निवासी रमेश सिंह (35) पुत्र शिवपूजन सिंह, जालौन यूपी निवासी जयकंवर (60) पत्नी रामस्वरूप, रायबरेली यूपी निवासी शशि (35) पत्नी रामबहादुर, रायबरेली यूपी निवासी शिवा सिंह (21) पुत्र हरिनारायण, ओरेया यूपी निवासी रोहित पुत्र मुख्तियार, फिरोजाबाद निवासी रिंकू (24) पुत्र अवधेश यादव, नरोडा अहमदाबाद निवासी रेनू (39) पुत्र शिवाधार, मिर्जापुर यूपी निवासी मुस्कान (18) पत्नी शिराज, कानपुर निवासी सुरेंद्र सिंह (23) पुत्र सूरजपाल नायक, फहतपुर यूपी निवासी शिवकिशोर (25) पुत्र शिवराम रेदास, औरैया यूपी निवासी हरी बाबू (23) पुत्र चरण सिंह राजपूत, रायबरेली यूपी निवासी देवीशंकर (18) पुत्र राम रावत, महाराज गंज यूपी निवासी मोहम्मद अख्तर (21), जालौन यूपी निवासी देवेंद्र (36) पुत्र रामस्वरूप शामिल है। पुलिस नें मामला पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी है।

पिता ने चाकू से वार कर पुत्र की हत्या की

पत्नी को किया घायल, खुदकुशी का प्रयास किया

कोटा, (निसं)। कोटा में रिश्तों के कत्ल का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक पिता ने अपने बेटे और पत्नी पर चाकू से वार कर दिया जिसमें बेटे की मौत हो गई है। पत्नी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है जबकि आरोपी ने खुद भी खुदकुशी की कोशिश की। ऐसे में वो भी गंभीर रूप से जख्मी है। घटना की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को एमबीएस अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बोरखेड़ा थाने की सब इंस्पेक्टर ज्योति ने बताया कि घटना गुरुवार दोपहर करीब एक बजे की है। यह घटना नया नोहरा ग्राम में हुई है। जिसमें जसवंत नाम के व्यक्ति ने अपनी 35 वर्षीय पत्नी मूर्ति और 10 वर्षीय बेटे लविश पर चाकू से हमला कर दिया। इसके बाद दोनों को आनन-फानन में अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने लविश को मृत घोषित कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है। इसके बाद पुलिस ने जख्मी महिला के पीहर पक्ष के लोगों को घटना की सूचना दी और उन्हें अस्पताल बुलाया है। पुलिस ने एमबीएस अस्पताल में ही महिला का बयान दर्ज किया। पत्नी और बेटे पर हमला करने वाले आरोपी जसवंत ने बाद में खुदकुशी करने की कोशिश की। ऐसे में आरोपी जसवंत का पुलिस कस्टडी में फिलहाल इलाज चल रहा है। इधर अस्पताल में उपचाररत मूर्ति ने बताया कि उसका पति अक्सर उससे लड़ाई झगड़ा करता था। आरोपी नशे का आदी है और वो कई तरह का नशा करता है। उसने बताया कि उनके पास कुछ जमीन है जिससे कुछ पैसे अर्जित होते हैं और उसी से परिवार का भरण पोषण होता है। जखमी महिला ने बताया कि आरोपी कोई काम धंधा भी नहीं करता है। गुरुवार को जब वो घर पर खाना बना रही थी तब उसने उसके ऊपर चाकू से हमला कर दिया। ऐसे में बीच बचाव के लिए आए बेटे पर भी आरोपी ने हमला कर दिया। उसके बाद दोनों किसी तरह से जान बचाकर घर के बाहर आए। उसके बाद पड़ोसियों की मदद से उन्हें एमबीएस अस्पताल लाया गया जहां उसके बेटे की मौत हो गई।

फिलहाल पुलिस अधिकारी घटनास्थल का मुआयना कर रहे हैं। साथ ही मौके पर एफएसएल टीम को बुलाकर साक्ष्य एकत्रित किए जा रहे हैं। जसवंत ने एक सप्ताह पहले भी घर पर लड़ाई झगड़ा किया था। ऐसे में उसकी शिकायत पुलिस को मिली थी। इस पर पुलिस घर पर पहुंची थी। साथ ही उनकी उसकी पत्नी मूर्ति की शिकायत पर जसवंत को शांतिभंग की धाराओं में गिरफ्तार किया गया था। इसके अलावा उसे पाबंद किया गया था। जसवंत के साले महेंद्र ने बताया कि आरोपी उसकी बहन के साथ अक्सर मारपीट किया करता था और वो शराब का आदी है।

बेटे ने पिता को मारा, पुत्र के साथ आत्महत्या की

पाली, (नि.सं.)। पाली जिले के जैतपुर थाना अंतर्गत कुलथाना गांव में एक युवक ने अपने पिता की गला घोट कर निर्मम हत्या कर दी। इसके बाद अपने पुत्र के साथ पानी में कूद कर आत्महत्या की। पिता की हत्या के बाद आरोपी प्रकाश पटेल ने अपने 4 वर्षीय मासूम बेटे को लेकर तालाब में कूदकर आत्महत्या की। 3 दिन पहले ही प्रकाश का अपनी पत्नी से तलाक हुआ था। तलाक के कारण वह अपने पिता से खफा बताया जाता था। इसलिए उनकी हत्या कर दी। प्रकाश व मासूम की भी तालाब के गहरे पानी में डूबने से मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर जैतपुर थाना पुलिस मौक पर पहुंची। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से देर रात तालाब से पिता-पुत्र के शव बाहर निकलवाए। जैतपुर थाना पुलिस ने तीनों शव पाली की बांगड अस्पताल की मोर्चरी में रखवाए।

36 लाख के अवैध मादक पदार्थ के पौधे जब्त, एक गिरफ्तार

निवाई, (निसं)। बरौनी पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ के खिलाफ कार्रवाई करते हुए लाखों रुपए के अवैध मादक पदार्थ के पौधे जब्त किए हैं। थाना अधिकारी ओमप्रकाश ने बताया कि पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर गांव जामडोली से नदी की ओर जाने वाले कच्चे रास्ते के पास खेत की जांच की। जांच के दौरान पुलिस को खेत में स्थित कुएं के पास गांजे के पौधे दिखाई दिए।

पौधों की ऊंचाई करीब 2 से 5 फीट के करीब बताई जा रही है। पुलिस ने खेत के मालिक से लाइसेंस के बारे में पूछा तो खेत के मालिक के पास गांजे की खेती करने के संबंध में कोई दस्तावेज नहीं पाए गए। इस पर पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ के पौधे खेत से उखाड़ पौधों का वजन किया गया तो

गिरफ्तार आरोपी।

पौधों का कुल वजन 70 किलो 800 ग्राम होना पाया गया। जिसकी बाजार में कीमत 36 लाख रुपए के करीब बताई जा रही है। पुलिस ने मौके से खेत के मालिक आरोपी आत्माराम मीणा पुत्र सोराज मीणा निवासी जामडोली थाना बरौनी को अवैध गांजा के पौधों की खेती करने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

खाना बनाते समय भभका गैस सिलेंडर, बाल-बाल बचा परिवार

अजमेर, (कासं)। शहर के दो थाना क्षेत्रों में आग लगने की घटना गुरुवार सुबह घटित हुई। कोतवाली थाना क्षेत्र के सुभानी गली में परिवार के सदस्य द्वारा खाना बनाते समय गैस सिलेंडर भभकने से आग लग गई, जिससे परिवार के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंचे एएसआई ने आग बुझाने का प्रयास किया जिसमें उनका एक हाथ जल गया। इसी प्रकार क्रिश्चियनगंज थाना क्षेत्र के वैशाली नगर स्थित अजमेर जिला पत्रकार संघ के ऑफिस की बिल्डिंग के प्रथम मंजिल पर बने कमरे में लगे एसी में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। आग से कमरे का सारा फर्नीचर जल गया। सूचना पर पहुंची दमगल की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। दोनों ही मामलो में थाना पुलिस जांच में जुटी है।

कोतवाली थाना प्रभारी वीरेंद्र सिंह ने बताया नला बाजार सुभानी गली में सुशील कंदोई का पुश्तैनी मकान है, जिसे उन्होंने अपना घर किराए पर दे रखा था। किराएदार जगदीश प्रसाद का परिवार निवास करता है। गुरुवार सुबह परिवार सदस्य खाना बना रहा था। इस दौरान गैस सिलेंडर ने आग पकड़ ली। आग लगते हुए परिवार के सदस्यों में हड़कंप मच गया और सभी लोग घर से बाहर निकल आए। सूचना पर कोतवाली थाना पुलिस और अग्निशमन विभाग की दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची। मौके पर पहुंचे एएसआई भगवान सिंह ने समय रहते गैस सिलेंडर को रसोई से बाहर निकाला और आग बुझाने का प्रयास किया, जिसमें आग को बुझाते

घायल एसआई।

- मौके पर पहुंचे एसआई का आग बुझाते समय हाथ जला, अस्पताल ले जाया गया

समय एसआई भगवान सिंह का एक हाथ जल गया। जिन्हें उपचार के लिए जेएलएन अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी। आग लगने की सूचना अग्निशमन विभाग को दी गई थी। अतिक्रमण और संकरी गलियों के कारण करीब एक घंटे बाद फायर बिग्रेड की गाड़ियां मौके पर पहुंची, लेकिन तब आग बुझा दी गई थी। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

एसी में शॉर्ट सर्किट से लगी जिला पत्रकार संघ कार्यालय के गेस्ट रूम में आग:-दूसरी आग की घटना शहर के क्रिश्चियनगंज थाना क्षेत्र के वैशाली नगर अबरन हार्ट के सामने स्थित अजमेर जिला पत्रकार संघ कार्यालय में गुरुवार सुबह साढ़े 11 बजे ऐसी में हुए शॉर्ट सर्किट से गेस्ट रूम में आग लग गई। कमरे में हुए शॉर्ट सर्किट का पता चलते ही पत्रकार संघ के सचिव मधुसुदन चौहान ने दमकल व संबंधित थाना पुलिस को सूचना दी, जहां मौके पर पहुंची दमकल के कर्मचारियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। संयुक्त सचिव मधुसुदन चौहान ने बताया कि गेस्ट रूम में लगे एसी में हुए शॉर्ट सर्किट से आग लगी थी और जब तक दमकल मौके पर पहुंची तब तक रूम में रखा बैड, टेबल सहित अन्य सामान जलकर स्वाह हो गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

बंधक बनाकर व्यापारी के पुत्र से मारपीट

पिस्तौल कनपटी पर लगाकर धमकाया, मामला दर्ज

मकराना, (निसं)। रुपए के लेन देन को लेकर मार्बल व्यापारी के पुत्र के साथ मारपीट का मामला कोर्ट के आदेश पर दर्ज हुआ है।

इस संबंध में अरबाज पुत्र असलम गौड़ निवासी गली नम्बर 3 गरीब नवाज कॉलोनी मुर्गी फार्म के पास ने आरोपी आसिफ पुत्र संजय गैसावत निवासी देशवाली की ढाणी मकराना, अरफान पुत्र रसीद टांक निवासी हरीजन बस्ती पलाडा रोड मकराना, मकसूद राणा पुत्र मुख्तियार गैसाबत निवासी ईमाम चौक गौडावास मकराना व 3-4 अन्य जनों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है।

प्रार्थी ने इस्तगासे में बताया कि उसके पिता ने आसीफ को दो मंदिर बनाने का ठेका 23 सितंबर 2022 को 32 लाख 51 हजार रुपए में दिया था। मंदिरों के काम के पेटे करीब करीब रुपए आसीफ को उसके पिता द्वारा दिये गये थे। जबकि मंदिर का सम्पूर्ण काम आरोपित द्वारा नहीं किया। 4 अप्रैल 2024 को प्रार्थी व उसका भाई मध्यप्रदेश में काम कर सांय दस बजे मकराना आ गये। उस दिन रोजा होने से रात्रि में इबादत कर घर दो बजे आ रहा था। इस दौरान आरोपी एक राय व घातक हथियारों से लेस होकर दो मोटरसाइकिलों पर आये व प्रार्थी को रोक लिया।

आरोपियों ने लातों-घूसों से मारपीट की। साथ ही प्रार्थी को एक कमरे में बंद कर दिया। इसके अलावा आसिफ ने उसके कनपटी पर पिस्तौल रखकर खाली कागजात पर हस्ताक्षर करवाने का दबाव बनाया। उसने ने मना किया तो आरोपितों ने मारीपट की। आरोपितों ने दो खाली कागजों पर हस्ताक्षर करवा लिये व बाद में आसिफ व अरफान ने बाइक पर बिठाकर उसके घर के सामने पटक दिया। प्रार्थी के भाई फरदीन ने उसके शरीर पर चोटें देखी तो उसने पूछा तो सारी बात बताई। इस पर उसके भाई ने पिता को बताया। पुलिस ने कोर्ट के आदेशों पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हादसे में सात जने घायल

अजमेर, (कासं)। अजमेर में गुरुवार को मांगलियावास थाना क्षेत्र में ट्रेलर और कैंपर की भिड़ंत हुई, जिसमें सात लोग घायल हो गये। जिनमें से दो की गंभीर हालत बताई जा रही है। मांगलियावास थाना प्रभारी सुनील ताड़ा ने जानकारी देते हुए बताया कि थाना क्षेत्र के बिछियावास में गुरुवार अलसुबह कैंपर गाड़ी ट्रेलर से टकरा गई, जिसमें सात लोग घायल हो गए। सूचना पर मौके पर पहुंच पुलिस टीम ने स्थानयी लोगों की मदद से सभी घायलों को जेएलएन अस्पताल में भिजवाया। इनमें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है।

नाबालिग का अपहरण कर गैंगरेप

अजमेर, (कासं)। क्रिश्चियनगंज थाना क्षेत्र में रहने वली 14 वर्षीय नाबालिग का अपहरण कर गैंगरेप का मामला सामने आया है। पीड़िता की मां ने थाने में दो आरोपियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। दर्ज शिकायत में बताया कि नौकरी का झांसा देकर दो आरोपी पीड़िता को स्कूटी पर अपने घर ले गए और उसके साथ गैंगरेप किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

क्रिश्चियन गंज थाना पुलिस के अनुसार पीड़ित महिला ने थाने पर उपस्थित होकर शिकायत दी है। महिला ने शिकायत में बताया कि उसके पुत्री चौपाटी पर बैठी थी। जहां 2 युवक आए और उसे नौकरी का झांसा देकर अपने साथ गाड़ी पर अपहरण कर ले गए। पीड़ित महिला ने बताया कि बाद में दोनों आरोपियों के द्वारा उसकी बेटी को कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर उसके साथ रेप किया गया। बेटी होश में आने के बाद आरोपियों के चंगुल से निकली और घर पहुंचकर घटना की जानकारी उन्हें दी थी। इसके बाद उन्होंने मामले में एसपी को शिकायत देकर मुकदमा दर्ज करवाया है।

चोरों ने लाखों के माल पर हाथ साफ किया

पाटन, (निसं)। नीमकाथाना पाटन रोड पर गत रात्रि चोर घर में घुसकर लाखों रुपए का माल एवं नकदी लेकर फरार हो गए। जिस वक्त चोर घर में घुसे उस वक्त पर घर में कोई नहीं था जिसके चलते चोरों ने गेट पर एवं अलमारियों पर लगे तालों को तोड़कर नकदी रुपए, सोने चांदी के आभूषण तथा कीमती कपड़े लेकर फरार हो गए। मकान मालिक हजारीलाल शर्मा एवं उसका परिवार गुरुवार सुबह जब घर आए तो पता चला कि सभी कमरों के ताले टूटे पड़े हैं तथा दरवाजे खुले पड़े हैं।

शेरगढ़ विधायक के समर्थन में आई महिलायें

दुर्व्यवहार के खिलाफ महिलाओं ने प्रदर्शन किया, ज्ञापन दिये

जोधपुर, (कासं)। लोकसभा चुनाव के द्वितीय चरण में जोधपुर संसदीय सीट के लिए हुए मतदान के दौरान नाथडाऊ में शेरगढ़ विधायक बाबूसिंह राठौड़ द्वारा किए गए हंगामे का मामला और ज्यादा गर्मा गया है।

बीएसएफ जवान व पीठासीन अधिकारी से हुई बहस के बाद शेरगढ़ विधायक बाबूसिंह राठौड़ के खिलाफ मामला दर्ज हुआ था। अब गांव की महिलाएं शेरगढ़ विधायक बाबूसिंह राठौड़ के समर्थन में सामने आई है। उन्होंने बीएसएफ के उपनिरीक्षक और पीठासीन अधिकारी पर मतदान के दौरान दुर्व्यव्हार का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। इस मांग को लेकर उन्होंने जोधपुर शहर में रैली निकाली और जिला कलेक्टर के माध्यम से राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, गृह मंत्री आदि के नाम से ज्ञापन प्रेषित किए।

नाथडाऊ क्षेत्र की रहने वाली महिलाओं ने मतदान दिवस पर हुए दुर्व्यव्हार के विरोध में केएन कॉलेज राइका बाग ब्रिज से कलेक्ट्रेट तक रैली निकाली। साथ ही कलेक्ट्रेट के बाहर

- बीएसएफ के उपनिरीक्षक और पीठासीन अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग

प्रदर्शन किया। इसके बाद उन्होंने जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बीएसएफ के उपनिरीक्षक विकास और पीठासीन अधिकारी बालूसिंह के खिलाफ अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगाया है।

महिलाओं का कहना है कि पोलिंग के दिन घूंघट उठाकर मुंह दिखाने की बात पर वह मतदान केंद्र से लौट गई थी। वहां तैनात बीएसफ के उपनिरीक्षक व पीठासीन अधिकारी ने अभद्र व्यवहार किया। ज्ञापन में बताया कि मतदान के दिन बूथ के गेट पर महिलाओं की गेट पर भीड़ होने पर कई ग्रामीण भी आ गए। उन्होंने भी बीएसफ के अधिकारी को समझाइश की लेकिन वो नहीं माने। जिससे मतदाताओं ने मतदान करने से मना करते हुए मतदान का बहिष्कार कर दिया।

कोटपूतली में 194 करोड़ की लागत से बन रही सीवरेज लाईन परेशानी का सबब बनी

कोटपूतली, (निसं)। कोटपूतली में बहुप्रतिक्षित सीवरेज लाइन का निर्माण कार्य यहां के लोगों के लिये जहां पहले एक दिवा स्वप्न था। वहीं सीवरेज लाइन का निर्माण कार्य शुरू होने के बाद निर्माता कम्पनी की भारी अनियमितता, गडबड़ी, लापरवाही व निर्माण कार्य में गुणवत्ता की कमी के चलते शहरवासियों के लिये ना केवल भारी परेशानी का सबब बन गया है बल्कि सीवरेज लाइन बिछाने की कछुआ चाल से प्रतिदिन कस्बे में लगने वाले जाम ने यहां कोढ में खाज का काम किया है।

शहर में बिछाए जा रहे सीवरेज के जाल के कारण जगह-जगह हो रही तोड़फोड़ के चलते सड़कों में गड्ढे हो गये हैं। जिन्हें कम्पनी द्वारा महज हल्की मिट्टी डालकर भरने का नाकाम प्रयास किया जा रहा है, जो ना केवल आये दिन राहगीरों एवं दुपहिया व चौपहिया वाहन चालकों के लिए परेशानी हो रही है, अपितु आने वाले दिनों में बारिस के मौसम में कम्पनी की लापरवाही यहां हादसों का बडा कारण बन सकती है। विगत 28 अप्रैल को कस्बे के बानसूर रोड पर जय दुर्गे धर्म कांटा के पास बिछाई गई सीवरेज लाईन के आसपास

कोटपूतली में सीवरेज निर्माण कम्पनी की लापरवाही से सड़क पर कई जगह पर गड्ढे हो गये।

जमीन धंस जाने से गहरा गड्ढा हो गया था। यहाँ पर सीवरेज लाइन बिछाने के बाद गड्ढे को भरने में निर्माण कम्पनी द्वारा लापरवाही बरती गई थी। जिसके चलते जमीन धंस जाने से गहरा गड्ढा हो गया था। आनन-फानन में कम्पनी द्वारा इस गड्ढे को भरा गया। बावजूद इसके भी ना तो यहां जिम्मेदार अधिकारियों के कानों तक जूं रेंगी और ना ही कम्पनी द्वारा गड्ढों को भरने में कोई विशेष तरह के प्रबन्ध किए गए। नतीजन बुधवार दोपहर आई हल्की बारिश ने कम्पनी द्वारा किए जा रहे घटिया निर्माण कार्य की पोल खोलकर रख दी।

गुरूवार को कस्बे के पुलिस थाने, गढ़ कॉलोनी सहित बानसूर रोड पर टापरी मोड़ व मोलाहेडा मार्ग पर भी

- तीन जगहों पर सीवरेज लाइनों में मिट्टी धंसने से हुये गड्ढे
- हल्की बारिश ने निर्माण कार्य में गुणवत्ता की पोल खोली

एक जगह सडक़ में सीवरेज के आसपास जमीन धंस जाने से गहरा गड्ढा हो गया। बानसूर रोड व मोलाहेडा मार्ग पर सर्विस लेन के गड्ढे में दो ट्रैक्टर धंस गये। बताया जा रहा है कि निर्माण कम्पनी द्वारा सीवरेज के पाइप बिछाने के बाद आसपास गड्ढे को भरने के लिये तय मानकों के अनुरूप कार्य नहीं किया गया। लोगों की माने तो मानसून आने से पहले ही यह हालात है तो आने वाले दिनों में हालात क्या होंगे? सीवरेज लाइन के निर्माण में तय मानकों से कम गुणवत्ता की निर्माण सामग्री व सीमेंट पाइपों का इस्तेमाल किया जा रहा है। यही नहीं सीवरेज लाइन को बिछाने के समय भी लापरवाही बरती जाती है। जिसके चलते आये दिन इसके खुले गड्ढों में आमजन व वाहन चालक गिरकर घायल हो रहे है। इतना सब होने के बावजूद भी अभी तक जिम्मेदार अधिकारियों ने कम्पनी द्वारा किए जा रहे घटिया निर्माण का जायजा नहीं लिया है।

गौरतलब है कि गत कांग्रेस कार्यकाल में राज्य सरकार ने कोटपूतली में दो चरणों में सीवरेज लाइन निर्माण कार्य स्वीकृत किया था। जिसके तहत प्रथम चरण में पूराने कोटपूतली कस्बे की ओर लाइन बिछाने हेतु लगभग 194 करोड़ रूपयों की योजना को स्वीकृति देते हुये तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वर्ष 2022 पूरक बजट में सीवरेज लाइन निर्माण की घोषणा की थी। इसके बाद अगस्त 2022 में प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जारी करने के बाद नगर परिषद की ओर से निविदा आमंत्रित कर मैसर्स टैक्नोक्राफ्ट कन्सट्रक्शन कम्पनी प्रा.लि. को 194 करोड़ रूपयों का टेंडर जारी करते हुये वर्कऑर्डर जारी किये गये थे। जिसके बाद निवर्तमान विधायक व तत्कालीन गृह राज्यमंत्री राजेन्द्र सिंह यादव सीवरेज लाईन निर्माण कार्य का उद्घाटन किया गया था।

संक्षिप्त

शंखनाद एवं दीपोत्सव कार्यक्रम आयोजित

श्रीमाधोपुर, (निसं)। भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव एवं श्रीमाधोपुर स्थापना दिवस के तहत बुधवार शाम 8.15 बजे सर्वसमाज की उपस्थिति में मुख्य चौपड में शंखनाद एवं दीपोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्रीमाधोपुर नगर की स्थापना अक्षय तृतीया के दिन 1761 ई. में जयपुर महाराजा माधव सिंह के दीवान खुशालीराम बोहरा द्वारा की गई थी। इस अवसर पर नगर संस्थापक के योगदान को याद किया गया। जितेन्द्र शर्मा एलबीएस ने बताया कि इस कार्यक्रम में श्रीमाधोपुर शहर के सभी मंदिरों के महंत अपनी पारंपरिक वेशभूषा में उपस्थित रहें। साथ ही सर्व समाज के प्रबुद्ध जनों एवं व्यापार मंडल के प्रतिनिधियों ने भी अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ायी। इसी कार्यक्रम के साथ भगवान् परशुराम जन्मोत्सव के त्रिदिवसीय कार्यक्रम का भी आगाज किया गया। भगवान् परशुराम के आदमकद चित्र के समक्ष श्रीमाधोपुर शहर एवं आसपास के गांवों से सर्व समाज के सैकडों महिला पुरुषों ने दीपोत्सव का आयोजन किया। अंत में आरती से कार्यक्रम का विसर्जन किया गया। इस मौके पर बाबूलाल शर्मा, विशाल बोहरा, महेंद्र मोहन पारीक, उमेश चुलेट, अशोक भिंडा, सत्यनारायण शर्मा, ओमप्रकाश पचोरी, श्याम लाल मंगलीहारा, महेश ढ राणीवाला, बुद्धि प्रकाश नारायण काजोशी, विनोद भारद्वाज, जितेंद्र शर्मा, विनोद काछवाल, घनश्याम डोरवाल, मनोज लोकनाथका, सुरेश चोटिया, सीपी व्यास, गजेंद्र शर्मा, मुकेश शर्मा, पवन शर्मा, अजय मिश्रा, अजय नांगलका सहित सर्व समाज के लोग उपस्थित थे।

दो व्याख्याताओं को निलंबित किया

टोंक, (निसं)। लोकसभा आम चुनाव-2024 में लापरवाही एवं उदासीनता बरतने पर जिला निर्वाचन अधिकारी (कलेक्टर) डॉ. सौम्या झा ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय लावा के व्याख्याता विनोद कुमार परिडवाल एवं राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बड़ोली के व्याख्याता पृथ्वी सिंह मीणा को निलंबित किया है। निलंबन अवधि में इनका मुख्यालय कार्यालय मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी टोंक रहेगा। इन दोनों कार्मिकों को विधानसभा क्षेत्र निवाई के लिए पीठासीन अधिकारी नियुक्त किया गया था। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 25 अप्रैल को अंतिम प्रशिक्षण में अपनी उपस्थिति देने के बाद दोनों कार्मिक मतदान प्रक्रिया संपादित कराने के लिए प्रस्थान करने से पूर्व अपने मतदान दल से अलग होकर अन्यत्र प्रस्थान कर गए, जो कि निर्वाचन कार्य में गंभीर लापरवाही एवं उदासीनता है।

मुंशी संघ के चुनाव संपन्न

दूदू, (निसं)। जिला मुख्यालय पर संचालित न्यायालय में कार्यरत मुंशी संघ के चुनाव संरक्षक बाबूलाल लखेरा की देखरेख में संपन्न कराए गए। सर्वसम्मति से अध्यक्ष पूरण प्रकाश सैनी सचिव अब्दुल हमीद उपाध्यक्ष मुकेश पालीवाल कोषाध्यक्ष साधारण शर्मा सदस्य इमरान खान रंगरेज बालूराम स्वामी रामकुमार राजू जाट मुकेश दाधीच शंकर बुनकर हेमराज बेरवा को चुना गया निर्वाचित प्रतिनिधियों का माला पहनकर स्वागत किया गया।

दो ऑक्सीजन प्लांट क्रियाशील

कोटपूतली, (निसं)। स्थानीय राजकीय बीडीएम जिला चिकित्सालय में स्थापित ऑल टाइम डाटा प्रा. लि. 375 एलपीएम ऑक्सीजन प्लांट की मरम्मत/सर्विस विगत 7 मई को अधिकृत फर्म/कम्पनी से करवा ली गई है। पीएमओ डॉ. सुमन कुमार यादव ने बताया कि मरम्मत/सर्विस के बाद ऑक्सीजन प्लांट अब क्रियाशील हो गया है। इसके अतिरिक्त यूनिसी प्रा. लि. नई दिल्ली - 330 टु 350 एलपीएम प्लांट पूर्व से ही क्रियाशील है। उक्त प्लांटों से चिकित्सालय में 24 घण्टे ऑक्सीजन आपूर्ति व्यवस्था बनी रहेगी। तीसरा ऑक्सीजन प्लांट उत्तम एयर प्रोडेक्ट्स प्रा. लि.-150 एलपीएम की मरम्मत/सर्विस करवाये जाने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

पुलिस सुरक्षा दिलाने की मांग

निवाई, (निसं)। अनुसूचित जाति अधिकारी कर्मचारी संगठन अजाक के पदाधिकारियों ने उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर गांव सकतपुरा में बिंदोरी निकालने के लिए दलित परिवार को पुलिस सुरक्षा दिलाने की मांग की है। ज्ञापन देने वालों में ओमप्रकाश नगर, किशन संगत, सूर्यप्रकाश कवरिया व तहसील अध्यक्ष एडवोकेट मुकेशकुमार सालोदिया सहित कई पदाधिकारी मौजूद थे।

सेल्समेन ने शराब देने से मना किया तो युवकों ने ठेके पर लगाई आग

कोटकासिम, (निसं)। क्षेत्र के गांव बघाना में रात्रि 8 बजे बाद शराब के ठेके पर शराब लेने आये दो लोगों ने सेल्समैन के द्वारा शराब देने से इनकार कर देने पर शराब के ठेके को आग के हवाले कर दिया। आग लगने से करीब ढ ाई लाख की शराब आग की भेंट चढ गई। खेतों में लगे बोरवेल से पानी लाकर आंख पर काबू पाया गया। ठेका संचालक ने आग लगाने वाले युवकों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

रात्रि करीब साढे 8 बजे शराब के ठेके में लगी आग को देखकर दौडे तथा खेतों में लगे बेारबैलो को चालू कर बडी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया लेकिन इस दौरान शराब की दुकान में रखी करीब ढ ाई लाख रूपये की शराब आग में स्वाह हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। घटना की जानकारी ली तब तक युवक भाग चुके थे।

शराब ठेका संचालक ने कोटकासिम पुलिस थाने में आग लगने की घटना को लेकर नामजद मामला दर्ज कराया।

आग लगने से गोदाम में रखे 2 लाख 50 हजार रूपये की शराब, कागजात, फ्रिज एवं लोहे का कन्टेनर जल गया।

- ठेका संचालक ने आग लगाने वाले युवकों पर मामला दर्ज कराया

पुलिस ने बताया कि मुनेश पुत्र बिसम्बर दयाल यादव ने पुलिस थाने में मामला दर्ज कराया है कि गांव बघाना में बिलाहेडी शराब की दुकान अनुज्ञाधारी सुमन पत्नि मुनेश यादव निवासी कतोपुर के नाम से संचालित है। इस दुकान का गोदाम बघाना गांव में संचालित है।

8 मई रात्रि करीब 8 बजे कर्मचारी दिपक पुत्र धर्मपाल व उसका साथी कुलदीप पुत्र जीतराम निवासी बघाना गोदाम को बंद कर रहे थे इस दौरान सफेद रंग की एक्टिवा पर लुसी उर्फ चरणसिंह पुत्र तेजराम कन्नु गुर्जर पुत्र अमिलाल निवासी मसवासी आये तथा शराब की दुकान पूरी रात खुली रखने को कहा तथा कर्मचारियों के द्वारा गोदाम बंद करने पर पीछे रखी लकडियों को धूप से बचाव के लिये कन्टेनर पर लगे पुले पर दोनो बदमाशों ने आग लगा दी। आग लगने से गोदाम में रखे 2 लाख 50 हजार रूपये की शराब, कागजात, फ्रिज एवं लोहे का कन्टेनर जल गया। इतना ही नही दोनों बदमाशों ने कर्मचारियों को जान से मारने की धमकी भी दी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

दूसरी और कोटकासिम क्षेत्र के गांव पुर में शराब के ठेके पर सेल्समैन ने अपने अन्य दो साथियों के साथ मिलकर शराब ठेकेदार के 3 लाख 55 हजार रूपये पार कर लिये। इस मामले की एफआईआर कोटकासिम निवासी पवन कुमार ने पुलिस थाना कोटकासिम मे दर्ज कराते हुए अवगत कराया है कि पुर गांव मे शराब का ठेका है जहां उत्तरप्रदेश के प्रयागराज टिकरकटरा निवासी विनोद जयसवाल पुत्र अवध नारायण जयसवाल सेल्समैन का कार्य करता था। सेल्समैन ठेके से शराब की बिक्री के 3 लाख 55 हजार रूपये अपने साथी विनोद और गोलू के साथ मिलकर ले गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

भाजपाइयों ने लोकसभा चुनाव पर परिचर्चा की

शाहपुरा, (निसं)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ भाजपा नेता एवं दिल्ली राजेंद्र नगर विधानसभा के चुनाव प्रभारी पूर्व महिला आयोग की अध्यक्ष सुमन शर्मा एवं वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता एडवोकेट विजय शर्मा का दिल्ली से जयपुर जाते समय शाहपुरा कस्बा में भाजपा कार्यकर्ताओं एवं शहर के वरिष्ठ नागरिकों से मुलाकात कर लोकसभा चुनाव को लेकर परिचर्चा की गई। इस दौरान इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रजनीश शर्मा, डॉक्टर वैभव शर्मा, विक्रम सैनी, हिमांशु मिश्रा, रवि दत्त शर्मा, मुकेश शर्मा, हरिश खांडल सहित अनेक वरिष्ठ लोग उपस्थित रहे। इस मौके पर डॉ. रजनीश शर्मा लोकसभा चुनावों में भाजपा की जीत सुनिश्चित बताते हुए कहा मोदी सरकार पर आमजन का विश्वास बढा है। वर्तमान में देश तेजी से विकास के पथ पर अग्रसर होकर आगे बढ रहा है, इसी के चलते एक बार फिर से मोदी सरकार बनने को जा रही है। इस मौके पर बिजेपी पदाधिकारीयों द्वारा आगंतुक मेहमानों का माल्यार्पण व साफा पहनकर स्वागत किया गया।

मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देना प्राथमिक जिम्मेदारी : एसीएस

चाकसू, (निसं)। चिकित्सा विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने गुरुवार प्रात: अचानक कस्बा स्थित उपजिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल की व्यवस्थाओं पर संतोष जताते हुए जो अव्यवस्थाएं नजर आई उन्हे तत्काल प्रभाव से सुधार करने के निर्देश दिए।

इस दौरान अस्पताल प्रभारी ऋतुराज मीणा ने सोनोलॉजिस्ट डॉक्टर एवं सहायक कर्मचारी की नियुक्ति की मांग की जिससे कि आगामी दिनों में सभी को सोनोग्राफी की सुविधा उपलब्ध करा सके। इस पर अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने आश्वासन भी दिया। अस्पताल में शौचालयों एवं साफ-सफाई की व्यवस्था पर असंतोष व्यक्त करते हुए आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने अस्पताल के तमाम वार्डो का निरीक्षण करते हुए मरीजों से स्वास्थ्य की जानकारी लेते हुए अस्पताल की व्यवस्थाओं की जानकारी ली और कहां की मरीज को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसमें किसी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जा सकती। निरीक्षण के दौरान रोगियों, परिजनों, चिकित्सकों, नर्सिंगकर्मियों सहित अन्य कार्मिकों से बातचीत करते हुए अस्पताल की व्यवस्थाओं के संबंध में फीडबैक भी लिया।

एसीएस शुभ्रा सिंह ने रोगियों, परिजनों, चिकित्सकों, नर्सिंगकर्मियों आदि से बातचीत कर व्यवस्थाओं के संबंध में फीडबैक लिया।

- एसीएस ने अस्पताल के निरीक्षण में व्याप्त अव्यवस्थाएं में सुधार के निर्देश दिए

उन्होंने अस्पताल में रोगियों की संख्या के अनुरूप बैड्स की आवश्यकता का आकलन एवं मरीज के डायलिसिस शुरू करने की संभावनाएं तलाशने के भी निर्देश दिए। शुभ्रा सिंह ने कहा कि जांच एवं उपचार में रोगियों को किसी तरह की परेशानी एवं विलंब नहीं हो, इसके लिए आवश्यक चिकित्सा उपकरणों एवं जांच मशीनों का नियमित मेंटीनेंस सुनिश्चित करें। इस दौरान खंड चिकित्सा अधिकारी सौम्या पंडित सहित अन्य डॉक्टर एवं कर्मचारी और कई लोग मौजूद रहे।

च्यवन गौड़ व जाट समाज का विवाह सम्मेलन आज

मालपुरा, (निसं)। अखिल भारतीय च्यवन गौड ब्राह्मण समाज आमचौरासी व सामूहिक विवाह सम्मेलन समिति के तत्वाधान में शुक्रवार को मालपुरा विधानसभा क्षेत्र के सीतारामपुरा गांव में 22वां सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित होगा। दो दिवसीय सम्मेलन समारोह के तहत गुरूवार को विवाह सम्मेलन में एक-दूजे के हमसफर बनने वाले सभी 36 वर-वधुओं का पंजीयन किया गया। रात्री में उदयपुर से आई म्यूजिक ग्रुप एण्ड पार्टी के कलाकारों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी गई। शुक्रवार को प्रात: 6 बजे सभी वर-वधु की सामूहिक निकासी निकाली जायेगी। दोपहर सवा बारह बजे सामूहिक पाणिग्रहण संस्कार होगा। तत्पश्चात आर्शीवाद व स्वागत सम्मान समारोह का आयोजन होगा। समारोह मे जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी व आम चौरासी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट राजेन्द्र तिवाडी एवं सम्मेलन समिति अध्यक्ष जगदीश शर्मा मंचाशील अतिथि के रूप मे वर-वधु को आर्शीवाद देगें। गुरूवार को तीन बडे वाटरप्रुफ डॉम तैयार कर लगभग 10 हजार लोगों के ठहरने की माकुल व्यवस्थाऐं पूर्ण की गई। इसी प्रकार जाट धर्मशाला डिग्गी मे आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन में केबिनेट मंत्री चौधरी शिरकत कर वर-वधु को आर्शीवाद देगें।

- हमसफर बनने वाले सभी 36 वर-वधुओं का पंजीयन किया

समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र तिवाड़ी ने सामूहिक विवाह सम्मेलन की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

महाराणा प्रताप की जयंती पर रक्तदान शिविर

पावटा, (निसं)। सेवार्थ संकल्प समिति पावटा के तत्वाधान में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की 484वीं जन्म जयंती के पावन अवसर पर एवं वैश्विक महामारी से हुई ब्लड बैंकों में रक्त की कमी की पूर्ति हेतु रिद्धि सिद्धि गार्डन में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। जिसमें 60 यूनिट रक्तदान एकत्रित किया गया। सेवार्थ संकल्प समिति पावटा सुशील योगी ने बताया कि शिविर प्रात 9 बजे से शाम 4 बजे तक रहा जिसमे रक्तदाताओं ने बढ चढ कर हिस्सा लिया एवं 60 यूनिट रक्तदान किया।

रक्तसंग्रह रजनीश हॉस्पिटल शाहपुरा ब्लड बैंक की टीम द्वारा संग्रह किया गया एवं चिकित्सा क्षेत्र के सभी कर्मवीरों का सम्मान किया गया। शिविर का शुभारंभ सेवार्थ संकल्प समिति पावटा द्वारा फीता काटकर किया। इस मौके पर मौजूद आशीष धनकड ने कहा कि अपने लिए तो सभी जीते हैं पर दूसरों के लिए जीना बडी बात है।

रक्तदान करके न सिर्फ अन्य व्यक्ति के जीवन को बचाया जा सकता है, बल्कि रक्त देने वाला व्यक्ति को भी स्वस्थ रहने में मदद करता है। उन्होंने कहा कि रक्तदान का महत्व हमें उस समय समझ आता है, जब हमारा कोई अपना प्रियजन अस्पताल में रक्त के लिए जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा होता है और हम रक्त के लिए इधर-उधर परेशान होते हैं। उन्होंने मौजूदा लोगों से रक्तदान कर दूसरों की जान बचाने में अग्रणी भूमिका निभाने की अपील की। शिविर में दानवीरों ने बढ -चढ कर रक्तदान किया। आयोजन में आशीष धनकड व समिति सदस्य सुशील योगी, मनीष सैन, गौरव सिंह, विकास पटवा, वीरेंद्र, नीरज सैन, पंकज जिंदल, रूपसिंह, विकास सिंह, बिल्लू राजपूत, विनोद सिंह, इन्द्राज अहीर एवं आशु शर्मा सहित अन्य कार्यकर्ताओं का सहयोग रहा।

- 60 यूनिट हुआ रक्तदान

भगवान परशुराम के जन्मोत्सव कार्यक्रम को लेकर शोभायात्रा आज

पावटा, (निसं)। भगवान विष्णु के छठें अवतार परशुराम जी के जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर ब्राह्मण महासभा पावटा अध्यक्ष अमरनाथ पटेल की अगुवाई में भगवान परशुराम की शोभायात्रा को सफल बनाने हेतु ब्राह्मण समाज के पदाधिकारियों एवं युवाओं ने घर-घर जाकर चावल देकर शोभायात्रा के लिए आमंत्रित किया। इस शोभायात्रा को भव्य रूप देने के लिए दिन रात कडे परिश्रम के साथ पूर्ण रूप से संपूर्ण समाज लगा हुआ है।

इस संबंध में ब्राह्मण महासभा की जिलाध्यक्ष राजेश शर्मा ने बताया कि भगवान परशुराम जी के जन्मोत्सव का कार्यक्रम में सायंकाल 3 बजे से भगवान परशुराम जी की शोभायात्रा का प्रारंभ कस्बे के आदर्श रामलीला मैदान से होगा जिसमें वाहन रैली तथा संत महात्मा एवं भगवान परशुराम की जीवंत झांकी के साथ संपूर्ण ब्राह्मण समाज शहर में भ्रमण करने के उपरांत महाआरती के साथ शोभायात्रा का समापन किया जाएगा। ब्राह्मण महासभा पावटा अध्यक्ष अमरनाथ पटेल, ब्राह्मण महासभा पावटा तहसील अध्यक्ष राजेश शर्मा के नेतृत्व में उपाध्यक्ष गजानंद बोहरा, संरक्षक सुरेश शर्मा, दिनेश शर्मा, ओमप्रकाश गौड, राजेंद्र शर्मा, जगदीश शर्मा, सचिव दीपक पटेल, कोषाध्यक्ष ललित शर्मा, संगठन मंत्री गिरिराज बोहरा, प्रचार मंत्री हितेंद्र पटेल, पूर्व अध्यक्ष सुरेश शर्मा, पूर्व महामंत्री विष्णु पटेल, परमानंद शर्मा, विनोद पुजारी, गोविंद टीलावत, साहिल टीलावत सहित युवाओं ने घर घर पहुंचकर जनसंपर्क कर पीले चावल बांटकर समाज के लोगों को परशुराम जयंती महोत्सव में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आव्हान किया।

ब्राह्मण समाज के पदाधिकारियों एवं युवाओं ने घर-घर जाकर चावल देकर शोभायात्रा के लिए आमंत्रित किया।

- ब्राह्मण समाज के पदाधिकारियों एवं युवाओं ने घर-घर जाकर चावल देकर सामाजिक बंधुओं को किया आमंत्रित

फुलेरा टीम ने जीता क्रिकेट मैच

फुलेरा, (निसं)। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम पंचायत तेज्या के बास के ग्राम इरोलाव में पिछले 3 मई से प्रारंभ क्रिकेट मैच प्रतियोगिता का गुरुवार को समापन हुआ। जानकारी के अनुसार उक्त प्रतियोगिता में फाईनल मुकाबला फुलेरा टीम व इरोलाव टीम के बीच हुआ। जिसमें फुलेरा टीम विजेता रही।

इसके चलते विजेता टीम को 11 सौ रुपये की नगद राशि व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। गौरतलब है कि उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी एवं जिला मंत्री भारतीय जनता पार्टी एस सी मोर्चा जयपुर देहात दक्षिण मनोज कुमार देवन्दा रहे। इस अवसर पर श्याम सुन्दर चौधरी, भवँर लाल जांगिड, लीलाधर जांगिड, दीपक दम्बीवाल, कमल जांगिड व इरोलाव के युवा क्रिकेट टीम के बजरंग कुमावत, पवन कुमावत, निखिल, तपेश, विशाल, अर्जुन, चेतन, कुशाल जांगिड़, यश, चिन्टु, मोहित सहित ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

पक्षियों के लिए चुग्गा पानी की व्यवस्था की

श्रीमाधोपुर, (निसं)। निदेशक स्वायत्त शासन विभाग राज. जयपुर के आदेश की पालना में नगर पालिका श्रीमाधोपुर को भीषण गर्मी को देखते हुये नगरीय निकाय क्षेत्रों में पशु-पक्षियों के चारा, दाना-पानी की समुचित व्यवस्था किये जाने के निर्देश प्रदान किये गये है। इन निर्देशों की पालना में नगरपालिका क्षेत्र श्रीमाधोपुर में पालिका द्वारा कार्मिकों की टीम का गठन किया जाकर बेजुबान व निराश्रित पशु-पक्षियों के चारा, दाना-पानी की समुचित व्यवस्था हेतु छतों व वृक्षों पर परिडें, पशुओं के लिए खेलियां लगाये जाने का कार्य किया जा रहा है। परिंडे लगाये जाने के कार्य का शुभारंभ उपखण्ड कार्यालय परिसर, राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विधालय परिसर एवं राजकीय बालिका महाविधालय परिसर में अनिल कुमार उपखण्ड अधिकारी एवं नगरपालिका टीम के सहयोग से किया गया। साथ ही निदेशक स्वायत्त शासन विभाग राज. जयपुर के आदेशों की पालना में सम्पूर्ण नगरपालिका क्षेत्र में पशु-पक्षियों के चारा, दाना-पानी हेतु परिंडे, खेलियां लगाये जाने का कार्य चन्द्र प्रकाश चौधरी कनिष्ठ अभियंता, नगरपालिका उनकी टीम द्वारा किया जा रहा है। आगामी तीन दिवस में पालिका क्षेत्र में बेजुबान व निराश्रित पशु-पक्षियों के चारा, दाना-पानी की समुचित व्यवस्था हेतु खेलिया व परिडें लगवा दिये जावेगें। इसके साथ ही उपखण्ड अधिकारी द्वारा आमजन से भी अपील की गई है कि आमजन अपने घरों की छतों पर तथा आस-पास के वृक्षों पर भीषण गर्मी के मौसम में प्रतिदिन पशु-पक्षियों के चारा, दाना-पानी की समुचित व्यवस्था करने का प्रयास कर इन बेजुबान व निराश्रित पशु-पक्षियों के जीवन को बचाने का प्रयास करें।

सार-समाचार

शिक्षण सामग्री का वितरण

निवाई, (निसं)। जीवन प्रकाश वेलफेयर सोसाइटी द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में अनाथ बच्चों को शिक्षण सामग्री का वितरण किया गया। समिति के अध्यक्ष नरेश कुमार ने बताया कि जीवन प्रकाश वेलफेयर सोसाइटी द्वारा अनाथ बच्चों को शिक्षण सामग्री में बेग, पेन, किताबे, कापियां सहित अन्य सामठी वितरित की। इस दौरान समिति के कोषाध्यक्ष अंकुर कुमार, योगिता बैरवा, राधाकिशन यादव एवं कृष्ण वर्मा सहित कई पदाधिकारियों ने नि:शुल्क शिक्षण सामग्री वितरित की।

प्रशासन ने हटाया अतिक्रमण

श्रीमाधोपुर, (निसं)। न्यायालय तहसीलदार श्रीमाधोपुर के राजस्थान का काश्तकारी अधिनियम की धारा 251 के तहत उनवानी प्रकरण 02/2020 श्योनारायण वगैरा बनाम परताराम वगैरा में पारित निर्णय दिनांक 24 अगस्त 20 की पालना में 9 मई गुरुवार को तहसीलदार श्रीमाधोपुर जगदीश प्रसाद बैरवा व पटवारी हल्का दिवराला महेश शर्मा द्वारा मय पुलिस जाब्ता ग्राम दिवराला के खसरा नंबर 1630 में से गुजरने वाले प्रचलित रास्ते को जेसीबी मशीन की सहायता से अतिक्रमण मुक्त कराया गया। गौरतलब है कि प्रशासन द्वारा गत सरकार में 8 बार उक्त रास्ते को अतिक्रमण मुक्त करवाकर खुलवाया गया था, परंतु पिछले लगभग 2 वर्ष से उक्त रास्ता निकटवर्ती काश्तकार द्वारा बंद कर दिया गया था। तहसीलदार द्वारा अतिक्रमण हटाने के पश्चात अतिक्रमणकारियों को भविष्य में अतिक्रमण न करने बाबत पाबंद किया व अतिक्रमण कर सखाधिकार बाधित करने की स्थिति में थाना अधिकारी अजीतगढ़ को अतिक्रमियों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। इस कार्यवाही के दौरान सरपंच दिवराला रामावतार सैनी भी मौजूद रहे।

कमरे में वृद्ध का शव मिला

फुलेरा, (निसं)। क्षेत्र के पुराना फुलेरा स्थित पांच बत्ती चोराहा के पास किराये के मकान में रह रहे व्यक्ति का शव मिला। उपरोक्त जानकारी देते हुए थानाधिकारी बाबूलाल मीणा ने बताया कि मृतक चोखे लाल पुत्र शिवचरण जाति जाटव उम्र 60 वर्ष निवासी उत्तर प्रदेश, हाल बिचून रोड फुलेरा जो पिछले करीब 15 वर्ष से पांच बत्ती चोराहा के पास किराये के मकान में रहकर कचरा बिनने का काम करता था। जो कई दिनों से बीमार था। वह अकेला ही मकान में रहता था। जिसको करीब 4 दिन पहले देखा गया था। जो अपने कमरे में मृत अवस्था में मिला। वहीं आगे बताया कि पडोसियों को बदबू आने पर उन्होंने पुलिस को सूचना दी। जिस पर पुलिस ने मौके पर जाकर देखा तो कमरा चारों तरफ से बन्द था। इसी क्रम में आगे बताया कि मृतक की लाश करीब तीन-चार दिन पुरानी थी जो बदबू मार रही थी। पुलिस ने मृतक के परिजनों को बुलाया। इसके बाद पंचनामा व पोस्टमार्टम करवाया गया। इसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

स्वच्छता रैली से लोगों को किया जागरूक

निवाई, (निसं)। स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत नगरपालिका के तत्वावधान में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्र-छात्राओं सहित विद्यालय के कर्मचारियों व नगरपालिका के स्टॉफ द्वारा स्वच्छता रैली का आयोजन लोगों को जागरूक कर किया गया। स्वच्छता रेली में आमजन को प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने, सूखा कचरा व गीला कचरा को अलग-अलग डस्टबीन में डालने की जानकारी दी गई। साथ ही छात्र-छात्राओ को सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने व उससे होनें वाले नुकसान के बारे में जागरूक किया। इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी मनोहरलाल जाट, प्रधानाचार्य देवेन्द्रपाल सिंह, नगरपालिका के सहायक अभियन्ता चन्द्रप्रकाश मीणा, राजस्व अधिकारी मनीष गौर, कनिष्ठ अभियंता राजप्रतापसिंह राणावत, पप्पूलाल मीणा, स्वास्थ निरीक्षक गजेन्द्रसिंह राजावत, कार्यवाहक स्वास्थ निरीक्षक बाबूलाल शर्मा, स्वच्छ भारत मिशन एमआईएस इंजिनियर रजत बेनीवाल, कनिष्ठ तकनीकी सहायक निशांक जैन, एमआईएस मैनेजर कमलेश बैरवा व शहरी रोजगार सहायक सुरभि गौतम व पूनम शर्मा सहित कई अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

कानूनगो हनुमान जी का मेला कल

नारायणपुर (निसं)। क़स्बा स्थित कानूनगो वाले हनुमान जी महाराज का मेला व भण्डारा 11 मई को बडे हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया जायेंगा। मेले के दौरान सुबह 9 बजे पीर संज्यानाथ आसण से भक्तों द्वारा झंडे उठाए जायेंगे। दोपहर 12 बजे से भण्डारे का आयोजन किया जायेंगा। जिसमे आसपास के श्रद्धालु पंगत प्रसादी ग्रहण करेंगे। शाम 4 बजे से दिल्ली, यूपी, हरियाणा के प्रसिद्ध पहलवानों के द्वारा कुश्ती के दांवपेच दिखाए जायेंगे। जिसमे कामडे की कुश्ती 51 सौ रूपये की होगीं। वही रात्री 9 बजे से मोनू एंड सुदामा पार्टी द्वारा सम्पूर्ण रात्री भजन-सत्संग का कार्यक्रम आयोजित किया जायेंगा।

भागवत कथा की पूर्णाहूति व कलश यात्रा संपन्न

निवाई, (निसं)। गांव ललवाडी में श्रीमद् भागवत कथा के समापन पर कलशयात्रा निकालकर पूर्णाहुति की गई। श्रद्धालु धीरजसिंह ने बताया कि कलश यात्रा में श्रद्धालु शामिल होकर भजन गाते हुए चल रहे थे। कलश यात्रा में श्रीमद् भागवत पुराण व ठाकुर जी की झांकी सजाई गई। जिसमें प्रधान कलश के यजमान मुकेश सैनी व श्रीमद्भागवत के यजमान हनुमान चौधरी रहे। धीरजसिंह सोलंकी ने प्रधान कुण्ड में आहुतियां दी तथा अन्य कुण्डों पर कृष्णासिंह राजावत, किशनलाल सैनी, हनुमान चौधरी व खेमराज जैन ने आहुतियां दी। सभी देवताओं की पूजा करके मंगल कामना की। सभी ग्रामवासियों को प्रसादी वितरण की गई। इस अवसर पर कल्याण माली, भंवरसिंह, केसरलाल सैनी, मोरपाल जाट, लक्ष्मणसिंह राजावत, कानसिंह, गिर्राज टेलर, शंकर साहू, राजू सिंह, आनंदसिंह, महेश मिस्त्री व शंकरसिंह सहित कई श्रद्धालु मौजूद थे।

गर्भ संस्कार आयुर्वेद जीवन की प्रतिकूलता और भौतिकता के समक्ष एक दिव्य शस्त्र : स्वामी रामदेव

पतंजलि योगपीठ में गर्भ संस्कार ''संतति सृजनम्'' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

- माता-पिता और गुरुजन हमारी गति को अधिक गतिवान बनाते हैं : आचार्य बालकृष्ण
- आज आयुर्वेद को विज्ञान मानकर डाटा एकत्रित करने की आवश्यकता है : डॉ. कल्पना शर्मा
- ऐसी कार्यशालाएं जीवन को समग्रता से जीने की सकारात्मक दृष्टि प्रदान करती हैं : गिरीश केजे

स्वामी रामदेव ने पतंजलि योगपीठ में आयोजित कार्यशाला ''संतति सृजनम्'' में विशिष्ट अतिथि डॉ. कल्पना शर्मा को 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड' से सम्मानित किया।

हरिद्वार। पतंजलि आयुर्वेद कॉलेज एवं हॉस्पिटल, पतंजलि अनुसंधान और पतंजलि विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में गर्भ संस्कार आधारित एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला ''संतति सृजनम्'' का आयोजन पतंजलि विश्वविद्यालय के सभागार में हुआ। कार्यशाला का उद्घाटन स्वामी रामदेव और आयुर्वेद शिरोमणि आचार्य बालकृष्ण ने किया। उन्होंने विशिष्ट अतिथि डॉ. (प्रो.) कल्पना शर्मा को उनके आयुर्वेद के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड' प्रदान किया गया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में स्वामी रामदेव ने कहा कि भारत भूमि गौरवशाली आदर्श माताओं से सुसमृद्ध है, इनमें जीजाबाई, पुतलीबाई, मदालसा, सीता ऐसी माताएँ रही हैं जिन्होंने सुसंस्कारित सन्तान को आकार दिया, आज भारत भूमि को ऐसी ही संततियों की आवश्यकता है। एक माँ विपरीत परिस्थितियों में भी अपने अथक प्रयासों से सुसंस्कारित नागरिकों का सृजन करती है। आचार्य बालकृष्ण ने मातृत्व की महिमा का उल्लेख करते हुए कहा कि वेदों और ठांथों में सोलह संस्कारों का वर्णन किया गया है जिनमें तीन संस्कार गर्भाधान, पुंसवन और सीमंतोन्नयन जन्म से पूर्व के है, उनका संयोजन भावी शिशु के माता-पिता द्वारा गर्भ की रक्षा-भावना से किया जाता है। यदि एक माँ स्वस्थ है तो ही वह स्वस्थ बालक को जन्म दे सकती है। भावी माता को अपने शिशु को कुपोषण से बचाने के लिए संतुलित भोजन, योग, ध्यान एवं चिंतन-मनन पर ध्यान देना आवश्यक है। पतंजलि जड़ी-बूटी अनुसंधान की प्रमुख डॉ. वेदिप्रया आर्या ने वर्तमान में स्त्रियों में बढ रही पीसीओडी (पालीसिस्टिक ओवरी डिसिज) के कारण सामान्य प्रजनन चक्र अवरुद्ध होने पर चिंतन प्रस्तुत किया।

विशिष्ट वक्ता के रूप में डॉ. (प्रो.) कल्पना शर्मा ने कहा कि आयुर्वेद का प्रमुख उद्देश्य स्वास्थ्य को बनाए रखना, बीमारी की रोकथाम और इलाज करना है। आयुर्वेद वह संजीवनी है जो जीवन को आध्यात्मिक दृष्टि से अलौकिक शक्ति प्रदान करती है। पुरुष बीज-स्त्री बीज के तथ्यों में यह प्रकृति का सृजनम करते हैं जिससे सभ्यता का निर्माण होता है। आयुर्वेदिक सिद्धांत वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ अपार संभावनाओं पर आधारित बताया। एक व्यापक दृष्टिकोण में प्राचीन ज्ञान और आधुनिक विज्ञान दोनों का मिश्रण स्वस्थ जीवन की समठाता में वृद्धि करता है।

समारोह को संबोधित करते हुए आयुर्वेद कॉलेज के वाइस प्रिंसिपल गिरीश केजे ने विभिन्न आयुर्वेदिक कॉलेजों द्वारा इस क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की। राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न शोधार्थियों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुमन सिंह एवं डॉ. ठोसी सोकिया ने किया। कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए प्रिंसिपल, आयुर्वेद कॉलेज, हरिद्वार के डॉक्टर अनिल कुमार ने कहा कि ऐसी व्याख्यानमालाएँ जीवन को समठाता से जीने की नवीन दृष्टि प्रदान करती है। इस अवसर पर पतंजलि अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

संक्षिप्त

सी.एल.गोठवाल को पितृशोक

फुलेरा, (निसं)। फुलेरा क्षेत्र के वरिष्ठ संवाददाता सी.एल.गोठवाल के पिताजी बाबूलाल गोठवाल का मंगलवार की रात को असामयिक निधन हो गया। गौरतलब है कि स्वर्गीय बाबूलाल स्पेशल लोको पायलट के पद से सेवानिवृत्त हो चुके थे। वे एक पुत्र, एक पुत्री, दो पौत्री व एक पौत्र सहित भरापूरा परिवार छोडकर गये है। गोठवाल के असामयिक निधन पर कस्बे के मीडिया जगत से जुडे पत्रकारबन्धु कमलेश शर्मा, विनोद यादव, संजय शर्मा, सत्यनारायण कुमावत, दामोदर कुमावत, राजकुमार देवाल, हेमन्त शर्मा, राजेन्द्र प्रजापति, कानाराम प्रजापति, दामोदर प्रजापति, योगेन्द्र गहलोत सहित क्षेत्र के समाजसेवी एवं शिक्षाविद् शक्ति सिंह, भंवर लाल कुमावत, व्यापार महासंघ के अध्यक्ष मनोज आहूजा, दैनिक रेल यात्री संघ के अध्यक्ष अशोक वासदेव, जनप्रतिनिधियों ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

बाबूलाल गोठवाल

परिंडे लगाने का अभियान जारी

कोटपूतली, (निसं)। सामाजिक कार्यकता रतनलाल शर्मा द्वारा पक्षियों के लिए परिंडे लगाने के अभियान के तहत गुरूवार को एस.डी.एम कार्यालय में एस.डी.एम बृजेश कुमार चौधरी के नेतृत्व में 11 परिंडे लगाये गये। इस दौरान एड. लक्ष्मीकांत शर्मा, एड. चंद्रशेखर, एड. श्याम सुंदर, कैलाश चंद गुर्जर, परमानंद, पूरणमल, रोशन सैनी, हंसराज बिदाणी, डॉ. संदीप सिंह शेखावत समेत अन्य मौजूद रहे।

कुंए में गिरी नीलगाय को सुरक्षित निकाला

टोंक, (निसं)। पीपलू उपखंड के ग्राम नानेर में एक किसान ने कुएं में नील गाय को पडे हुए देखा। जिस पर किसान ने तुरंत इसकी सूचना वन विभाग सोहेला नाकें पर दी। सूचना पाकर नाका प्रभारी मुकेश चौधरी वनरक्षक आशीष चौधरी मौके पर पहुंचे। नाका प्रभारी मुकेश चौधरी ने बताया की गुरुवार दोपहर नानेर से सूचना मिली की एक नीलगाय कुंए में गिर गई जहां मौके पर पहुंच ग्रामीणों के सहयोग से जेसीबी, ट्रैक्टर की मदद से काफी मशक्कत के बाद 2 घंटे में नीलगाय को सुरक्षित बाहर निकाल कर जंगल में छोडा।

भगवान परशुराम की निकलेगी शोभायात्रा

सांभरझील, (निसं)। भगवान परशुराम के जन्मोत्सव के उपलक्ष में ब्राह्मण समाज की धर्मशाला से सांय 4:15 बजे धूमधाम के साथ शोभायात्रा नगर के प्रमुख रास्तों से होते हुए निकलेगी। ब्राह्मण समाज संस्था एवं धार्मिक आयोजन समिति की तरफ से इस मौके पर इससे पहले प्रभात फेरी निकाली जाएगी। इसके पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां, भाषण, प्रश्नोत्तरी व फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाएगा।

महाराणा प्रताप की जयंती मनाई

फुलेरा, (निसं)। गणगौरी बाजार स्थित रामद्वारा भवन परिसर में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की 487 वीं जयंती भाजपा मण्डल अध्यक्ष प्रणव अग्रवाल की अध्यक्षता में भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने हर्षोल्लास से मनाई।

भाजपा मण्डल के मीडिया प्रभारी राजकुमार देवाल ने जानकारी देते बताया कि कार्यक्रम में सर्वप्रथम महाराणा प्रताप के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलित किया गया। कार्यक्रम में भाजपा मण्डल अध्यक्ष प्रणव अग्रवाल ने महाराणा प्रताप के शौर्य और बलिदान को याद करते हुए नई पीढी को उनसे प्रेरणा लेने का आव्हान किया। राणा प्रताप की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उनके विचारों को अपने जीवन उतारने का आग्रह किया। वहीं महेश सिंह ने पंक्तियां सुनाते हुए कहा कि हरी घास की रोटी जद वन बिलावडो ले भाग्यो, नान्यो सो अमरयो चिख पडयो, राणा रो सोयो दु:ख जाग्यो। इस मौके पर भाजपा पूर्व मण्डल अध्यक्ष आलोक तिवाडी, पालिका प्रतिपक्ष नेता संजय शर्मा, महिला मोर्चा अध्यक्ष पूनम कुमावत, महेश सहाय शर्मा, एडवोकेट निशान्त शर्मा, पूर्व पालिका अध्यक्ष मनोज आहूजा, रतन राजोरा, मंगल कुमावत, किशन प्रकाश गगरानी, सुमित्रा नाथावत, भाजपा उपाध्यक्ष मनीष गगरानी, संजय वार्ष्णेय, यादराम जोशी, नकुल सिंह बडगुर्जर सहित सैकडों भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

चाकसू। कस्बे के निमोडिया रोड स्थित अपनत्व फ्यूचर जॉन एकेडमी स्कूल में महाराणा प्रताप जयंती बडे धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ द्वीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम में शूरवीर महाराणा प्रताप के जीवन से संबंधित वीरगाथाओं का विस्तार से वर्णन किया गया। शिक्षक धर्मेंद्र जांगिड ने बताया कि महाराणा प्रताप भारत के सर्वप्रथम स्वतंत्रता सेनानी थे। उन्होंने बताया कि महाराणा प्रताप वीरता और दृढ प्रण के लिए विश्व प्रसिद्ध है। स्कूल के प्रबंधक भवानी सिंह चौहान ने उनके जीवन पर प्रकाश डाला। स्कूल के डायरेक्टर सुरज्ञान सिंह बडोदिया ने कहा कि बच्चों को महाराणा प्रताप की तरह शक्तिशाली,शूरवीर और दृढ संकल्प होना चाहिए जिन्होंने कभी किसी के आगे सर नहीं झुकाया और न ही हार मानी।

मातृत्व एवं शिशु स्वास्थ्य सहित अन्य चिकित्सा सेवाओं के सुदृढीकरण की दृष्टि से टोंक जिले में गुरुवार को विशेष निरीक्षण एवं जागरूकता अभियान संचालित किया गया। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह के निर्देश पर चिकित्सा संस्थानों में उपलब्ध करवाई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं, टीकाकरण, मौसमी बीमारियों, लू-तापघात व गर्मी जनित बीमारियों के प्रबंधन संबंधी तैयारियों का सघन निरीक्षण किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार यादव ने बताया कि गुरुवार को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान दिवस एवं मातृ शिशु स्वास्थ्य पोषण दिवस एक साथ हैं। इस अवसर पर निदेषालय चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के राज्य नोडल अधिकारी इम्युनाइजेषन डॉ. देवेंद्र सोंधी ने स्वास्थ्य केंद्र पीपलू, चांदसेन, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा आंगनबाडी केंद्र द्वितीय का आकस्मिक निरीक्षण किया। साथ ही, मातृ स्वास्थ्य एवं शिशु स्वास्थ्य को लेकर आमजन को जागरूक भी किया गया।

वनस्थली विद्यापीठ का दो दिवसीय वार्षिक डिजाइन शो केस संपन्न

वनस्थली, (निसं)। वनस्थली विद्यापीठ की ओर से दो दिवसीय वार्षिक डिजाइन शो केस 2024 का आयोजन राज्य ललित कला अकादमी उत्तर प्रदेश लखनऊ में अकादमी में किया गया जिसमें फैशन टेक्सटाइल, कम्यूनिकेशन, आर्किटेक्चर और विजुअल आर्ट की छात्राओं के विभिन्न कलात्मक कार्य को प्रदर्शित किया गया।

वार्षिक डिजाइन प्रदर्शनी 2024 का आयोजन वनस्थली विद्यापीठ राजस्थान के डिजाइन विभाग और स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग एंड विजुअल आर्ट्स द्वारा किया गया। इस वर्ष की प्रदर्शनी रचनात्मकता, नवीनता और छात्रों के काम की कलात्मक उत्कृष्टता का एक जीवंत उत्सव बनाने के लिए तैयार है। प्रदर्शनी में टेक्सटाइल डिजाइन, फैशन और लाइफ स्टाइल डिजाइन, औद्योगिक डिज़ाइन, संचार डिजाइन, वास्तुकला, कला व योजना सहित विभिन्न विषयों में छात्रों के काम की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की गई। इस कार्यक्रम मे छात्रों के नवीनतम कार्यों को प्रस्तुत करने सहित साथी डिजाइनरों, उत्साही लोगों, उद्योग के पेशेवरों और शिक्षाविदों और कलाकारों के साथ जुडने का एक अनूठा अवसर प्रदान किया। वनस्थली विद्यापीठ ने राज्य ललित कला अकादमी, उत्तर प्रदेश में शानदार डिजाइन प्रदर्शनी का आयोजन किया। डिजाइन शोकेस 2024 एक व्यापक अनुभव होने का वादा करता है, जो अपने फैशन और लाइफ स्टाइल डिजाइन, औद्योगिक डिजाइन, संचार डिजाइन, वास्तुकला और दृश्य कला के छात्रों के नवीन दिमाग और कलात्मक कौशल की एक झलक पेश करता है। लुभावनी वास्तुशिल्प डिजाइन से लेकर अत्याधुनिक फैशन संग्रह तक, आगंतुक रचनात्मक अभिव्यक्तियों की एक विविध श्रृंखला देखेंगे जो परंपराओं को चुनौती देते हैं। इस प्रदर्शनी का उद्देश्य उद्योग और शिक्षा जगत के बीच संबंधों को बढावा देना, छात्रों के विकास को बढ़ाना और उन्हें उनके भविष्य के पेशेवर करियर के लिए तैयार करना है। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रसिद्ध फैशन डिजाइनर और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ आर्किटेक्ट्स लखनऊ चैप्टर के अध्यक्ष व शिक्षाविद् अस्मा हुसैन, प्रख्यात वास्तुकार संदीपकुमार सारस्वत, राज्य ललित कला अकादमी उत्तर प्रदेश के निदेशक डॉ. श्रद्धा शुक्ला ने किया।

सुंदरकांड पाठ व मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन

श्रीमाधोपुर, (निसं)। भगवान् श्री परशुराम जन्मोत्सव कार्यक्रम आयोजन की श्रृंखला में गुरुवार दोपहर में गौड विप्र परिषद् भवन में स्थित परशुराम सभागार में मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

इस संबंध में शीला चूलेट और विजयलक्ष्मी शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रतियोगिता में कनिष्ठ वर्ग में ऊर्जा खांडल प्रथम, आराध्या शर्मा द्वितीय तथा मान्यता शर्मा तृतीय रहीं। इसी प्रकार वरिष्ठ वर्ग में मनीषा चूलेट प्रथम, निशा शर्मा द्वितीय तथा रिद्धि शर्मा तृतीय रही। इस अवसर पर पूनम शर्मा, सीता शर्मा, दीपिका शर्मा, प्रीति शर्मा, गरिमा चूलेट आदि उपस्थित थीं। इसके अलावा सायंकाल संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन हुआ। इस संबंध में मोतीलाल महर्षि और नरेश भिण्डा ने बताया कि पाठ में शहर की सभी मंडलियों ने विशंभर लाल पारीक के निर्देशन में सुंदर आयोजन किया। अक्षय तृतीया के दिन आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के बारे में समिति के राजेंद्र शर्मा एडवोकेट ने बताया कि प्रात: 5 बजे से नगर के प्रमुख मार्गो पर प्रभात फेरी का आयोजन किया जाएगा, इसके बाद प्रात: 10 बजे तीजावाला जोहडा में स्थित भगवान् श्री परशुराम की मूर्ति का पूजन अर्चन होगा। जन्मोत्सव समिति के जितेंद्र शर्मा एलबीएस ने बताया कि शाम 4 लवाजमे के साथ भगवान् परशुराम की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभा यात्रा के मार्ग पर तोरण द्वार लगाए गए हैं। मार्ग में जगह-जगह पर शीतल जल समेत ठंडे पेय पदार्थ की व्यवस्था रहेगी। शाम 7:30 बजे आरती के पश्चात् शोभायात्रा का समापन होगा।

कलेक्टर ने टपूकड़ा एसडीएम कार्यालय का निरीक्षण किया, कार्मिकों में मची खलबली

खैरथल, (निसं)। जिला कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला खैरथल से भिवाडी जाते वक्त रास्ते में टपूकडा एसडीएम कार्यालय पर रूकी और निरीक्षण किया। कलेक्टर के अचानक कार्यालय पहुंचने पर कर्मचारियों में खलबली मच गई। इसके उपरांत कलेक्टर भिवाडी रीको गेस्ट हाउस के सभागार में आयोजित प्रबोधन समिति की बैठक में पहुंची।

सुबह 10:30 बजे एसडीएम कार्यालय का निरीक्षण करते हुए जिला कलेक्टर ने ड्यूटी पर उपस्थित नहीं पाए गए एक कार्मिक को कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। राजस्व शाखा, कोर्ट शाखा सहित अन्य शाखाओं का निरीक्षण कर रिकॉर्ड व्यवस्था को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। पत्रावलीयों की जांच की लंबे समय से लंबित प्रकरणों का जल्द निस्तारण करने के निर्देश दिए।

जिला कलेक्टर ने एसडीएम कोर्ट में लंबित 5 साल से अधिक समय की फाइलों को चेक कर एसडीएम को पेंडेंसी कम करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कार्यालय संचालन मानक प्रक्रिया के अनुसार निर्धारित रजिस्टर व्यवस्था की जांच की पाई गई कमियों को निश्चित समय अवधि में पूरा करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के उपरांत जिला कलेक्टर रीको गेस्ट हाउस सभागार में प्रबोधन समिति की बैठक लेने पहुंची। बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर भिवाड़ी अश्विन के पंवार, क्षेत्रीय अधिकारी पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड अमित शर्मा, रीको प्रथम एवं द्वितीय यूनिट के प्रबंधक, पानी, बिजली व नगर परिषद भिवाडी सहित एसपीवी के अध्यक्ष व सदस्य मौजूद रहे।

बैठक में जिला कलेक्टर ने भिवाडी के औद्योगिक क्षेत्र से निकले वाले प्रदूषित पानी को उपचारित करने हेतु स्थापित सीईटीपी के संचालन की समीक्षा की। एसपीवी एवं त्रिवेणी को वरिष्ठ प्रबंधक रीको यूनिट प्रथम को पाइपलाइन चौक होने के कारण जिन औद्योगिक इकाइयों में उपचारित पानी नहीं पहुंच पा रहा है उनको आगामी तीन दिवस में ठीक करने के निर्देश दिए हैं। महाप्रबंधक औद्योगिक विभाग भिवाडी को औद्योगिक इकाइयों से निकले प्रदूषित पानी को टैंकरों के माध्यम से खुले नालों में छोडने वालों पर प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने अवैध तरीके से खुले नालों में प्रदूषित पानी छोडने वालों पर अंकुश लगाने हेतु कंट्रोल रूम स्थापित कर कंट्रोल रूम के नंबर सार्वजनिक करने के निर्देश दिए। एसपीवी कमेटी की ओर से औद्योगिक क्षेत्र कहरानी व चोपानकी की रखी गई समस्या पर जिला कलेक्टर ने क्षेत्रीय अधिकारी पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड को व्यक्तिगत रूप से क्षेत्र में प्रस्तावित सीईटीपी प्लांट प्रोटोस के फॉलोअप लेने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने ततारपुर गांव से निकल रहे हाईवे पर भरे गंदे पानी के निदान को लेकर अधिकारियों को हाईवे के साइड में स्थित नालियों की सफाई कराने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने एसडीएम कोर्ट में लंबित 5 साल से अधिक समय की फाइलों को चेक कर पेंडेंसी कम के निर्देश दिए।

- एक कार्मिक नदारद मिलने पर नोटिस जारी करने के निर्देश

आपसी समन्वय स्थापित करते हुए पूर्ण क्षमता के साथ संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सीईटीपी के आरओ प्लांट आउटलेट पर क्षमता से कम उपचारित पानी आने के कारणो को जानते हुए पूर्ण क्षमता से संचालित कर औद्योगिक इकाइयों को पुन: उपयोग के लिए आरओ पानी उपलब्ध कराने के साथ ही ऐसा न करने पर कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधीक्षण अभियंता बिजली विभाग को भी गत तीन-चार माह में बिजली बिल के आधार पर सीईटीपी के संचालन की जानकारी प्राप्त करने के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने क्षेत्रीय अधिकारी पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड को शेष औद्योगिक इकाइयों में फ्लो मीटर लगवाने के निर्देश दिए। उन्होंने एसपीवी को स्काडा मीटर में 9 पीएच से अधिक का प्रदूषित पानी देने पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने

सार-समाचार

न्यायाधीश समर्थलाल ने पद संभाला

कोटपूतली, (निसं)। स्थानीय अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्र.सं. 01 समर्थलाल मीणा ने गुरूवार को पदभार ग्रहण कर लिया। इस मौके पर अधिवक्ताओं ने बार एशोसिएशन अध्यक्ष एड. दयाराम गुर्जर के नेतृत्व में उनका माला पहनाकर एवं गुलदस्ता भेंटकर स्वागत किया। इस दौरान उपाध्यक्ष सुशील कुमार यादव, हेमंत कुमार शर्मा, चेतराम रावत, रामकिशन शर्मा, मुकेश चनेजा, राजाराम कसाना, महेश सराधना, मनोज व सत्यवीर पायला सहित न्यायिक कर्मचारी मौजूद रहे।

दाने-पानी की व्यवस्था की

टोंक, (निसं)। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग ने भीषण गर्मी के मध्य नजर सभी गांव, कस्बों में पशु-पक्षियों के लिए चारा, दाना-पानी की व्यवस्था किये जाने के संबंध में निर्देश दिए है। इसी के तहत गुरुवार को जिला परिषद टोंक में जिला प्रमुख सरोज बंसल, मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रतिष्ठा पिलानिया, एसीईओ ललित कुमार, अधीक्षण अभियंता बीएस मीना, मनरेगा लोकपाल पीसी जैन, वरिष्ठ लेखाधिकारी नंद किशोर बैरवा तथा जिला परिषद के समस्त स्टाफ ने पक्षियों के पानी पीने के लिये जिला परिषद परिसर में परिंडें रखवाये तथा परिषद की छत पर चुग्गा डाला गया। इस अवसर पर जिला प्रमुख एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने समस्त स्टॉफ को कहा कि जिस प्रकार से हम खाने पीने का ध्यान रखते हैं उसी प्रकार हमें बेजुबान पक्षियों का भी ध्यान रखना है तथा प्रतिदिन इनके लिए दाने-पानी की व्यवस्था करनी है।

बाल विवाह के सहयोगियों पर होगी कानूनी कार्यवाही : एसडीएम

टोंक, (निसं)। बाल विवाह जैसी कुप्रथा की रोकथाम के लिए अक्षय तृतीया (आखातीज), पीपल पूर्णिमा जैसे पर्वों व अन्य सावों पर विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में बाल विवाह के आयोजन की संभावना रहती है। जिसकी रोकथाम के लिए उपखंड अधिकारी टोंक राहुल सैनी ने पुलिस उपाधीक्षक वृत, टोंक, तहसीलदार, विकास अधिकारी, आयुक्त नगर परिषद टोंक समेत अन्य संबंधित अधिकारियों को बाल विवाह होने की सूचना पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए है। उपखंड अधिकारी सैनी ने बताया कि यदि कोई भी हलवाई, बैंड बाजा वाला, पंडित, बाराती, टेंट वाले एवं ट्रांसपोर्ट बाल विवाह में सहयोग या कार्य करेंगे तो उन पर कानूनी कार्यवाही की जायेगी। इसके साथ ही, विवाह के लिए छपने वाले निमंत्रण पत्र में वर-वधु के लिए आयु प्रमाण प्रिटिंग प्रेस वालों के पास रहें अथवा निमंत्रण पत्र पर वर-वधु की जन्म तारीख प्रिंट की जानी अनिवार्य होगी। पंचायती राज नियम 1996 में बाल विवाह रोकने का दायित्व सरपंच पर है। अक्षय तृतीया एवं पीपल पूर्णिमा के अवसर पर होने वाले बाल विवाहों की रोकथाम एवं इस संबंध में सूचना देने के लिए कार्यालय तहसीलदार टोंक में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है।

ए.डी.एम. ने भवनों की स्थिति जांची

दूदू, (निसं)। अतिरिक्त जिला कलेक्टर गोपाल परिहार ने गुरुवार को जिले के पटवार मण्डल सावरदा, गाडोता, बोराज, झरना में पटवार कार्यालयों एवं भू अभिलेख निरीक्षक कार्यालयों का औचक निरीक्षण कर कार्यालय भवनों की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने उक्त स्थानों पर स्थित पटवार भवनों की स्थिति का अवलोकन किया तथा संबंधित पटवारियों व भू अभिलेख निरीक्षकों से उनके बैठने के स्थान, मुख्यालय पर उपस्थिति, पटवार कार्यालयों पर नोटिस बोर्ड पर आवश्यक सूचनाओं को प्रदर्शित करने के संबंध में जानकारी प्राप्त की। इस दौरान उन्होंने सभी संबंधित पटवारियों को मुख्यालय पर उपस्थित रहने, कार्यालयों पर नाम अंकित कराने, नोटिस बोर्ड पर अपनी उपस्थिति एवं मोबाइल नंबर की जानकारी आमजन व काश्तकारों को देने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने सभी भू अभिलेख निरीक्षकों को उनके संबंधित सर्किल पर उपस्थित रहने, पटवार कार्यालयों का नियमित रूप से पर्यवेक्षण करने के लिए निर्देशित किया।

116 दुकानदारों को नोटिस दिये

नारायणपुर (निसं)। कस्बे के मुख्य बाजार में हो रहे स्थाई अस्थाई अतिक्रमण को हटाने के लिए गुरुवार को ग्राम पंचायत सरपंच मन्नी देवी ने दुकानदारों को नोटिस दिया हैं। ग्राम विकास अधिकारी विजय कुमार ने बताया कि 2 मई को दुकानदारों द्वारा कस्बे में हो रहे कच्चे पक्के अतिक्रमण को हटाने के लिए नारायणपुर उपखंड अधिकारी को लिखित ज्ञापन दिया गया था। ज्ञापन में बताया गया कि मुख्य सडक (52) पर नाले से बाहर सडक पर दुकानदारों द्वारा टेबल, मेज, टीनसैड, सामान, साइन बोर्ड, रेहडी ठेली, खोखा आदि लगाकर अतिक्रमण किया गया हैं। जिससे आमजन को आवागमन में असुविधा होने के साथ ही यातायात बाधित होता हैं और दुर्घटना की संभावना बनी रहती हैं। अस्थाई अतिक्रमण हटाने के लिए ग्राम पंचायत सरपंच मन्नी देवी ने गुरुवार को 116 दुकानदारों को नोटिस दिया है। शुक्रवार को बचे हुए दुकानदारों को ग्राम पंचायत द्वारा नोटिस दिया जायेंगा। सरपंच मन्नी देवी ने बताया कि नाले से बाहर स्थाई अस्थाई अतिक्रमण को 3 दिन में नही हटाया तो प्रशासन द्वारा हटाने की कार्रवाई की जायेंगी।

दो सड़क हादसों में आधा दर्जन घायल

मालपुरा, (निसं)। अजमेर किशनगढ स्टेट हाईवे व दूदू छाण स्टेट हाईवे पर गुरूवार को हुये अलग-अलग सडक हादसों में आधा दर्जन महिला - पुरूष घायल हो गये। टोडारोड कृपाल भैरू के पास बाईक फिसलने से एक महिला-पुरूष घायल हो गये तो अजमेर सडक मार्ग पर बागडी के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से बाईक सवार लाम्बाहरिसिंह निवासी सचिन, सरलाल, प्रियंका, बन्ना, घायल हो गये। हादसे की सूचना पर 108 एम्बूलेंस के साथ पहुंचे पायलट बनवारी लाल मीणा व ईएमटी संजय व्यास ने घायल को मौके पर प्राथमिक उपचार दे तत्काल राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मालपुरा में उपचार के लिये भर्ती करवाया।

बुस्टर जप्त कर काटे अवैध कनेक्शन

मालपुरा, (निसं)। जलदाय विभाग द्वारा अवैध नल कनेक्शनों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत गुरूवार को कनिष्ठ अभियंता हंसा चौधरी के नेतृत्व मे गठित टीम ने चांदसेन पंचायत की कुमावतो की ढाणी मे कार्यवाही कर अवैध नल कनेक्शनों के साथ-साथ अवैध रूप से लाईन मे सीधा बुस्टर लगा पानी का दोहन करते पाये जाने पर मौके से दो बुस्टर जप्ती की कार्यवाही की गई। कनिष्ठ अभियंता ने बताया कि जिन उपभोक्ताओं की बिल राशि बकाया चल रही है वो उपभोक्ता 31 मई तक एक मुश्त राशि जमा करवाने पर छुट का लाभ ले सकता है। वही टीम ने बकाया बिल धारक उपभोक्ता को 31 मई तक बकाया राशि जमा करवाने के लिये नोटिस थमाया गया।

ई-मित्र संचालक एक लाख की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) मुख्यालय की विशेष अनुसंधान टीम (एस.आई.यू.) जयपुर ने गुरुवार को कार्यालय ग्राम पंचायत लसाडिया पंचायत समिति फागी जिला जयपुर के ई-मित्र संचालक विश्राम गुर्जर को परिवादी से एक लाख रुपये की रिश्वत राशि लेते गिरफ्तार किया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो पुलिस महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरडा ने बताया कि एसीबी की विशेष अनुसंधान इकाई (एस.आई.यू.) जयपुर को परिवादी ने शिकायत दी कि उसके पिता की मृत्यु होने पर श्रमिक डायरी के आधार पर श्रम विभाग से क्लेम पास करवाने की एवज में ई-मित्र संचालक विश्राम गुर्जर की ओर से एक लाख रुपये की रिश्वत राशि की मांग कर रहा है। एसीबी की विशेष अनुसंधान टीम (एस.आई.यू.) जयपुर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप सारस्वत के निर्देशन में शिकायत का सत्यापन कर ट्रेप की कार्रवाई करते हुए ई-मित्र संचालक विश्राम गुर्जर को एक लाख रुपये (तीस हजार रुपये भारतीय मुद्रा एवं सत्तर हजार रुपये डमी करेंसी) रिश्वत राशि लेते गिरफ्तार किया गया है।

विराट कोहली सबसे बेहतरीन बल्लेबाज है। पिछले साल आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप में विराट कोहली ने कई रिकॉर्ड अपने नाम किए थे।वह टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। 2021 में वनडे वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे। - **युवराज सिंह**

भारत के दिग्गज ऑलराउंडर, कोहली के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

वनिंदु हसरंगा

श्रीलंका ने वेस्टइंडीज और अमेरिका की मेजबानी में अगले महीने शुरू होने वाले टी-20 विश्वकप के लिए वनिंदु हसरंगा को टीम का कप्तान बनाया है। श्रीलंका टी-20 विश्वकप में ग्रुप डी में बंगलादेश, नेपाल, नीदरलैंड्स और दक्षिण अफ्रीका के साथ है। श्रीलंका अपना पहला मुकाबला तीन जून को न्यूयार्क में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलेंगा। इसके बाद उन्हें दल्लास में आठ जून को अगला मैच खेलेंगे। उनके आखिरी दो ग्रुप मैच फ्लोरिडा में 12 जून को नेपाल के साथ और 18 जून को सेंट लूसिया में नीदरलैंड्स के खिलाफ खेलेंगे।

क्या आप जानते हैं ?... 8 दिसंबर 1981 को ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच निर्धारित मैच विद्युत कर्मचारियों की हड़ताल के कारण रद्द कर दिया गया था।

पंजाब आईपीएल की प्लेऑफ रेस से बाहर, बेंगलुरु ने 60 रन से हराया

विराट कोहली शतक से चूके, सिराज को तीन विकेट मिले, बेंगलुरु की लगातार चौथी जीत

धर्मशाला 9 मई। पंजाब किंग्स इंडियन प्रीमियर लीग (2024) में गुरुवार को प्लेऑफ रेस से बाहर हो गई। टीम को अपने होमग्राउंड धर्मशाला में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 60 रन से हराया। इस जीत से बेंगलुरु ने अपने प्लेऑफ में क्वालिफाई होने की उम्मीदों को बरकरार रखा।

स्टेडियम में पंजाब ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। ने 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 241 रन बनाए। विराट कोहली ने 92, रजत पाटीदार ने 55 और कैमरन ग्रीन ने 46 रन बनाए। पंजाब से हर्षल पटेल ने 3 और विद्वत कवेरप्पा ने 2 विकेट लिए। पंजाब किंग्स 17 ओवर में 181 रन बनाकर सिमट गई। टीम से राइली रुसो ने 61 रन बनाए। वहीं शशांक सिंह 37, जॉनी बेयरस्टो 27 और सैम करन 22 ही रन बना सके। बेंगलुरु से मोहम्मद सिराज ने 3 विकेट झटके। कर्ण शर्मा, स्वप्निल सिंह और लॉकी फर्ग्यूसन ने 2-2 विकेट लिए।

आज यहां हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में पंजाब किंग्स के कप्तान सैम करन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की शुरुआत खराब रही और उसने तीसरे ओवर में ही कप्तान फाफ डुप्लेसी (9) का विकेट गवां दिया। उन्हें विधवत कावेरप्पा ने आउट किया। इसके बाद पांचवें ओवर में विधवत कावेरप्पा ने विल जैक्स (12) को भी शशांक के हाथों कैच आउट कराकर पवेलियन भेज दिया। विराट कोहली और रजत पाटीदार ने पारी को संभाला और तीसरे विकेट के लिये 76 रनों की साझेदारी की। पाटीदार ने 23 गेंदों में तीन चौके और छह छक्कों की मदद से तूफानी अंदाज में 55 रन बनाये। वहीं विराट कोहली ने 47 गेंदों में सात चौके और छह छक्के लगाते हुए 92 रनों की पारी खेली। दिनेश कार्तिक (18), महिपाल लोमरोर (शून्य) पर आउट हुये।

बजरंग पुनिया को विश्व कुश्ती महासंघ ने एक साल के लिए किया सस्पेंड

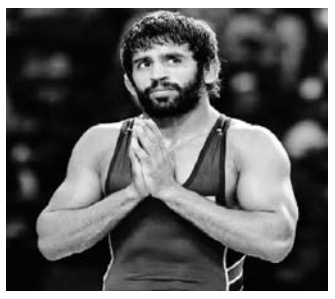

नई दिल्ली, 9 मई। पहलवान बजरंग पुनिया की मुश्किल कम होने की बजाय लगातार बढ़ती जा रही है। वहीं अब उनके सैंपल देने से इनकार करने के मामले में द्वारा अस्थायी निलंबित किए जाने के बाद अब विश्व कुश्ती महासंघ ने भी उन्हें इस साल के अंत तक सस्पेंड कर दिया है। हालांकि, भारतीय खेल प्राधिकरण ने के आदेश के बावजूद विदेश में उनकी ट्रेनिंग के लिए लगभग 9 लाख रुपये की मंजूरी दी है।

बता दें कि, देश के सबसे सफल पहलवानों में से एक बजरंग को नाडा ने 23 अप्रैल को निलंबित किया था। उन्हें इससे पहले 18 अप्रैल को रहने के स्थान संबंधी नियम के उल्लंघन के लिए नोटिस जारी किया गया था। अपने बचाव में टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता बजरंग ने कहा था कि उन्होंने कभी परीक्षण के लिए नमूना देने से इनकार नहीं किया लेकिन डोप नियंत्रण अधिकारी से सिर्फ इतना पूछा कि वह नमूना लेने के लिए लाई गई 'एक्सपायर्ड किट' के बारे में विस्तार से बताएं।

बजरंग ने पीटीआई को बताया कि उन्हें यूडब्ल्यूडब्ल्यू से निलंबन के बारे में कोई सूचना नहीं मिली है लेकिन वैश्विक संचालन संस्था ने अपनी आंतरिक प्रणाली में अपडेट करते हुए स्पष्ट तौर पर जिक्र किया है कि वह निलंबित हैं। बजरंग के नवीनतम परिचय के अनुसार, "उपरोक्त कारण से 31 दिसंबर 2024 तक निलंबित।" इसमें कहा गया है, "कथित एडीआरवी (डोपिंग रोधी नियम का उल्लंघन) के लिए नाडा भारत द्वारा अस्थाई तौर पर निलंबित।" रोचक बात यह है कि मिशन ओलंपिक प्रकोष्ठ (एमओसी) को 25 अप्रैल की उसकी बैठक में सूचित किया गया कि बजरंग को रूस के दागेस्तान में 28 मई से ट्रेनिंग के उनके प्रस्ताव के लिए उड़ान किराए (वास्तविक) के अलावा आठ लाख 82 हजार रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

एमओसी बैठक की जानकारी के अनुसार बजरंग का शुरुआती प्रस्ताव 24 अप्रैल से 35 दिवसीय ट्रेनिंग का था लेकिन रहने के स्थान संबंधी नियम में विफलता के कारण विरोधाभासी यात्रा तारीखों को देखते हुए उन्होंने अपनी यात्रा को 24 अप्रैल 2024 से 28 मई 2024 तक टालने का फैसला किया। इस प्रस्ताव में उनके स्ट्रैथ एवं अनुकूलन कोच काजी किरोन मुस्तफा हसन और उन्हें ट्रेनिंग कराने वाले जोड़ीदार जितेंदर की यात्रा भी शामिल थी।

साइ महानिदेशक संदीप प्रधान और टॉप्स (टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना) के सीईओ कर्नल राकेश यादव ने उनकी ट्रेनिंग को स्वीकृति देने के फैसले के संदर्भ में पीटीआई के फोन या एसएमएस का कोई जवाब नहीं दिया। बजरंग ने पुष्टि की कि उन्होंने साइ को स्वीकृति के लिए प्रस्ताव भेजा था। उन्होंने साथ ही कहा कि उनका वकील नाडा को जवाब देगा। उन्होंने कहा, "मैं हैरान हूं कि साइ ने इसे स्वीकृति दे दी। मैंने असल में अपनी योजना रद्द कर दी है।

हॉकी प्रो. लीग के यूरोप चरण के लिए भारतीय 24 सदस्यीय टीम घोषित

नई दिल्ली, 9 मई। 22 मई से एफआईएच हॉकी प्रो लीग का आगाज होने जा रहा है। वहीं यूरोप चरण के लिए भारत की 24 सदस्यीय टीम की घोषणा हो चुकी है। जहां इस टीम की अगुवाई हरमनप्रीत सिंह करेंगे। वहीं भारत यूरोप चरण में कुल 8 मैच खेलेगा, टीम दो चरण के टूर्नामेंट में अर्जेन्टीना, बेल्जियम, जर्मनी और ग्रेट ब्रिटेन से दो-दो मैच खेलेगी। पहला चरण 22 से 30 मई तक बेल्जियम के एंटवर्प में होगा जबकि दूसरा चरण लंदन में एक से 12 जून तक खेला जाएगा।

यह 26 जुलाई से शुरू हो रहे पेरिस ओलंपिक के लिए भारत की तैयारी के लिए काफी अहम प्रतियोगिता होगी और मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन को टीम को खेलों के महाकुंभ के लिए तैयार करने का मौका देगी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसी की सरजमीं पर पांच टेस्ट की सीरीज में 0-5 की हार के बाद भारतीय टीम इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेगी। भारत प्रो लीग तालिका में अभी आठ मैच में 15 अंक के साथ तीसरे स्थान पर है। नीदरलैंड 12 मैच में 26 अंक के साथ शीर्ष पर है जबकि ऑस्ट्रेलिया के आठ मैच में 20 अंक हैं।

आईपीएल के बाद दिव्यांगों के वर्ल्ड कप की तैयारी में जुटी नवाब नगरी

लखनऊ, 9 मई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की हाल ही में सफल मेजबानी के बाद क्रिकेट के दीवाने शहर लखनऊ में अब दिव्यांगों के विश्वकप की तैयारी शुरु हो चुकी है। नवाब नगरी में पहली बार आयोजित होने वाले दिव्यांग विश्वकप में पाकिस्तान और श्रीलंका समेत दुनिया की चुनिंदा आठ टीमें हिस्सा लेंगे। विश्वकप की सटीक तारीखों का ऐलान फिलहाल नहीं किया गया है मगर जोश खरोश से भरे दिव्यांग क्रिकेटरों का जलवा नवंबर महीने में देखने को मिल सकता है।

आयोजकों का कहना है कि खेल मंत्रालय से विश्वकप के आयोजन की अनुमति मिलने के बाद क्रिकेट खेलने वाले देशों से टीम भेजने के लिये संपर्क शुरु कर दिया गया है जिसमें से पाकिस्तान समेत कई मुल्कों ने आयोजन के प्रति अपनी गहरी दिलचस्पी का इजहार किया है। विश्व कप के आयोजन की घोषणा गुरुवार को दिव्यांग क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ऑफ इंडिया (डीसीसीबीआई) और एयूएम स्पोर्टेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड ने गुरुवार को यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में की।

एयूएम स्पोर्टेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक और साईं बाबा के नाम से मशहूर अभिनेता दूरदर्शी औशिम खेत्रपाल और डीसीसीबीआई के संस्थापक और महासचिव हारून रशीद ने बताया कि टूर्नामेंट में मेजबान भारत सहित चुनिंदा आठ टीमें दो पूलों में प्रतिस्पर्धा करेंगी जिनके मध्य फाइनल सहित कुल 15 मैच होंगे जो लखनऊ वासियों के लिए किसी बोनांजा से कम नहीं होगा और निश्चित रूप से दुनिया भर के दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देगा। उन्होंने बताया कि पहले दिव्यांग क्रिकेट वर्ल्ड कप में भाग लेने के लिए श्रीलंका, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और केन्या सहित कुल 17 टीमों ने रूचि दिखाई है जिनमें आठ टीमों को इंट्री दी जायेगी। हारून रशीद ने बताया कि भारतीय दिव्यांग टीम ने हाल ही में प्रतिष्ठित एशिया कप जीतकर अपना लोहा मनवाया है। इसके साथ ही अब तक खेले गए 124 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में से भारतीय टीम ने 100 मैच जीते हैं।

उन्होंने बताया कि डीसीसीबीआई की स्थापना 2008 में की गई थी और इसके बाद से संस्था ने दिव्यांग क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए अटूट समर्पण का प्रदर्शन किया है। वहीं दूरदर्शी औशिम खेत्रपाल के मार्गदर्शन में इस संयुक्त आयोजन का उद्देश्य वैश्विक स्तर पर क्रिकेट और समावेशिता की भावना को प्रदर्शित करना है।

दोहा डायमंडल लीग के जरिये ओलंपिक की तैयारी शुरू करेंगे नीरज चोपड़ा और किशोर जेना

दोहा, 9 मई। ओलंपिक चैम्पियन नीरज चोपड़ा शुक्रवार को दोहा डायमंडल लीग के एक दिवसीय पहले चरण के जरिये पेरिस ओलंपिक की अपनी तैयारियां शुरू करेंगे। मौजूदा विश्व और एशियाई खेल चैम्पियन भारत के भालाफेंक स्टार चोपड़ा का सामना पूर्व विश्व चैम्पियन ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स और ओलंपिक तथा विश्व चैम्पियनशिप पदक विजेता चेक गणराज्य के याकूब वालेश से होगा। एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता भारत के किशोर जेना डायमंड लीग में पदार्पण करेंगे। उनका सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत प्रदर्शन 87. 54 मीटर है जबकि चोपड़ा का सर्वश्रेष्ठ 89. 94 मीटर है जो राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है।

यूरोपीय चैम्पियन जर्मनी के जूलियन वेबर भी दस खिलाड़ियों में शामिल है जो लीग में उतरेंगे। इसके बाद लीग का दूसरा चरण 19 मई को मोरक्को में होगा। चोपड़ा यहां गत चैम्पियन भी हैं जिन्होंने 2023 में वालेश और पीटर्स को हराया था। चोपड़ा ने भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा जारी विज्ञप्त में कहा ," सफलता टीमवर्क पर निर्भर करती है। मेरे कोच और फिजियो का अपार योगदान है। कोच मेरी तकनीक की समीक्षा करते हैं और बताते हैं कि मेरे अनुकूल क्या होगा। हमारे पास स्ट्रेंथ ट्रेनिंग विशेषज्ञ भी है।" पीटर्स ने 2022 में यहां 93 . 07 का थ्रो फेंका था। वहीं तोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता वालेश 2023 डायमंड लीग चैम्पियन है और यहीं पर 2022 में उन्होंने 90 . 88 मीटर का थ्रो फेंका था।

भारत में खेलना मेरे लिए अच्छा रहेगा, लेकिन वहां कई समारोह भी होंगे : नीरज चोपड़ा

दोहा, 9 मई। अभ्यास के कारण अधिकतर विदेश में रहने वाले ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा ने गुरुवार को स्वीकार किया कि उनकी स्टार खिलाड़ी की छवि भारत में उनके अभ्यास और प्रतिस्पर्धा में रोड़ा बन जाती है। मौजूदा विश्व और एशियाई खेलों के चैंपियन 26 वर्षीय चोपड़ा शुक्रवार को यहां डायमंड लीग के पहले चरण में हिस्सा लेंगे।

चोपड़ा ने प्रतियोगिता से पहलेसंवाददाता सम्मेलन में कहा, "मेरे लिए मेरा खेल सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। अगर मैं भारत में खेलता हूं तो यह मेरे प्रोफाइल के लिए अच्छा होगा लेकिन वहां कई समारोह और विवाह समारोह भी हैं। इसके अलावा मैं अपने परिवार और दोस्तों से भी मिलना चाहता हूं, लेकिन यह ओलंपिक वर्ष है और मेरे लिए अभ्यास करना सबसे अधिक महत्वपूर्ण है।" उन्होंने कहा," तोक्यो ओलंपिक से पहले मैं भारत में ही अभ्यास करता था लेकिन अभी मैं केवल अपने खेल पर ध्यान देना चाहता हूं। मैं बाद में भारत में अभ्यास करूंगा।"

चोपड़ा यहां से भारत जाएंगे जहां वह भुवनेश्वर में 12 से 15 मई के बीच होने वाले फेडरेशन कप में भाग लेंगे। पिछले तीन साल में यह पहला अवसर होगा जबकि वह भारत में किसी प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। वह जानते हैं कि भारत में उनका चेहरा जाना पहचाना है और उनकी उपस्थिति से किस तरह से देश में उनके खेल का महत्व बढ़ा। उन्होंने कहा,"यह विराट कोहली या महेंद्र सिंह धोनी जैसे क्रिकेटरों की तरह नहीं है लेकिन काफी लोग मुझे जानते हैं। मैं कभी-कभी भारत जाता हूं और लोग मुझे जानते हैं जो एथलेटिक्स के लिए अच्छा है। लोग एथलेटिक्स के बारे में जानते हैं और ओलंपिक स्वर्ण पदक के कारण एथलेटिक्स का अनुसरण करते हैं।"

अभिषेक शर्मा भारतीय क्रिकेट के लिये उम्दा प्रतिभा है : ट्रेविस हेड

हैदराबाद, 9 मई। लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ आईपीएल के इतिहास में लक्ष्य का पीछा करने का रिकॉर्ड बनाने वाले आस्ट्रेलिया के विस्फोटक बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने अभिषेक शर्मा को भारतीय क्रिकेट के लिये बेहतरीन प्रतिभा बताया है।

हेड (30 गेंद में नाबाद 89) और शर्मा (28 गेंद में नाबाद 75) ने 166 रन का लक्ष्य 9 . 4 ओवर में हासिल कर लिया। यह पुरूषों के टी10 क्रिकेट में दस ओवरों में रिकॉर्ड स्कोर है। हेड ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा ," अभि के साथ साझेदारी बेहतरीन थी। वह भारतीय क्रिकेट के लिये रोमांचक प्रतिभा है। हमारा तालमेल जबर्दस्त था और उसके साथ

खेलने में बहुत मजा आया। वह इतना ऊर्जावान है और अपने खेल को लेकर काफी सोचता है।"

अगले महीने वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले विश्व कप से पहले हेड ने आईपीएल में 11 पारियों में 201.89 की स्ट्राइक रेट से 533 रन बना लिये हैं। हेड ने कहा, "आप हमेशा लगातार अच्छा खेलना चाहते हैं। अच्छा खेलकर सुखद अनुभूति होती है। यह वेस्टइंडीज में भी अच्छे प्रदर्शन की गारंटी नहीं है लेकिन इससे मेरा आत्मविश्वास बढा है। वेस्टइंडीज में स्पिनरों को खेलना होगा और विकेट कठिन हो सकते हैं। मुझे खुशी है कि मैं स्पिन को बखूबी खेल सका।

शर्मनाक हार के बाद केएल राहुल पर भड़के लखनऊ के मालिक

हैदराबाद, 9 मई। बुधवार को आईपीएल 2024 मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स को सनराइजर्स हैदराबाद के हाथों शर्मनाक हार झेलनी पड़ी। केएल राहुल की अगुवाई में एलएसजी को 10 विकेट से हार मिली। लखनऊ के गेंदबाज हैदराबाद की बेहतरीन जोड़ी ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा को रोकने में नाकामयाब रहे। जिसके बाद लखनऊ सुपर जायंट्स के मालिक संजीव गोयनका काफी नाराज दिखे। इस दौरान उनका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर लगातार वायरल हो रहा है जिसमें वो कप्तान केएल राहुल के साथ बहस करते दिख रहे हैं। दरअसल, संजीव गोयनका अपनी टीम की इस हार से बेहद खफा हैं और वो केएल राहुल पर बहुद नाराज दिख रहे थे। उन्हें केएल राहुल से बहस करते हुए भी देखा जा सकता है।

सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से हुई अविश्वसनीय बल्लेबाजी : राहुल

हैदराबाद, 9 मई। लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान के एल राहुल ने कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 57वें मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद के ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा की सलामी जोड़ी ने जिस तरह की अविश्वसनीय बल्लेबाजी की उसे देकर ऐसा लगा रहा था कि इनके लिए 250 का स्कोर भी कम पड़ जाता।

लखनऊ और हैदराबाद के बीच बुधवार को खेले गये मैच के बाद राहुल ने कहा, मेरे पास शब्द नहीं हैं। हमने इस तरह की बल्लेबाजी टीवी में देखी थी, लेकिन आज जो हुआ वह अविश्वसनीय था। मैं इसे शब्दों में बयां नहीं कर सकता कि वह दोनों (हेड और अभिषेक) कितने बढ़िया ढंग से गेंद को हिट कर रहे थे। हर गेंद उनके बल्ले के बीचों

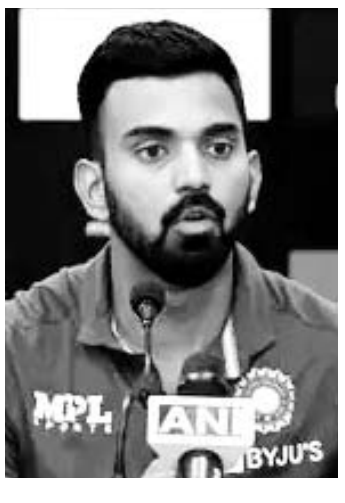

बीच जाकर लग रही थी और मुझे लगता है कि बड़े शॉट्स लगाने की इस क्षमता के पीछे उनकी कड़ी मेहनत छुपी हुई है।

राहुल ने कहा कि उनकी टीम ने बेहद कम स्कोर बनाया था। राहुल के अनुसार अगर उनकी टीम ने स्कोरबोर्ड पर 250 का आंकड़ा छू लिया होता तब भी संभव है कि हैदराबाद उस लक्ष्य को हासिल कर लेती। हैदराबाद के बल्लेबाजों के सामने लखनऊ का तेज गेंदबाजी आक्रमण विफल साबित हुआ, वहीं स्पिनर्स का प्रदर्शन भी संतोषजनक नहीं रह पाया। प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड लेने के दौरान हेड ने कहा, स्पिन पर मैंने पिछले कुछ समय से काफी मेहनत की है। वेस्टइंडीज में होने वाले आगामी टी-20 विश्वकप में भी स्पिन का काफी रोल रहने वाला है।

मनिका बत्रा सऊदी स्मैश टूर्नामेंट में हिला एकल क्वार्टरफाइनल में हारी

जेद्दा, 9 मई। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा को गुरुवार को सऊदी स्मैश टूर्नामेंट के महिला एकल क्वार्टरफाइनल मुकाबले में जापान की पूर्व एशियाई चैंपियन हिना हयाता के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। इसके साथ ही टूर्नामेंट में भारतीय अभियान समाप्त हो गया है।

आज यहां किंग अब्दुल्ला स्पोर्ट्स सिटी के इनफिनिटी एरिना में मनिका बत्रा को 39 मिनट चले मुकाबले में हिना हयाता ने 4-1 (11-7, 6-11, 4-11,11-13,2-11) से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि भारतीय टेबल टेनिस खिलाडी ने अपने मजबूत फोरहैंड का अच्छा इस्तेमाल करते हुए शुरुआती बढ़त हासिल की, लेकिन हयाता ने फ्लैट रिटर्न के साथ बत्रा से लगातार गलतियां करवाते हुए बाद के चार गेम जीत लिए। इस हार के साथ ही सऊदी स्मैश 2024 में भारतीय अभियान समाप्त हो गया। उल्लेखनीय है कि सऊदी स्मैश में बत्रा का प्रदर्शन उन्हें पहली बार एकल रैंकिंग में शीर्ष 30 में ले जाएगा। मनिका ने पिछले वर्ष की शुरुआत में सर्वश्रेष्ठ एकल रैंकिंग 33 हासिल की थी।

एफआईएच हॉकी प्रो. लीग के लिये भारतीय टीम घोषित

नई दिल्ली, 9 मई। बेल्जियम और इंग्लैंड में आगामी 22 मई से शुरू होने वाली एफआईएच हॉकी प्रो. लीग 2023-24 के लिये 24 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा कर दी गयी। बेल्जियम चरण की शुरुआत 22 मई को होगी जिसका समापन 30 मई को होगा जबकि इंग्लैंड चरण एक जून को शुरू होकर 12 जून को समाप्त होगा। भारत 22 मई को अर्जेंटीना के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करते हुए दोनों चरणों में अर्जेंटीना, बेल्जियम, जर्मनी और ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ दो-दो बार खेलेगा। भारत फिलहाल आठ मैचों में 15 अंकों के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है। टीम की कमान कप्तान हरमनप्रीत सिंह संभालेंगे जबकि मिडफील्डर हार्दिक सिंह को उपकप्तान बनाया गया है। गोलकीपिंग की जिम्मेदारी पीआर श्रीजेश और कृष्ण बहादुर पाठक पर होगी, जबकि रक्षा पंक्ति में जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, हरमनप्रीत सिंह, सुमित, संजय, जुगराज सिंह और विष्णुकांत सिंह शामिल हैं।

मिडफ़ील्ड में विवेक सागर प्रसाद, नीलकंठ शर्मा, मनप्रीत सिंह, शमशेर सिंह, हार्दिक सिंह, राजकुमार पाल और मोहम्मद जैसे खिलाड़ी होंगे।

टीम चयन पर बोलते हुए मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, हम शिविर में कड़ी ट्रेनिंग कर रहे हैं और एक-दूसरे के गेमप्ले की समझ विकसित की है। पेरिस ओलंपिक से पहले, हम शीर्ष गुणवत्ता वाली टीमों के खिलाफ खेलेंगे जिससे हमें अपने खेल को बेहतर बनाने और बेहतर प्रदर्शन करने में मदद मिलेगी।

गुजरात को हराकर प्लेऑफ का दावा पुख्ता करने उतरेगी चेन्नई

गुजरात, 9 मई। चोटों और अंतरराष्ट्रीय व्यस्तताओं के कारण प्रमुख खिलाड़ियों के बाहर होने के बावजूद चेन्नई सुपर किंग्स शुक्रवार को आईपीएल के 12वें दौर के मुकाबले में गुजरात टाइटंस को हराकर प्लेऑफ का अपना दावा पुख्ता करने के इरादे से उतरेगी। चेन्नई के 11 मैचों में 12 अंक है और गुजरात पर जीत उसके लिये बहुत महत्वपूर्ण होगी क्योंकि प्लेआफ में उसकी जगह अभी भी पक्की नहीं है और एक हार उस पर भारी पड़ सकती है। दीपक चाहर और मथीषा पथिराना चोटों के कारण टूर्नामेंट से बाहर हैं जबकि मुस्ताफिजूर रहमान बांग्लादेश के लिये खेलने चले गए हैं। अब चेन्नई के तीनों स्पिनरों रविंद्र जडेजा, मिशेल सेंटनेर और मोईन अली पर आक्रमण का दारोमदार होगा। चेन्नई ने धर्मशाला में पंजाब किंग्स के खिलाफ जिस तरह 167 रन बनाने के बाद मैच जीता, उससे प्रशंसकों की उम्मीदें बंधी होगी। गुजरात को हराकर चेन्नई अंकतालिका में सनराइजर्स हैदराबाद से ऊपर तीसरे स्थान पर पहुंच जायेगी। अभी तक जिन तीन टीमों के 12 अंक हैं , उनमें चेन्नई (प्लस 0 . 700) का रनरेट सबसे अच्छा है। गुजरात के 14 अंक हैं और वह दौड़ से पूरी तरह बाहर नहीं है।

गुजरात टाइटंस कैंसर जागरूकता के लिए लैवेंडर जर्सी के साथ मैदान में उतरेगी

अहमदाबाद, 9 मई। इंडियन प्रीमियर लीग के 63वें मुकाबले में गुजरात टाइटंस की टीम लगातार दूसरे वर्ष कैंसर के प्रति जागरुकता बढ़ाने के लिए 13 मई को कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ घरेलू मैदान पर आखिरी मुकाबले में विशेष लैवेंडर जर्सी पहनकर मैदान पर उतरेगी।

गुजरात टाइटन्स के सीओओ कर्नल अरविंदर सिंह ने कहा, कैंसर अनगिनत जिंदगियों को प्रभावित करता है और इसके लिए लैवेंडर जर्सी हमारी ओर से एक छोटा सा प्रयास है। जर्सी कैंसर रोगियों और उबरे लोगों के लिए हमारे समर्थन का प्रतीक है। कैंसर के खिलाफ लड़ाई जीतने के लिए निवारक उपायों और शीघ्र निदान की आवश्यकता है। हम अपने प्रशंसकों के साथ मिलकर कैंसर से प्रभावित लोगों के जीवन में एक सार्थक बदलाव लाने की उम्मीद करते हैं। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने कैंसर जागरुकता पर बल देते हुए कहा, खिलाड़ी के रूप में हम अपने प्रशंसकों और समुदाय के प्रति अपनी सामाजिक जिम्मेदारी के बारे में जानते हैं।

भारतीय महिला टीम ने बांग्लादेश को 21 रनों से हराकर श्रृंखला 5-0 से जीती

सिलहट, 9 मई। दयालन हेमलता (37) और स्मृति मंधाना (33) रनों की पारियों और उसके बाद गेंदबाजी में राधा यादव के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने गुरुवार को पांचवें टी-20 मैच में बंगलादेश की टीम को 21 रन से हराते हुए श्रृंखला 5-0 से अपने नाम कर ली है।

आज यहां टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने बंगलादेश को 157 रनों का लक्ष्य दिया। भारत ने पांचवें ओवर में शफाली वर्मा (14) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद आठवें ओवर में स्मृति मंधाना 25 गेंदों में (33) रन बनाकर पवेलियन लौट गयी। दयालन हेमलता 28 गेंदों मे दो चौके और दो छक्के लगाते हुये सर्वाधिक (37) रन बनाये। हरमप्रीत कौर (30) और रिचा घोष 28 रन बनाकर नाबाद रही।भारतीय टीम ने निर्धारित 20 ओवर में पांच विकेट पर 156 रन बनाये।

बंगलादेश की ओर से राबेया खान और नाहिदा अख्तर ने दो-दो विकेट लिये। सुल्ताना खातून ने एक बल्लेबाज को आउट किया। 156 रनों के जवाब में मेजबान बंगलादेश की टीम के बल्लेबाजों का निराशाजनक प्रदर्शन रहा और वे भारतीय गेंदबाजी के आगे खुलके नहीं सके। बंगलादेश की टीम निर्धारित 20 ओवर में छह विकेट पर 135 रन ही बना सकी और मुकाबला 21 रन से हार गई। बंगलादेश का पहला विकेट तीसरे ओवर में शोबना मोस्तारी (13) के रूप में गिरा।

अगले ही ओवर में दिलारा अख़्तर (4) रन बनाकर पवेलियन लौट गई। रूबया हैदर (20), निगार सुल्ताना(7), शोरना अख्तर (1) और ऋतु मोनी (37) रन बनाकर आउट हुई। शोरिफा खातून (28) और राबेया खान (14) बनाकर नाबाद रही। ऋतु मोनी और शोरिफी बंगलादेश की महिला टीम के लिए छठे विकेट के लिये सबसे बड़ी 57 रन की साझेदारी की। भारत की ओर से राधा यादव ने सर्वाधिक तीन विकेट लिये। सोभना आशा को दो विकेट मिले। तितास साधु ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

'लम्बी फेहरिस्त होती जा रही है, उन लोगों की जो, मोदी को और भाजपा को राइट ऑफ करना चाहते हैं'

पर, क्या वाकई मोदी व भाजपा इतने संकट में हैं, राजनीतिक दृष्टि से?

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 मई। क्या मोदी सरकार की संभावनाएं 2024 के चुनावों में औंधे मुंह गिर रही हैं?

पहले तीन चरणों के मतदान से संकेत मिलता है कि प्रधानमंत्री मोदी परेशानी में हैं। वे लगातार विभाजनकारी मुद्दे उठा रहे हैं और वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटका रहे हैं। क्योंकि जो सवाल उठाए जा रहे हैं, प्रधानमंत्री के पास इन सवालों के जवाब नहीं है।

प्रधानमंत्री लगातार हिंदू मुस्लिम का मुद्दा उठा रहे हैं, जो वे हर चुनाव में करते हैं पर इस बार आम जनता में इस मुद्दे के प्रति कोई उत्साह नहीं है।

मोदी अपने नारे "अबकी बार 400 पार" के जाल में फंस गए हैं। यह नारा मोदी और शाह की देन है और अब यह उन्हीं के गले की घंटी बन गया है।

- शौकिया मनोवैज्ञानिकों ने कारण ढूँढ़ लिये हैं कि, मोदी बार-बार क्यों हिन्दू-मुस्लिम दुराव की बात कर रहे हैं।
- पर, एक बात यह भी है कि, क्या मोदी केवल पार्टी के कार्यकर्ता का मनोबल ऊंचा रखने के लिए अगली सरकार बनाने का दंभ भर रहे हैं या कोई ठोस स्कीम या प्लान है, जो शुरु के नतीजे भाजपा के माफिक हों।
- आर.एस.एस. व भाजपा के बीच मतभेद की बात भी क्या केवल मियाँ-बीवी के बीच रूठने मनाने का क्रम है और अंततोगत्वा वे एक हैं और एक ही रहेंगे हिन्दुत्व की रक्षा में।

कांग्रेस ने संविधान बदलने के उनके इरादों के खिलाफ इतना भारी प्रचार किया कि वह जनता के दिलो दिमाग में बैठ गया।

दूसरा मुद्दा है दलितों, ओ.बी.सी. व अन्य का आरक्षण। विपक्ष का कहना है कि भाजपा की योजना आरक्षण खत्म करने की है। ये सबसे बड़े मुद्दे बन गए हैं। हालांकि भाजपा इन मुद्दों, जो उसे चुनाव में नुकसान पहुंचाने वाले हैं, से ध्यान हटाने की पूरी कोशिश कर रही है।

महत्वपूर्ण बात यह है कि आर.एस.एस. के कार्यकर्ता घर बैठे हैं, यह बात भाजपा के लिए काफी खतरनाक है क्योंकि आर.एस.एस. कार्यकर्ता भाजपा की ताकत है। भाजपा कार्यकर्ता भी चुप बैठे हैं और वोटों को सक्रिय करने के लिए कुछ नहीं कर रहे हैं क्योंकि मोदी सुपर पावर की तरह काम करते हैं और अगर जरुरत ना हो तो कार्यकर्ताओं की उपेक्षा करते हैं।

एक महत्वपूर्ण बात यह है कि समाज का गरीब तबका किसान, मजदूर आदि चुप बैठे हैं और यह नहीं बता रहे हैं कि उन्होंने किसको वोट दिया है,

अल्पसंख्यक भी इस बार विभाजित नहीं है और वे उस प्रत्याशी को वोट दे रहे हैं जो भाजपा को हरा सकता है।

परिवर्तन दिख रहा है और जमीनी स्तर से मिल रही रिपोर्ट्स से ऐसा लगता है कि, नरेन्द्र मोदी मुश्किल में नहीं बल्कि बड़ी मुश्किल में हैं।

मु.मंत्री भजनलाल ने वारंगल में जनसभा की

वारंगल, 9 मई (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को तेलंगाना के वारंगल में भाजपा प्रत्याशी अरूरी रमेश के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि, कांग्रेस ने देश को लूटने एवं बांटने का काम किया है। कांग्रेस ने तुष्टिकरण की सारी सीमाएं पार कर दी हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि, कांग्रेस द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री स्व. नरसिम्हा राव के किए गए अपमान को वारंगल की जनता भूली नहीं है। वहीं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार ने स्व. नरसिम्हा राव को भारत रत्न से विभूषित किया है। उन्होंने कहा कि, तेलंगाना की जनता कांग्रेस के कुशासन और भ्रष्टाचार से त्रस्त है। यहां कारोबारियों और उद्यमियों को परेशान किया जा रहा है और भ्रष्टाचार का डबल आर टैक्स लगता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि, इस लोकसभा चुनाव में एक तरफ देश को लूटने वाले हैं तो दूसरी तरफ मोदी की गारंटी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत दुनिया की पांचवी सबसे बडी अर्थव्यवस्था बन चुका है और दुनिया की तीसरी बडी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। इस दौरान उन्होंने आव्हान करते हुए कहा कि, सभी लोग अपने वोट की ताकत पहचानें और भाजपा प्रत्याशी अरूरी रमेश को भारी मतों से विजयी बनाएं।

ऑर्गन ट्रांसप्लांट मामले में आर.यू.एच.एस. के वी.सी. डॉ. सुधीर भंडारी ने इस्तीफा दिया

डॉ. धनंजय अग्रवाल आर.यू.एच.एस. के कार्यवाहक कुलपति नियुक्त

जयपुर, 9 मई। ऑर्गन ट्रांसप्लांट के लिए फर्जी एन.ओ.सी. मामले में राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुधीर भंडारी ने गुरूवार को बर्खास्तगी के डर से राज्यपाल को इस्तीफा सौंप दिया। कुछ देर बाद ही राज्यपाल ने उनका इस्तीफा मंजूर भी कर लिया। कहा जा रहा है कि, राज्य सरकार ने भी इस मामले में डॉ. भंडारी को बर्खास्त करने की पूरी तैयारी कर ली थी और इसके लिए दोपहर बाद चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने भी राज्यपाल से मुलाकात कर उन्हें जांच रिपोर्ट सौंपकर डॉ. भंडारी की भूमिका की जानकारी दी।

राज्यपाल कलराज मिश्र ने रात को आदेश जारी कर सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज में नेफ्रोलोजी विभाग के वरिष्ठ आचार्य डॉ. धनंजय अग्रवाल को आर.यू.एच.एस. का कार्यवाहक कुलपति नियुक्त किया है।

गौरतलब है कि, इस मामले में पहले ही राज्य सरकार एस.एम.एस. के अधीक्षक डॉ. अचल शर्मा और एस.एम.एस. मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. राजीव बगरहट्टा को पद से हटा चुकी है। डॉ. सुधीर भंडारी को भी पहले इस्तीफा देने के लिए कहा गया था, लेकिन उन्होंने इस मामले में उनकी कोई भूमिका होने से इन्कार करते हुए इस्तीफा देने से मना कर दिया था। इसके बाद चिकित्सा मंत्री खींवसर ने डॉ. भंडारी को पद से हटाने के लिए राज्यपाल से मिलकर सिफारिश करने की घोषणा की थी।

राज्य में पिछले दो दिनों से चल रहे घटनाक्रम में पहले एस.एम.एस. अधीक्षक और प्राचार्य को हटाया गया और उसके बाद कुलपति को बर्खास्त करवाने की बात कही गई। इसके बाद चिकित्सा मंत्री दिल्ली चले गए और एक दिन पहले राज्यपाल भी दिल्ली गए थे। ऐसे में, बीच का रास्ता तलाशने के लिए कुलपति डॉ. सुधीर भंडारी भी बुधवार को दिल्ली ही थे, लेकिन उनकी बात नहीं बन पाई। देर रात चिकित्सा मंत्री ने जयपुर लौटते ही दोपहर को राज्यपाल से मिलने की बात कही। सुबह चिकित्सा मंत्री के राज्यपाल के पास जाने की खबर वायरल होते ही करीब 11 बजे डॉ. सुधीर भंडारी राज्यपाल से मिलने राजभवन पहुंच गए। उन्हें मनाने की कोशिश की लेकिन राज्यपाल ने चिकित्सा मंत्री का पक्ष जाने बिना कोई निर्णय करने मना कर दिया। इस पर डॉ. भंडारी राज्यपाल को अपना इस्तीफा देकर लौट गए तथा दोपहर बाद चिकित्सा मंत्री ने विभाग के अधिकारियों के साथ राज्यपाल से मुलाकात कर पूरी जांच रिपोर्ट सौंपी और बताया कि, इस मामले में डॉ. भंडारी की कितनी भूमिका रही है। इसके बाद राज्यपाल ने डॉ. भंडारी का इस्तीफा मंजूर कर लिया।

- चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने ऑर्गन ट्रांसप्लांट मामले में राज्यपाल को रिपोर्ट सौंपी तथा राज्य सरकार ने भंडारी को बर्खास्त करने की सिफारिश की।
- चिकित्सा मंत्री ने कहा कि, इस मामले की पेपर लीक प्रकरण की तर्ज पर ही जाँच होगी।

राज्यपाल से मिलने के बाद चिकित्सा मंत्री खींवसर ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि, पिछली सरकार में डॉ भंडारी का सारा कंट्रोल सेंट्रलाइज्ड था। डॉ. भंडारी को एक के बाद एक प्रमोशन दिए गए। उन्होंने कहा कि, जैसे पेपर लीक मामले में मुख्यमंत्री ने कार्रवाई की है, उसी तरह इस मामले में भी आरोपियों के जहां भी तार जुड़े हैं, उन तक पहुंचा जाएगा। उन्हें बेनकाब कर सजा दिलवाई जाएगी। उन्होंने बताया कि, फर्जी एन.ओ.सी. के जरिये ऑर्गन ट्रांसप्लांट करने का मामला साल 2020 से चल रहा है। उन्होंने निजी अस्पतालों पर भी कड़ी कार्रवाई की बात कही।

गौरतलब है कि, ए.सी.बी. ने गत दिनों रिश्वत लेकर ऑर्गन ट्रांसप्लांट के लिए फर्जी एन.ओ.सी. देने के मामले में एस.एम.एस. हॉस्पिटल के सहायक प्रशासनिक अधिकारी गौरव सिंह को गिरफ्तार किया था।

इसके अलावा प्राइवेट हॉस्पिटल फोर्टिस और ई.एच.सी.सी. के एक-एक अधिकारी को पकड़ा था। इसके कुछ दिनों बाद ही हरियाणा के गुरूग्राम में पैसे लेकर मानव अंग ट्रांसप्लांट करवाने का मामला सामने आया था। इस मामले में कई ट्रांसप्लांट जयपुर में ही हुए थे।

'हमारी सरकार में मुझ पर देशद्रोह ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पायलट ने कहा, पुरानी हिस्ट्री देख लीजिए, जब हम सत्ता में थे तो एक बार 56 सीटें आईं, फिर 21 सीटें आईं। इस बार राजस्थान में हमारे 71 विधायक हैं। यह अलग बात है कि हम सरकार रिपीट नहीं कर पाए। हम सामूहिक रूप से एक साथ मिलकर चुनाव लड़े थे। कोई कड़वाहट नहीं है, इससे कोई नुकसान नहीं हुआ। कुछ मुद्दों पर अलग राय हो सकती है। हमारा मकसद सरकार बनाना था। हम मिलकर चुनाव लड़े थे। पहले जहां सत्ता में रहते हुए 21 सीटें आती थीं, इस बार हमारे 71 विधायक हैं।

सियासी संकट के वक्त गहलोत सरकार पर फोन टैप करने के, गहलोत के पूर्व ओ.एस.डी. लोकेश शर्मा के बयान के बारे में पूछने पर पायलट ने कहा कि, नेतृत्व परिवर्तन और सत्ता परिवर्तन दो अलग-अलग बातें हैं। उस समय हमारे कुछ मुद्दे थे। हम चाह रहे थे कि, उन मुद्दों में सरकार को कोर्स करैक्शन करने की जरूरत है। सरकार में कुछ बदलने की बातें थीं। पार्टी के सामने हमने बातों को रखा, बात सुनी गई और फिर सरकार और पार्टी स्तर पर बदलाव हुए। हम जो काम करेंगे वो ही रिज़ल्ट मिलेगा।

कांग्रेस नेताओं ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के बयान पर हमला बोलते हुए कहा कि प्रधानमंत्री का यदि यह आरोप सत्य है तो वो भ्रष्टाचार की जांच के लिए ई.डी. व आयकर विभाग को जांच के लिए क्यों नहीं आदेश देते। पूर्व केन्द्रीय मंत्री शकील अहमद ने भी इस मुद्दे पर कहा कि तीन चरणों का मतदान समाप्त होने के बाद मोदी को अपनी पराजय का डर सता रहा है इसलिए अब उन्होंने अपने ही मित्रों के खिलाफ बोलना प्रारंभ कर दिया है।

महिला कांग्रेस अध्यक्ष अल्का लांबा ने भी कहा कि अब देखना यह है कि क्या ई.डी. और आयकर विभाग प्रधानमंत्री से उनके द्वारा लगाए गए गंभीर आरोपों के बारे में पूछताछ करेगी जो उन्होंने उनके दो ज़िगरी मित्रों पर लगाए हैं। गुजरात कांग्रेस अध्यक्ष शक्ति सिंह गोहिल ने चुनौती देते हुए कहा कि ई.डी. एवं आयकर विभाग प्रधानमंत्री के अधीन है अत: उनकों अपने मित्रों पर छापे मारने का आदेश देना चाहिए। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत और मध्यप्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने आश्चर्य प्रकट करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी इतने ज्यादा परेशान क्यों हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को अडाणी व अंबानी के खिलाफ जांच करने के लिए ई.डी. एवं सी.बी.आई. को भेज देना चाहिए।

प्र.मंत्री मोदी और राहुल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रधानमंत्री मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी को चुनौती पेश करते हुए कहा गया है कि "18वीं लोकसभा के लिए चल रही वोटिंग प्रक्रिया अपना आधा रास्ता तय कर चुकी है। सत्तारूढ़ भाजपा और मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के नेता रैलियों और सार्वजनिक संबोधनों में हमारे संवैधानिक लोकतंत्र से संबंधित महत्वपूर्ण सवाल उठा चुके हैं।"

उक्त तीनों द्वारा हस्ताक्षरित पत्र में रेखांकित किया गया है कि प्रधानमंत्री ने आरक्षण, धारा 370 और धन-सम्पत्ति के पुर्नवितरण पर कांग्रेस को खुले आम चुनौती दी है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने संविधान की संभावित काट-छांट, इलैक्टोरल बॉण्ड स्कीम और चीन के प्रति सरकार की प्रतिक्रिया को लेकर प्रधानमंत्री से सवाल किए हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री को एक सार्वजनिक बहस करने की भी चुनौती दी है।

पत्र में एक प्रस्ताव के साथ ही रिप्लाई एड्रैस भी दिया गया है। प्रस्ताव के अनुसार, बहस का स्थल, अवधि और फॉर्मेट की शर्तें वे ही होंगी जिन पर प्रधानमंत्री और राहुल गांधी दोनों सहमत हो जाए और ये नेता यदि स्वयं बहस नहीं करना चाहते तो वह इसके लिए अपने-अपने प्रतिनिधि मनोनीत कर सकते हैं।

मदन बी. लोकुर सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश हैं, जबकि ए.पी. शाह दिल्ली हाई कोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस हैं। एन. राम एक सीनियर पत्रकार और "द हिंदू" अखबार के पूर्व संपादकीय प्रभारी हैं।

भारी मतदान के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जिससे साबित होता था कि शिकायत दुर्भावनापूर्ण थी।

राज्यपाल बोस ने राजभवन में पुलिस को प्रवेश करने की इजाजत नहीं दी थी और स्थानीय पुलिस का किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप बंद कर दिया था।

राज्यपाल बोस ने कुछ विशेष नागरिकों को सी.सी.टी.वी. पर फुटेज कवरेज देखने के लिए आमंत्रित किया है और उन्होंने कहा था कि वे प्रैस के लोगों से स्वयं बात करेंगे। हालांकि उन्होंने तृणमूल कांग्रेस के सदस्यों और मंत्रियों का राजभवन में प्रवेश निषेध कर दिया था। बंगाल के चुनावी माहौल में आरोप घने व तेजगति से मंडरा रहे हैं। जनता बुद्धिमान नज़र आ रही है पर वे थोड़े संकेत देने लगे है कि वो किसे वोट देने वाले हैं।

'देश की जनसंख्या में 1950...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सभी नीतिगत कार्यवाहियों, राजनीतिक निर्णयों और सामाजिक प्रक्रियाओं का शुद्ध परिणाम समाज में बढ़ती विविधता के लिए एक सकारात्मक वातावरण उपलब्ध करवाना है।

रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि बहुसंख्यक समुदाय की घटती आबादी के वैश्विक रूझान के क्रम में भारत में भी बहुसंख्यक धार्मिक समुदाय की आबादी के शेयर में 7.82 प्रतिशत कमी देखने को मिली।

पेपर में कहा गया कि दक्षिण एशियाई पड़ौसी देशों के वृहद संदर्भ को देखते हुए यह अपने आप में खास है क्योंकि उन पड़ौसी देशों जैसे कि बांग्लादेश, पाकिस्तान, श्रीलंका, भूटान और अफगानिस्तान में बहुसंख्यक लोगों की आबादी बढ़ी है, जबकि अल्पसंख्यक समुदायों के लोगों की आबादी में भारी गिरावट आई है।

पेपर में कहा गया कि यह तथ्य आश्चर्यजनक नहीं है, तभी तो उत्पीड़न के समय के दौरान पड़ोस के देशों की अल्पसंख्यक आबादी भारत आकर बसी। रिपोर्ट ने संकेत दिया कि, सभी मुस्लिम बहुल देशों में, बहुसंख्यक धार्मिक संप्रदाय के शेयर में वृद्धि देखी गयी सिवाय मालदीव के, जहां बहुसंख्यक गुट (शफी सुन्नी) में 1.47 प्रतिशत की कमी आयी।

बांग्लादेश में, बहुसंख्यक धार्मिक समूह के शेयर में 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई जो कि, भारतीय उपमहाद्वीप में सबसे ज्यादा है। पाकिस्तान में, बहुसंख्यक धार्मिक संप्रदाय (हनाफी मुस्लिम) के शेयर में 3.75 प्रतिशत वृद्धि और कुल मुसलमानों की जनसंख्या में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जबकि सन् 1971 में बांग्लादेश बन चुका था।

रिपोर्ट के अनुसार, गैर-मुस्लिम बहुल देशों, भारत, म्यांमार और नेपाल में बहुसंख्यक धार्मिक संप्रदायों में कमी देखी गई।

रिपोर्ट में वर्ष 1950 को बेसलाइन वर्ष लेने के दो प्रमुख कारण हैं।

रिपोर्ट ने कहा, यही समय था जब संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय मानव अधिकारों की रूपरेखा बनी थी, अल्पसंख्यक के अधिकारों और अल्पसंख्यकों के संरक्षण के प्रति राज्य की जिम्मेवारी को अंतरराष्ट्रीय कानून की मुख्य धारा में लाया गया था।

यह रिपोर्ट दुनिया भर में सन् 1950 से सन् 2015 के बीच के 65 वर्षों में अल्पसंख्यकों की उस देश की जनसंख्या में बदलते शेयर की स्थिति पर एक विस्तृत वर्णनात्मक विश्लेषण है। जिन 167 देशों में यह विश्लेषण किया गया वहां, बेसलाइन वर्ष 1950 में, बहुसंख्यक धार्मिक संप्रदाय के शेयर की औसत वैल्यु 75 प्रतिशत थी, जबकि, वर्ष 1950 से वर्ष 2015 के बीच बहुसंख्यक धार्मिक संप्रदाय के बदलाव का औसत 21.9 है। सरसरी तौर पर देखने से पता चलता है कि वर्ष 1950 से वर्ष 2015 के बीच की जानकारी उठाने और जारी करने का फैसला बड़ी ही अक्लमंदी से किया गया है ताकि ऐसा नेरेटिव बनाया जा सके तो सत्तारूढ़ पार्टी के अनुकूल हो।

प्र.मंत्री मोदी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है, जदयू 16 सीटों पर चुनाव लड़ रही है जो कि वर्ष 2019 के चुनावों से केवल एक कम है। इस बार, नीतीश कुमार का प्रभाव और राजनीतिक प्रतिष्ठा, कथित तौर से, उनके बार-बार पाला बदलने और उनकी आयु के कारण कम हो गयी है। दूसरी तरफ शिव सेना का एकनाथ शिंदे गुट और अजीत पवार की एन.सी.पी. एक अलग पार्टी के रुप में, पहली बार चुनाव लड़ रहे हैं।

"इशु लैस" चुनाव ने सभी को डरा रखा है, ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सीमित व कम होती है, इसीलिए चार महीने पहले जनमानस में गहलोत सरकार के सर्वव्यापी भ्रष्टाचार के कारण जो रोष था, उद्वेग था, वह कुछ धुंधला पड़ गया, नहीं तो वह जनआक्रोश अपने आप पर्याप्त था, आम आदमी के मन में चुनाव के प्रति उदासीनता के बादलों को भेदने के लिये। पर, यह भी सच है कि, दूसरी ओर भाजपा भी इतनी प्रचंड लहर नहीं पैदा कर सकी, प्र.मंत्री मोदी के पक्ष में कि, जनता उमड़-उमड़ कर झुण्डों में आती वोट देने।

इस "इशू लैस" चुनाव में क्या "रिज़ल्ट" रहेगा, इसका भय भाजपा, कांग्रेस, अफसर, पुलिस तथा सत्ता के गलियारों में चक्कर लगाने वाले आधे-अधूरे से दलालों, सबको सता रहा है। इन लोगों को भय है कि, अगर अपनी दुकानों में गलत सामान रख लिया तो बिक्री तो छोड़ो, लेने के देने पड़ जायेंगे। इन समुदायों के नेताओं, कई जातियों को भय है कि, अब तक प्रचलित कई राजनीतिक किंवदंतियां व धारणाएं, नेस्तनाबूद हो सकती हैं, चुनाव के नतीजों से। विधानसभा चुनावों में धारणा फैली थी कि, शेखावाटी में (सीकर, झुंझुनूं, चूरू) जाटों ने हर बार की तरह अपना वोट बंटने नहीं दिया और कांग्रेस के पक्ष में जमकर मतदान किया, जिससे शेखावाटी में कांग्रेस को भारी सफलता मिली। पर, इसी क्षेत्र के एक वरिष्ठतम जाट नेता का इससे भिन्न सोच है। उनका कहना है, जाट वोट विभाजित हुआ, 60:40 या 55:45 के अनुपात में। पर, कांग्रेस विजयी हुई मुसलमान व एस.सी. मतदाताओं के एकतरफा कांग्रेस के समर्थन के कारण। अगर यह प्रदर्शन लोकसभा चुनाव के रिज़ल्ट में दोहराया जाता है तो, प्रदेश की राजनीति में भारी बदलाव लायेगा। स्वाभाविक ही है, जाट समुदाय इस संभावना से व्यथित है, डरा हुआ सा है।

एक और धारणा प्रचलित है कि, मूल ओ.बी.सी. (माली, धोबी, प्रजापत, कुम्हार, सुनार आदि) सदा से भाजपा का अभेद्य किला रहे हैं। तथा अब तक इस मूल ओ.बी.सी. वर्ग ने भाजपा को, जाटों, एस.सी. व अल्पसंख्यक वर्ग के "ऑन स्लॉट" (भारी मतदान) के परिणामों से बचाया है। इस धारणा का भी टैस्ट होगा कि, यह धारणा प्रमाणित होगी या अप्रमाणित साबित होगी लोकसभा चुनाव के नतीजों से।

यह भी माना जाता है कि, महिलाएं जम कर वोट करेंगी भाजपा के लिये, मोदी जी के लिये, क्योंकि राम मंदिर बनना उनके लिये भावना व श्रद्धा का विषय है, अत: भारी संख्या में वोट देकर, वे अपने आपको उऋण महसूस करना चाहेंगी। इस बार चुनाव के पूर्व यह बात भी खूब फैली थी कि, भाजपा के प्रति राजपूत कुछ अनमने से हैं, रूपाला प्रकरण से, राजेन्द्र राठौड़ की तथाकथित अवहेलना से, आदि, आदि। अगर यह अनमनापन राजनीतिक दृष्टि से, चुनाव की दृष्टि से बेअसर रहा तो वाकई में चिन्ता का विषय रहेगा और भय व आशंका का कारण बनेगा, आत्मसम्मान से ओत-प्रोत समाज के लिये।

पिछले विधानसभा चुनावों में गुर्जर कांग्रेस से विमुख हो गये थे तथा भाजपा की ओर बढ़ गये थे, पार्टी में अपने लाड़ले नेता सचिन पायलट को लगातार तिरस्कृत व अपमानित होता देखकर। इस तिरस्कार का मूल वे गहलोत को मानते थे तथा हाईकमान किन्ही कारणों से मूकदर्शक बनकर रह गया था इस पूरे प्रकरण में। इस बार इस समुदाय ने यह महसूस किया कि, पायलट की चली है लोकसभा चुनाव में। उदाहरण के लिये, उनके कहने से, उनके नौ-दस समर्थकों को टिकट मिले। अत: लोकसभा चुनाव में किसी हद तक गुर्जरों की कांग्रेस में वापसी हुई है। पायलट ने भी अवसर का पूरा लाभ उठाया तथा अपने समर्थकों के क्षेत्र में आम सभाएं, रोड शो किये। जबकि गहलोत, धृतराष्ट्र की भांति पुत्र मोह से ग्रसित, अधिकतर वैभव के चुनाव तक ही सीमित रहे। रिज़ल्ट से पायलट व उनके समर्थक भयभीत नहीं हैं, क्योंकि जिन सीटों पर कांग्रेस की जीत की संभावना देखी जा रही है और जहां जीत पक्की सी मानी जा रही है (दौसा, टोंक, सवाई माधोपुर, जयपुर ग्रामीण) सभी पायलट के क्षेत्र माने जाते हैं। अगर जीत न भी हो तो भी यह तो अवश्य ही कहा जा सकता है कि, भाजपा की जीत का मार्जिन बहुत कम होगा, अन्य सीटों की तुलना में।

गहलोत की चिंता व भय का एक बड़ा कारण यह भी है कि, अगर भाजपा का स्कोर 25.0 रहा तो गहलोत समर्थक राजनीतिक नेता व अफसर भाजपा के समक्ष अपने मार्क्स बढ़ाने के लिए, अपना-अपना मुंह खोलने लगेंगे, गहलोत सरकार के भ्रष्टाचार व कुप्रबंधन के सबूत पेश करने के लिये। गहलोत के प्रबल समर्थक, जिनको अपनी सरकार बचाने के लिये टिकट दिलाने में गहलोत पूरी तरह अंतिम क्षणों तक प्रयासरत थे, व दर्जनों अन्य नेता अब पार्टी बदलकर, भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर चुके हैं। फोन टैपिंग, पेपर लीक और किडनी ट्रांसप्लांट, ऐसे सदाबहार प्रकरण हैं, जिन पर गहलोत सरकार को कभी भी लपेटा जा सकता है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908